RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 113
नई दिल्ली, रविवार, 28 फरवरी, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

ऐसिड अटैक
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कमजोर हो रही कांग्रेस के कायाकल्प की मांग

जम्मू में जुटे असंतुष्ट नेता

● गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी समेत कई दिग्गज पहुंचे

● आजाद के अनुभव का इस्तेमाल न करने के लिए पार्टी नेतृत्व को घेरा

मोहित कंडारी। जम्मू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अध्यक्षता वाली सरकार को घेरने के लिए मजबूत कांग्रेस नेतृत्व की मांग करते हुए 23 कांग्रेस नेताओं के समूह के सदस्यों ने पार्टी के शीर्ष नेताओं पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सवाल किया कि जब पार्टी को गुलाम नबी आजाद जैसे बेहद अनुभवी नेता की सेवाओं की सबसे ज्यादा दरकार थी तब उनका सही ढंग से उपयोग करने में कांग्रेस नेतृत्व क्यों नाकाम रहा।

इस ग्रुप को पार्टी के खेमे में 'असंतुष्टों' की आवाज के तौर पर जाना जाता है। असंतुष्टों के गुट से जुड़े सात नेता यहां जम्मू में गांधी ग्लोबल परिवार द्वारा आयोजित शांति सम्मेलन में भाग लेने के इकट्ठा हुए थे। दिलचस्प बात ये है कि चुनाव आयोग द्वारा केरल, तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीख का ऐलान करने के एक दिन बाद ये नेता अपनी 'ताकत दिखाने' के लिए यहां एकत्र हुए। इन नेताओं ने एक सुर में कांग्रेस नेतृत्व को स्पष्ट संदेश दिया कि बहुत देर होने से बेहतर है कि पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करना शुरू कर दिया जाए।

इन नेताओं के संबोधन और तेवर से साफ संकेत मिल रहा है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी में बड़ी उठापटक हो सकती है। इन नेताओं ने साफ कर दिया है कि वे चुपचाप नहीं बैठेंगे क्योंकि देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। गुलाम नबी आजाद के अलावा पूर्व कैबिनेट मंत्री कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद राजबब्बर तथा विवेक तन्खा ने जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इन नेताओं ने जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का भी खुला समर्थन किया। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीए मीर समेत किसी भी पदाधिकारी ने कार्यक्रम में शिरकत नहीं की। केवल गुलाम नबी आजाद के वफादारों ने इसमें भाग लिया। कांग्रेस वरिष्ठतम नेताओं में से एक आनंद शर्मा ने कहा कि पिछले दशक में कांग्रेस कमजोर हुई है। हमारी आवाज पार्टी को बेहतरी के लिए है। यह फिर सब जगह मजबूत किया जाना चाहिए। नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ा जाना चाहिए। हमने कांग्रेस के अच्छे दिनों को देखा है। हम अपनी गुजरती उम्र के साथ इसे कमजोर होता नहीं देखना चाहते।

उनके कैबिनेट सहयोगी कपिल सिब्बल तथा मनीष तिवारी ने शीर्ष पर मजबूत कांग्रेस नेतृत्व के लिए वकालत की। सिब्बल ने कहा कि हम पहले भी इकट्ठा हुए और हमने पार्टी को मिलकर मजबूत किया है। सिब्बल ने सवाल किया कि कांग्रेस ने क्यों नहीं अनुभवी गुलाम नबी आजाद का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे नेता है जो हर राज्य हर जिले में कांग्रेस की जमीनी हकीकत जानते हैं। वे जब संसद से अलग हुए तो हमें दुख हुआ। हम नहीं चाहते कि वे संसद से जाएं।

कुछ इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए आनंद शर्मा ने भी कहा कि 1950 के बाद ऐसा कोई मौका नहीं आया था जब राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर का कोई प्रतिनिधि न हो। इसे ठीक किया जाएगा। इस बीच, शुक्रवार को यहां पहुंचे आजाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आजाद बोले 'मैं संसद से जरूर रिटायर हो गया हूं लेकिन राजनीति से नहीं। जब भी मेरे साथ ऐसा व्यवहार हुआ है, मैं फिर लौटकर आया हूं। शांति सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा ' चाहे जम्मू या कश्मीर या लद्दाख हो, हम सारे धर्मों, लोगों और जातियों का सम्मान करते हैं। हम सबका बराबर सम्मान करते हैं, यह हमारी ताकत है और हम इसे जारी रखेंगे।

जम्मू में शनिवार को कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने बैठक की और अपना असंतोष जाहिर किया

निजी अस्पतालों में 250 रुपये में लगेगा टीका

● 150 वैक्सीन की कीमत और 100 रुपये होगा सर्विस चार्ज, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त होगा टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निजी अस्पतालों में कोविड टीकाकरण को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। केंद्र सरकार ने शनिवार को जानकारी दी है कि कोरोना टीकाकरण केंद्र के रूप में काम कर रहे निजी अस्पताल में प्रति व्यक्ति एक खुराक लगाने के 250 रुपये लिए जाएंगे। देश में कोरोना टीकाकरण को लेकर केंद्र पहले ही कह चुका है कि सरकारी अस्पतालों में कोरोना टीका मुफ्त लगाया जाएगा।

देश में एक मार्च से 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण करने की तैयारी चल रही है। देशभर के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीकाकरण की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी लेकिन निजी अस्पतालों कितनी रकम ली जाएगी, यह स्पष्ट नहीं था। देश के लगभग 10,000 निजी अस्पतालों में टीका लगाया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण के अनुसार टीके के लिए अधिकतम शुल्क 250 रुपए लिया जाएगा, जिसमें 150 रुपए टीके की कीमत और 100 रुपए सेवा शुल्क जुड़ा है। यह व्यवस्था अगले आदेशों तक लागू रहेगी। सूत्रों के अनुसार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस बारे में (शेष पेज 9)

प्राथमिकता के आधार पर लगाए जाएंगे टीके

जिन जिलों में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर टीके लगाए जाएंगे। केंद्रीय कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने आठ राज्यों में कोरोना संक्रमण के हालात की समीक्षा के दौरान इसके निर्देश दिए। इन आठ राज्यों में पिछले 15 दिनों में कोरोना का संक्रमण तेजी से फैला है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कैबिनेट सचिव ने महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बंगाल, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिवों के साथ बैठक की। इस दौरान संक्रमण रोकने के लिए गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश को कड़ाई से लागू करने और टेस्टिंग बढ़ाकर संक्रमित मरीजों और उनके संपर्को की पहचान कर उन्हें आइसोलेशन में रखने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

लगातार तीसरे दिन देश में 16 हजार से अधिक मामले

● पिछले 24 घंटों में संक्रमण से 113 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में शनिवार को लगातार तीसरे दिन कोविड-19 के 16,000 से अधिक मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,10,79,979 हो गई जबकि अब तक 1,07,63,451 लोग ठीक हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में संक्रमण के कुल 16,488 मामले आए।

संक्रमण से 113 और लोगों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या 1,56,938 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,59,590 है जो कि संक्रमण के कुल मामलों का 1.44 प्रतिशत है। संक्रमण से अब तक 1,07,63,451 लोग स्वस्थ हो चुके हैं जिससे ठीक होने की दर 97.14 प्रतिशत हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.42 प्रतिशत है। देश में शुक्रवार को संक्रमण के 16,577 मामले और बृहस्पतिवार को 16,738 मामले आए थे। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसम्बर को एक करोड़ के पार चले गए थे।

पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 113 और लोगों की मौत हो गई। इनमें महाराष्ट्र से 48, पंजाब से 15 और केरल से 14 लोगों की मौत के मामले सामने आए। महाराष्ट्र में अब तक 52,041, तमिलनाडु में 12,488, कर्नाटक में 12,320, दिल्ली में 10,906, पश्चिम बंगाल में 10,263, उत्तर प्रदेश में 8,725, आंध्र प्रदेश में 7169 लोगों की मौत हुई है। लक्षद्वीप में कोरोना वायरस संक्रमण से पहली मौत होने की खबर है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी (शेष पेज 9)

केंद्र सरकार की राज्यों को सलाह कोरोना नियमों में न बरतें ढिलाई

● नए मामलों में वृद्धि पर कैबिनेट सचिव ने कई प्रदेशों के अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि से जूझ रहे राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को स्थिति बहुत बिगड़ जाने की आशंका को देखते हुए कोविड-19 के नियंत्रण संबंधी उपायों को दृढ़ता से लागू करने, नियमों के उल्लंघनों से कड़ाई से निपटने तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने की शनिवार को सलाह दी ताकि वह बेहतर स्थित ना गंवा दी जाए जो पिछले साल हासिल की गई थी।

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिवों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इन राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में बड़ी संख्या में उपचारत मरीज हैं और पिछले सप्ताह नए मामलों में वृद्धि देखी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उन्हें अपनी निगरानी नहीं कम नहीं करने, कोविड नियंत्रण संबंधी उपाय दृढ़ता से लागू करने और उल्लंघनों से कड़ाई से निपटने की सलाह दी गई है। इस बात पर बल दिया गया कि उन्हें स्थिति बहुत बिगड़ जाने की आशंका को ध्यान में रखकर प्रभावी निगरानी रणनीतियों का पालन करने की जरूरत है। बैठक में प्रभावी जांच, समग्र ट्रैकिंग, मरीजों का पृथकवास एवं उनके संपर्क में आए व्यक्तियों को पृथक-वास में भेजने पर भी बल दिया गया। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से उन जिलों में जांच बढ़ाने को कहा गया जहां जांच कम हो रही हैं या जहां उच्च एंटीजन जांच हैं।

बयान के अनुसार बैठक में राज्यों से उन जिलों में प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण करने को कहा गया है जहां अधिक मामले सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु और गुजरात में पिछले 24 घंटे में नए मामले में वृद्धि हुई है। इन राज्यों में कोविड-19 की वर्तमान दशा पर विस्तृत प्रस्तुति दी और बताया गया कि किन जिलों में नए मामले अधिक बढ़ रहे हैं।

अमृतसर में एक व्यक्ति की कोरोना जांच करती चिकित्साकर्मी

द्रमुक और कांग्रेस गठजोड़ पर संदेह

● कई दौर की वार्ता के बाद भी नहीं बनी सहमति, कांग्रेस 20 सीटें मिलने से खफा

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

तमिलनाडु में कांग्रेस और द्रमुक के बीच चुनावी गठजोड़ पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। दोनों दलों के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन सहमति नहीं बन पाई है। राज्य में आगामी अप्रैल में विधानसभा चुनाव होंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के एक नेता ने द पॉयनियर को बताया कि द्रमुक के साथ विधानसभा सीटों के बंटवारे को लेकर हालात बेहद जटिल हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि शनिवार दोपहर 2 बजे तक द्रमुक अधिकतम 20 सीटें देने पर अड़ी रही। कांग्रेस इस पर राजी नहीं है, क्योंकि वर्ष 2016 में कांग्रेस को 40 सीटें आवंटित हुई थीं। इनमें से आठ पर पार्टी चुनाव जीती थी। पिछले सप्ताह पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी ने कांग्रेस के एक दल को द्रमुक मुख्यालय प्रमुख द्रविड़िन नेता से वार्ता के लिए भेजा था। राहुल गांधी के करीबी एक दूसरे नेता ने कहा कि कई दौर चली वार्ता के बावजूद अनुभव अच्छा नहीं रहा। कांग्रेसी नेता ने कहा कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को 40 सीटों से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। शनिवार को राहुल गांधी के साथ तूथुकुडी में मौजूद इस नेता ने कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक ने कांग्रेस की साख के सहारे चुनाव जीता था। इस बार राज्य में द्रमुक विरोधी माहौल है, लेकिन कांग्रेस इस बार भी अच्छा प्रदर्शन करेगी और यह दुनिया देखेगी। कांग्रेसी नेता का यह बयान उस समय आया है जब कांग्रेस और द्रमुक के बीच विश्वास घट गया है।

ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि पुडुचेरी में द्रमुक विधायक के इस्तीफे से नारायणसामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अल्पमत में आने के बाद गिर गई थी। कांग्रेस वार्ताकारों में इस बार केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी और कर्नाटक के दिनेश गुंडु राव हैं। नेता ने कहा कि इस गुलाम नबी आजाद के नहीं आने से तमिलनाडु कांग्रेस के नेताओं को आश्चर्य हुआ है क्योंकि आजाद द्रमुक के काम करने के आतंरिक तरीके को अच्छी तरह समझते हैं। कांग्रेस-द्रमुक की वार्ता में गतिरोध के बीच अन्नाद्रमुक ने विधानसभा में शुक्रवार को 2 करोड़ आबादी वाले वन्नियार समुदाय को सरकारी नौकरी में 10.5 फीसदी आरक्षण (शेष पेज 9)

ईडी ने कर्नाटक की कॉरपोरेटिव सोसाइटी के प्रवर्तकों की 84 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोष में गबन कर धनशोधन करने के आरोपी कर्नाटक की कोऑपरेटिव सोसाइटी एवं उसके प्रवर्तकों की करीब 84 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। केंद्रीय एजेंसी ने शनिवार को बताया कि कृषि एवं गैर कृषि भूमि,इमारत, आवासीय फ्लैट एवं फैक्टरी संपत्ति धनशोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क की गई है। ईडी ने बताया कि यह संपत्ति एन नंजुंदैया (कण्व ग्रुप ऑफ कंपनी के निदेशक), उनके परिवार के सदस्यों एवं कुछ संपत्ति कण्व सौहार्द को-ऑपरेटिव क्रेडिट लिमिटेड (एसकेएससीसीएल) के संस्थापक निदेशक एवं अध्यक्ष एस हरीश से जुड़ी है। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि करीब 84.40 करोड़ रुपए की ये संपत्ति कर्नाटक के नीलमंगला, कोराटागेरे, चिक्कबलपुर, श्रीरंगपट्टनम और बेंगलुरु में और आंध्र प्रदेश के मदकसिरा (अनंतपुर जिले) में स्थित है। उल्लेखनीय है कि नंजुंदैया को ईडी ने पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,099	
निफ्टी	14,529	
सोना	45,599	/10g
चांदी	67,419	/kg

क्विक न्यूज

निगम की पांच सीटों पर उपचुनाव आज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की पांच सीटों के लिए रविवार को उपचुनाव होगा। पांच सीटों पर कुल 63 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। जहां तीनों प्रमुख राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं पुलिस प्रशासन ने सभी इंतजाम पुख्ता कर लिए हैं। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के त्रिलोकपुरी, कल्याणपुरी और चौहान बांगर वार्ड पर उपचुनाव हो रहे है, जबकि उत्तरी दिल्ली नगर निगम की रोहिणी सी और शालीमार बाग नॉर्थ वार्ड में वोट डाले जाएंगे। (विस्तृत पेज 3)

50 लाख यूजर पर ही अहम सोशल मीडिया मंच का दर्जा

● इसमें आने वाली कंपनियों को नए आईटी नियमों के तहत अतिरिक्त सावधानियों का करना होगा पालन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंच की परिभाषा तय करते हुए इसके लिए न्यूनतम 50 लाख यूजर (उपयोगकर्ता) संख्या की शर्त रखी है। इस परिभाषा में आने वाली कंपनियों को नए आईटी नियमों के तहत अपने सोशल मीडिया मंच का दुरुपयोग रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानियों का अनुपालन करना होगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में घोषित नए नियमों के तहत महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंचों को मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल संपर्क व्यक्ति और निवासी शिकायत अधिकारी की नियुक्ति सहित अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। इसमें यह भी शर्त है कि तीनों अधिकारियों को भारत में रहना होगा। उन्हें मासिक अनुपालन रिपोर्ट और लगातार हटाई गई सामग्रियों का विवरण प्रकाशित करनी होगी।

अभी देश में व्हाट्सएप के 53 करोड़, यूट्यूब के 44.8 करोड़, फेसबुक के 41 करोड़, इंस्टाग्राम के 21 करोड़ और ट्विटर के 1.75 करोड़ खाताधारक हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने भारत में एक महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंच के लिए 50 (शेष पेज 9)

वन डिस्ट्रिक्ट, वन फोकस के तहत 728 जिलों की पहचान

● चिन्हित जिलों में कृषि और उससे जुड़े उत्पादों को दिया जाएगा बढ़ावा

● ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए लाई जाएंगी योजनाएं, किसानों की आय में भी होगी वृद्धि

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कृषि निर्यात को बढ़ावा देने, किसानों की आय दोगुनी करने और ग्रामीण क्षेत्रों में नौकरियां व रोजगार उत्पन्न करने के मकसद से केंद्र सरकार ने शनिवार को वन डिस्ट्रिक्ट, वन फोकस प्रोडक्ट (ओडीओएफपी) के तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के उत्पादों की सूची जारी की है।

देश भर के 728 जिलों में क्लस्टर दृष्टिकोण से इस योजना का प्रचार किया जाएगा। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश के बलिया जिले को बिंदी (टिकुली) क्लस्टर के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा तो झारखंड के देवघर और दुमका को पेड़ा उत्पाद हब के तौर पर विकसित किया जाएगा। मसालों के लिए राजौरी, ट्राउट मछली के लिए अनंतनाग, गुड़ के लिए अयोध्या, खाद्य प्रसंस्करण देसी घी के लिए औरैया तो फूलों के लिए श्रीनगर, विदेशी सब्जियों के लिए बडगाम, नमकीन के लिए, पूर्वी दिल्ली तो दूध से बने उत्पादों के लिए दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली को हब के रूप में पहचान दिलाई जाएगी।

इसी तरह कुपवाड़ा को अखरोट के लिए विकसित किया जाना है। शहद के लिए गांदरबल, प्रसंस्कृत पोल्ट्री/मटन के लिए बांदीपोरा, टमाटर आधारित उत्पादों के लिए छत्तीसगढ़ में दुर्ग और कोड़िया, लीची के लिए सर्गुजा, अमरूद के लिए गुजरात में बाटोड, चना आधारित उत्पादों के लिए पोरबंदर, कटहल के लिए उत्तरी गोवा, प्याज के लिए अंबाला, फलों की शराब के लिए किन्नूर को बढ़ावा दिया जाएगा। ओडीओएफपी योजना के तहत स्थानीय स्तर पर विशेष उत्पाद को बढ़ावा देने से न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार भी अधिक मिलेगा और उत्पादों का निर्यात भी होगा।

देशभर के जिन जिलों को विशेष उत्पाद के लिए बढ़ावा दिया जाएगा, उनमें 75 जिले उत्तर प्रदेश के हैं। इनके अलावा अरुणाचल प्रदेश के 25, बिहार के 38, छत्तीसगढ़ के 28, गोवा के 2, हरियाणा के 22, हिमाचल प्रदेश के 12, झारखंड के 24, जम्मू-कश्मीर के 20, कर्नाटक के 31, केरल के 14, मध्य प्रदेश के 52, महाराष्ट्र के 36, मणिपुर के 16, ओडिशा के 30, पंजाब के 23, सिक्किम के 4, तमिलनाडु के 36, त्रिपुरा के 8, पश्चिम बंगाल के 18, उत्तराखंड के (शेष पेज 9)

अयोध्या में गुड़ से उत्पाद बनाते स्थानीय लोग फाइल फोटो

नोएडा में यूपी का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क

सीईओ की अगुवाई में अफसरों की टीम दौरा करने गई है विशाखापट्टनम

● कम पूंजी लगाने वाले उद्यमियों को होगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश में पहला मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग्स पार्क बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए यमुना सिटी में फ्लैटेड फैक्ट्री योजना लांच की जाएगी। एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ अरुण वीर सिंह की अगुवाई में अथॉरिटी के अधिकारियों का एक दल विशाखापट्टनम गया हुआ है।

दरअसल, फ्लैटेड फैक्ट्री योजना में पहले से संचालित हो रही है। अधिकारियों की टीम इसके लाभ-हानि की समीक्षा करेगी और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में इसे लागू करने की योजना पर अमल किया जाएगा। वहां से लौटने के बाद प्राधिकरण के सीईओ की अध्यक्षता में बैठक कर इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने करीब 6 महीने पहले मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग्स पार्क बनाने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को नोडल एजेंसी नियुक्त किया था।

यमुना प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने करीब दो महीने पहले हुए बिडिंग प्रक्रिया में भाग लिया था। शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि अगले कुछ दिनों में जल्दी ही मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग पार्क को लेकर फैसला हो जाएगा। इस परियोजना के लिए सेक्टर-28 में करीब 250 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है।

विदेशी कॉन्सेप्ट है

फ्लैटेड फैक्ट्री की परिकल्पना विदेशी है। इसके तहत फ्लैटनुमा बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाता है। इनमें जूता सिलाई, रेडीमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक-इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट, हैंडीक्राफ्ट, फैशन डिजाइन, आईटी सेक्टर से जुड़े केपीओ, बीपीओ, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजाइनिंग, असेंबलिंग की छोटी फैक्ट्रियां स्थापित होती हैं। इन फ्लैटेड फैक्ट्रियों में अन्य जरुरी संसाधन पहले से ही स्थापित होंगे।

दरअसल फ्लैटेड फैक्ट्री कॉन्सेप्ट ऐसे उद्यमियों के लिए है, जो कम पूंजी में व्यवसाय करने के इच्छुक हैं। जिनके पास जमीन खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, वे इन सोसाइटी में किराये पर जगह लेकर कारोबार शुरू कर सकते हैं। फ्लैटेड फैक्ट्री में प्रोजेक्ट की जरुरत के मुताबिक स्थान आवंटित किया जाता है।

हेल्थ सेक्टर को मजबूत करना चाहती है सरकार

कोरोना महामारी में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने और चीन पर निर्भरता कम करने के लिए कवायद तेज हो गई है। इसको लेकर मेडिकल उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल उपकरणों का निर्माण करने के लिए मेडिटेक पार्क की डीपीआर कलाम ऑफ हेल्थ टेक्नोलॉजी (केआईएचटी) हैदराबाद बना रहा है। इस मेडिटेक पार्क में करीब 2 हजार करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। इससे यहां करीब 60 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। बता दें कि भारत में अभी 20 प्रतिशत मेडिकल उपकरण बनाए जाते हैं। बाकी 80 प्रतिशत आयात किए जाते हैं। इस निर्भरता को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार ने यह पहल की है। यहां पर मेडिकल उपकरण बनने से कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है।

महिलाओं को आर्थिक मजबूती देंगे : तोमर

नोएडा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आजीविका मिशन देश की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

तोमर ने सेक्टर-33ए स्थित नोएडा शिल्प हाट में आयोजित आजीविका सरस मेले के उद्घाटन अवसर पर शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा उनकी प्रतिभाओं को देशवासियों के समक्ष लाने के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए वर्ष 2022 तक 10 करोड़ महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को बेहतर मंच देने के लिए ही आजीविका सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन के पश्चात केंद्रीय मंत्री ने सरस आजीविका मेले का निरीक्षण किया।

जेवर एयरपोर्ट : 1000 करोड़ कर्ज लेगा यीडा

ब्याज का बोझ कम करने और परियोजना में किया जाएगा इस्तेमाल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ब्याज का बोझ कम करने के लिए बैंक से एक हजार करोड़ रुपये का लोन लेगा। पिछला ऋण चुकाने के साथ इस धनराशि का इस्तेमाल जेवर एयरपोर्ट परियोजना में किया जाएगा।

कोरोना महामारी लॉकडाउन खत्म होने के बाद से प्राधिकरण अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में लगा है। इसमें कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा के बाद से इस दिशा में सराहनीय सुधार हुआ है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जेवर में बनने के ऐलान के बाद से यमुना प्राधिकरण की माली हालत में लगातार सुधार हो रहा है। यहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए प्राधिकरण को अरबों रुपये का निवेश मिल रहा है। साथ ही आवासीय योजनाओं में भी लोग रुचि दिखा रहे हैं। यमुना प्राधिकरण नई परियोजनाओं को लेकर भी काम कर रहा है। जेवर एयरपोर्ट के निर्माण और विस्तार में प्राधिकरण को भी अपनी हिस्सेदारी देना है।

कम दर पर मिलेगा लोन

इस सिलसिले में प्राधिकरण 1 हजार करोड़ रुपए का लोन लेगा। यह लोन उसे 6.9 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर मिलेगा। हालांकि बैंकों से अथॉरिटी को 8 या 8.17 फीसदी की दर से पैसा मिल रहा है। इस रकम से प्राधिकरण ज्यादा ब्याज लेने वाले बैंकों का लोन चुकता करेगा। वित्तीय वर्ष 2016-17 में यमुना प्राधिकरण के जिम्मे 4,842 करोड़ रुपए का लोन था। साल 2020 तक प्राधिकरण ने इसका ज्यादा हिस्सा जमा कर दिया है। अब सिर्फ 1500 करोड़ रुपये का ऋण बचा है। इसमें से 900 करोड़ रुपए नोएडा प्राधिकरण का है। अफसरों को उम्मीद है कि जल्दी ही लोन का ऋण खत्म कर दिया जाएगा। प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने कम दर पर लोन देने की इच्छा जताई है।

सपा के पूर्व प्रवक्ता अनिल यादव ने पार्टी से दिया त्यागपत्र

● पंखुड़ी पाठक पर अभद्र टिप्पणी से आहत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सपा के पूर्व प्रवक्ता अनिल यादव ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से शनिवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी एवं कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रदेश उपाध्यक्ष पंखुड़ी पाठक ने गत दिनों ट्विटर पर पूर्व सीएम अखिलेश यादव का एक पोस्ट साझा किया था और पंखुड़ी पाठक द्वारा साझा किए गए पोस्ट पर कुछ नेता लगातार गलत टिप्पणी कर रहे थे।

यादव ने कहा कि इसकी शिकायत समाजवादी पार्टी के आला नेताओं से की गई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। यादव ने बताया कि टिप्पणी करने वाले सपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पार्टी के आधिकारिक ट्विटर ग्रुप से उल्टा उन्हें ही नसीहतें मिलनी शुरू हो गईं। यादव ने कहा कि सपा नेताओं पर कोई कार्रवाई न किए जाने से आहत होकर उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

यादव का कहा, जब वह अपनी पत्नी के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकते, तो ऐसे में वह पार्टी में रहकर नारी सम्मान की बात को कैसे उठाएंगे।

प्लास्टिक कचरे के स्थायी समाधान को अभियान

गाजियाबाद। निगम ने प्लास्टिक वेस्ट के समाधान के लिए प्लास्टिक टूरिज्म नाम से अभियान शुरू किया। इसका उद्देश्य प्लास्टिक कचरे के पुर्नचक्रण को बढ़ावा देना और शहर में पुर्ननवीनीकरण प्लास्टिक के उपयोग को बढ़ाना है।

भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ इस अभियान का ऑफिशियल पार्टनर है। शहरी मामलों के मंत्रालय सचिव डीएस मिश्रा समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इस अभियान की सराहना की और हैश टैग प्लास्टिक टूरिज्म का उद्घाटन किया। मेयर आशा शर्मा ने कहा कि हम इस अभियान को रचनात्मक रूप से शुरू कर रहे हैं और संभावित टिकाऊ समाधान पर फिर से विचार कर रहे हैं।

अभियान के शुरूआत के मौके पर मौजूद शहरी मंत्रालय के सचिव डीएस मिश्रा।

बिना बताए गायब हुए थाना प्रभारी को एसएसपी ने किया निलंबित

● दो निरीक्षकों का किया स्थानांतरण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अपने ही थाने से बिना बताए गैर हाजिर रहने पर मसूरी थाना प्रभारी राघवेंद्र प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने निलंबित कर दिया है।

एसएसपी ने बताया कि शुक्रवार देर शाम पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. इराज राजा ने औचक निरीक्षण किया तो राघव बिना पूर्व सूचना के थाने से गायब मिले। इसके अलावा समय-समय पर महत्वपूर्ण सूचनाओं को अधिकारियों को प्रेषित ना करने की रिपोर्ट भी एसपी ग्रामीण ने दी थी। पुलिस अधीक्षक नगर प्रथम को विभागीय कार्रवाई के लिए आदेशित किया गया।

दूसरी ओर एक ही थाने पर लगभग 1 वर्ष का समय पूरा कर चुके निरीक्षक रणसिंह एवं निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप का स्थानांतरण किया गया है। निरीक्षक हरिओम को निवाड़ी का प्रभार दिया गया जबकि रणसिंह को लिंक रोड एवं निरीक्षक ओमप्रकाश आर्य को टीला मोड़ व निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप को मसूरी का प्रभार दिया गया।

मेट्रो-बस स्टैंड पर अलग रंग में दिखाई देंगे ऑटो

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में अवैध ऑटो पर अंकुश लगाने लिए नोएडा पुलिस ने कमर कस ली है। अब शहर में हर एक ऑटो चालक का नाम, पता और उसकी पूरी जानकारी पुलिस ने जुटाना शुरू कर दिया है। यहां तक की अब हर एक ऑटो को कलर कोड भी दिया जायेगा। जिससे यह पता होगा कि यह ऑटो सवार को छोड़ने के बाद कहां जायेगा।

ट्रैफिक डीसीपी गणेश शाहा ने बताया कि अवैध ऑटो पर अंकुश लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर में चलने वाले ऑटो की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। हर एक ऑटो को कलर कोड भी दिया जायेगा। नोएडा और ग्रेनो की सड़कों पर तीन कलर के ऑटो चलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक करते बसपा कार्यकर्ता।

पंचायत चुनाव को लेकर बसपा कार्यकर्ताओं की बैठक

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में बसपा की सेक्टर समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें मण्डल सेक्टर प्रभारियों ने आगामी पंचायती चुनाव के लिए बूथ एवं सेक्टर कमेटियों को मजबूत करने पर मंथन किया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ एके कर्दम व संचालन विधानसभा अध्यक्ष राजू जाटव ने किया। बैठक में मण्डल सेक्टर प्रभारी तिलक चौधरी ने कहा कि 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके मद्देनजर जल्द ही होने जा रहे पंचायती चुनाव पार्टी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। पार्टी जितनी मजबूती के साथ पंचायती चुनाव लड़ेगी उसका फायदा विधानसभा चुनावों में मिलेगा। मण्डल सेक्टर प्रभारी डॉ. देवेन्द्र भारती ने कहा कि जनता भाजपा की तानाशाही सरकार से पूरी तरह त्रस्त आ चुकी है। जनता ने आने वाले चुनावों में बसपा को जिताने का मन बना लिया है और 2022 में प्रदेश के अन्दर बसपा सरकार बनने जा रही है।

हापुड़ पुलिस द्वारा रेप मामले में गिरफ्तार आरोपी।

ऑटो में महिला से दुष्कर्म करने वाले गिरफ्तार

हापुड़। दो दिन पहले महिला के साथ ऑटो में गैंगरेप करने वालों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा, तीन तमंचे, कारतूस और महिला से लूटा गया मोबाइल भी बरामद किया है। बता दें कि हापुड़ में एसपी नीरज कुमार जादौन ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभियान चला रखा है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए अपरेशन क्लीन जारी है। दो दिन पहले गाजियाबाद से ऑटो में बैठी एक महिला के साथ 3 लोगों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर हापुड सीमा पर फेंककर फरार हो गए थे। जब महिला गाजियाबाद पुलिस से मदद के लिए थाने गई तो गाजियाबाद पुलिस ने सीमा विवाद का रोना रोकर महिला को टरका दिया था। इसके बाद पीड़िता हापुड़ जिले की पुलिस के पास आई। इसके बाद एसपी के निर्देश पर पुलिस हरकत में आई और घटनास्थल का मुआयना किया।

नोएडा में दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। जिले की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। नॉलेज पार्क थानाध्यक्ष वरुण पवार ने बताया कि बीती रात को गश्त पर निकली थाना पुलिस ने एक सूचना के आधार पर कौशल्य चौराहे के पास से अब्बास उर्फ अरबाज तथा शाहबाज को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने एक किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। पवार ने बताया कि पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि दोनों काफी दिनों से गांजा तस्करी कर रहे थे।

अपराध पर अंकुश के लिए कई बदमाशों की खोली हिस्ट्रीशीट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिले में अपराधों के चढ़ते हुए ग्राफ पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 नए शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोल दी है। ये सभी अपराधी हत्या, लूट, चोरी व अन्य घटनाओं से संबंधित है। इनमें से सात हत्यारे, 7 चोर, 3 लुटेरे और एक अन्य अपराधिक श्रेणी से संबंधित है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि सभी 18 अपराधी हाल ही में प्रकाश में आए हैं और इनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने के बाद इनकी हिस्ट्रीशीट खोलने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि थाना टीला मोड़ में एक, लोनी बॉर्डर से चा,र मोदीनगर से 2, इंदिरापुरम से तीन विजयनगर, मुरादनगर, लिंक रोड से एक-एक और कविनगर से 3 अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली गई है।

कप्तान ने बताया कि अब इन सभी 18 अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट एनएसए व अन्य अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

सेक्टर-12 में देह व्यापार के अड्डे का भंडाफोड़

नोएडा। थाना सेक्टर 24 पुलिस ने शनिवार को सेक्टर 12 स्थित एक गेस्ट हाउस में छापा मारकर वहां चल रहे देह व्यापार के अड्डे का भंडाफोड़ किया। इस मामले में गेस्ट हाउस के संचालक सहित सात युवकों तथा चार लड़कियों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी (जोन प्रथम) राजेश एस. ने बताया कि थाना सेक्टर- 24 पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-12 के आई- ब्लॉक में स्थित एक गेस्ट हाउस में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा के नेतृत्व मे मानव तस्करी रोधी इकाई तथा थाना सेक्टर 24 पुलिस ने संयुक्त रूप से गेस्ट हाउस पर छापेमारी की।

खुशखबरी 10 मार्च से शुरू होगा आयुष्मान शिविर

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत परिवारों के बनेंगे कार्ड

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पात्र लोगों का आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कार्ड नहीं बना है उनके लिए सरकार ने आगामी 10 मार्च से 24 मार्च तक शिविर आयोजित करने का फैसला किया है।

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित मोहन प्रसाद ने गाजियाबाद समेत सूबे के सभी जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को 10 से 24 मार्च तक 'आयुष्मान पखवाड़ा' आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ डा. एनके गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देश पर इस पखवाड़े के दौरान कार्ड विहीन परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया अब गोल्डन कार्ड का नाम बदलकर आयुष्मान कार्ड कर दिया गया है।

बता दें कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान से आच्छादित परिवारों को प्रतिवर्ष, प्रति परिवार पांच लाख रूपए तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा अनुमन्य है। जनपद में चार सरकारी चिकित्सालयों समेत 27 निजी चिकित्सालय आयुष्मान भारत योजना में आबद्ध हैं। सीएमओ ने बताया योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी के पास आयुष्मान कार्ड होना अनिवार्य है।

हर लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान पखवाड़ा के दौरान सघन अभियान चलाया जाएगा। इसमें लक्षित परिवारों को इसके प्रति जागरूक कर आयुष्मान कार्ड शिविर तक लाने एवं उनका कार्ड बनवाने के हर संभव प्रयास करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव की ओर से दिए गए हैं।

निगम का डोर टू डोर गोबर क्लेक्शन शुरू

गाजियाबाद। घर-घर जाकर कूड़ा कलेक्शन की तर्ज पर गाजियाबाद नगर निगम ने दिल्ली से सटे गाजियाबाद के हिन्डनपार इलाके में डोर टू डोर गोबर कलेक्शन शुरू कर दिया है। इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट मोहननगर व वसुंधरा जोन में शुरू किया गया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा तो महानगर में गोबर की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश ने बताया गया कि इस प्रकार की योजना से शहर की स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा।

धोखाधड़ी के मामले में फरार अपराधी धरा

सूखे मेवे खरीदने-बेचने की कंपनी बनाकर व्यापारियों से ठगे करोड़ों रुपए

● साजिश में शामिल आठ लोग अभी हैं फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 58 क्षेत्र के सेक्टर 62 में सूखे मेवे खरीदने- बेचने की एक कंपनी बनाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को थाना सेक्टर 58 पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में इससे पूर्व चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है जबकि आठ लोग फरार हैं।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राजेश एस ने बताया कि थाना सेक्टर 58 पुलिस ने शनिवार को इनामी बदमाश सत्यम यादव को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि ये लोग ड्राई फ्रूट की कंपनी बनाकर देश के सैकड़ों थोक व्यापारियों से करोड़ों रुपए की ठगी के मामले में आरोपी हैं। उन्होंने बताया कि सेक्टर 62 में मोहित गोयल, ओमप्रकाश, सुनीता नेगी आदि ने दुबई ड्राई फ्रूट के नाम से एक कंपनी बनाई। इन लोगों ने देश के विभिन्न थोक व्यापारियों से महंगे दाम पर ड्राई फूड खरीदा तथा उनसे धोखाधड़ी करके करोड़ों रुपए की ठगी कर ली।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि इस मामले में 12 जनवरी को थाना सेक्टर 58 पुलिस ने मोहित गोयल व ओमप्रकाश जांगिड़ को गिरफ्तार किया था। जबकि बाद में सुनीता तथा अमर सहित दो लोग की गिरफ्तारी हुई थी। उन्होंने बताया कि इस अपराध में शामिल आठ लोग अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी पति और उसका सहयोगी।

पत्नी और बेटे की हत्या के लिए सुपारी देने वाला गिरफ्तार

● बीमा की रकम के लिए रची थी साजिश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एक पति ने ऐसी साजिश रची जिसे सुनकर पुलिस के भी होश फाख्ता हो गए। पति ने बीमा की रकम हड़पने के लिए अपनी पत्नी और 4 वर्ष के बेटे की हत्या की सुपारी दे दी। हालांकि इससे पहले सुपारी किलर इस हत्याकांड को अंजाम दे पाता उसके दिल में रहम आ गया और उसने उसकी पत्नी को सारी सच्चाई बता दी। इसके बाद पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस ने पति और सुपारी किलर से मिलवाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया जबकि सुपारी किलर अभी फरार है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी अवनीश कुमार ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों में अजय (पति)और राम प्रकाश हैं जो कविनगर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि अजय पर आरोप है कि उसने बीमे की रकम हड़पने के लिए अपनी पत्नी और 4 वर्ष के बेटे की सुपारी 5 लाख में दे दी। लेकिन सुपारी लेने वाले के दिल मे रहम आ गया क्योंकि बच्चा महज 4 वर्ष का था। सुपारी किलर गजराज ने उसकी पत्नी को सारी बात बता दिया। उसके बाद पत्नी ने पुलिस को खबर दी।

पुलिस ने आरोपी पति अजय और सुपारी किलर से मिलवाने वाले राम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि सुपारी लेने वाला गजराज फरार है। पुलिस गिरफ्त में आने के बाद अजय ने यह स्वीकार कर लिया कि उसने अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या के लिए सुपारी दी थी।

हिंडन नदी में अब नहीं गिरेगा नालों का गंदा पानी

नगर निगम ने सीवर के पानी को शोधित करने के लिए लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की साक्षी रही हिंडन नदी को निर्मल बनाने के लिए नगर निगम ने शहर के गिरने वाले नालों के पानी को संशोधित करने के लिए एक बड़ा फैसला किया है। हिंडन नदी में इस समय गाजियाबाद शहर के 10 प्रमुख नालों का गंदा पानी गिरता है जिसके कारण हिंडन का पूरा पानी न केवल प्रदूषित हो गया है बल्कि पानी के अंदर घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा भी जीरो हो गई है जिसके चलते नदी के अंदर मछलियों को सांस लेना भी दूभर हो गया है।

नगर निगम के मुताबिक हिंडन नदी में इस समय शहर के 10 प्रमुख नालों का सीवर का गंदा पानी जाता है। इस गंदे पानी को रोकने के लिए नगर निगम ने एक कार्य योजना तैयार की है। अब सीवर के गंदे पानी को पहले जल संशोधन संयंत्र के जरिए साफ किया जाएगा उसके बाद साफ-सुथरे पानी को नदी में छोड़ने के लिए हरी झंडी दी जाएगी। इसी कड़ी में शनिवार को नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने विशेषज्ञ टीम के साथ हिंडन नदी और उसमें गिरने वाले सभी नालों का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि हिंडन नदी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम अट्ठारह सौ सत्तावन की साक्षी रही है और यहां ही सबसे पहले अंग्रेजों के खिलाफ आजादी का बिगुल बजा था। इसके अलावा नदी का आध्यात्मिक महत्व भी है।

हिंडन नदी में गिरने वाले शहर के एक प्रमुख नाले का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर और विशेषज्ञ टीम के सदस्य।

इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए हमने सभी नालों के पानी को पहले रोककर उसको शोधित करने का फैसला किया है। उसके बाद ही इस पानी को नदी में छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए टेंडर छोड़ा जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

सभी तैयारियां पूरी, आज डाले जाएंगे वोट

निगम उपचुनावः 63 उम्मीदवारों की किस्मत पर लगेगी मोहर, तीनों मुख्य दलों के लिए चुनाव बना सेमीफाइनल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की पांच सीटों के लिए उप चुनाव आज (रविवार) को होगा। यह उपचुनाव 2022 के नगर निगम के मुख्य चुनावों से पहले आम आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस के बीच सेमीफाइनल माना जा रहा है। पांच सीटों पर कुल 63 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया है। शुक्रवार को प्रचार में पूरी ताकत झोंकने के बाद तीनों मुख्य पार्टियों ने अपने बूथों को मजबूत करने के लिए शनिवार देर रात तक सघन अभियान चलाया।

पूरे दिन सियासी गलियारों में हार जीत और जीतने के समीकरणों को लेकर चर्चा होती रही। इस चुनाव में सबसे बड़ी चुनौती भाजपा के लिए है। पांच में तीन सीटे भाजपा के पास और उसे हर हालत में इन सीटों को बचाना भी होगी। वहीं पिछले निगम चुनाव में करारी हार के बाद आप के लिए भी प्रतिष्ठा का सबब बनी हुई।

अगर वह इन उपचुनावों को जीतती है तो मुख्य निगम चुनाव में अपनी मजबूती बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जबकि कांग्रेस की ओर से अपनी सियासी पारी को बचाना तवज्जो रहेगी। यह चुनाव इस लिए भी खास है क्योंकि इस बार आम आदमी पार्टी की ओर से दो पूर्व विधायकों को भी सियासी जंग में फिर से उतारा गया है।

रविवार को होने वाले चुनाव में तीन सीटें पूर्वी दिल्ली नगर निगम की हैं तो 2 सीटें उत्तरी दिल्ली नगर निगम की हैं। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के त्रिलोकपुरी, कल्याणपुरी और चौहान बांगड़ वार्ड पर उपचुनाव हो रहे हैं, जबकि उत्तरी दिल्ली नगर निगम की रोहिणी सी और शालीमार बाग नॉर्थ वार्ड में उपचुनाव हो रहा है।

इनमें से चार सीटों के पार्षद अब आप पार्टी सरकार में विधायक हैं तो वही शालीमार बाग की पार्षद की मौत के बाद वो जगह खाली हो गई है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्वी दिल्ली में अच्छी सफलता मिली थी।

उसके उम्मीद है कि विधानसभा की तरह इस बार भी मतदाताओं को रूझान उनकी तरफ आएगा। शालीमार बाग नॉर्थ महिला के लिए जबकि त्रिलोकपुरी व कल्याणपुरी अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है। इसके अलावा रोहिणी सी चौहान बांगड़ सामान्य सीट है।

कायाकल्प की तैयारी में पायनियर मीडिया ग्रुप

● आईआरपी की अध्यक्षता में प्रबंधन और संपादकीय विभाग के वरिष्ठों की बैठक में लिया गया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया का सामना कर रहा पायनियर मीडिया समूह एक बड़े कायाकल्प की तैयारी में है। समूह राजस्व बढ़ाने, कंटेंट को बेहतर करने तथा नई तकनीक, नई मार्केटिंग रणनीति और सर्कुलेशन में आमूलचूल बदलाव के जरिये अपनी डिजिटिल मौजूदगी में बड़ा परिवर्तन लाएगा। एनसीएलटी-नियुक्त अंतरिम रेज्योल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) रंजीत कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को समाचार पत्र के प्रबंधन तथा संपादकीय विभाग के वरिष्ठ कर्मचारियों ने बैठक की, जहां यह फैसला किया गया कि 'अस्तित्व' संघर्ष से जूझ रहे देश के सबसे पुराने मीडिया हाउस में से एक पायनियर को उबारने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में भाग लेते आईआरपी रंजीत कुमार वर्मा और पायनियर ग्रुप के सीओओ अभिषेक सक्सेना।

विचारों के आदान-प्रदान सत्र के दौरान रंजीत वर्मा ने कहा ' मैं यहां कोर्ट के एक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हूं और मेरा मुख्य मकसद पायनियर समूह को एक चलती हुई इकाई बनाए रखना है। मुझे न तो किसी से हिसाब बराबर करना और न ही कोई कुल्हाड़ी चलानी है। द पायनियर को एक बार फिर बेहतर और प्रभावशाली ब्रांड बनाने के लिए मुझे आप सबका सहयोग चाहिए, इसमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही कंपनी का संचालन सामान्य स्थिति में लौट आएगा।

वर्मा ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा वेतन तथा सहयोगियों की कमी संबंधी उठाए गए गंभीर मुद्दों पर वे प्राथमिकता से ध्यान देंगे। उन्होंने कहा ' मैं वह सब कुछ करूंगा जिससे कि उचित माहौल बने और सभी लोग कंपनी को उबारने में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि वे अतीत में नहीं जाना चाहते लेकिन सभी से यह उम्मीद करते हैं कि वे कोर्ट के आदेश पर पूरी तरह अमल करने में सहयोग देंगे। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की दिल्ली बेंच ने कंपनी के एक निदेशक के अनुरोध पर पिछले माह सीएमवाईके प्रिंटेक के खिलाफ इन्साल्वेंसी प्रक्रिया शुरू की थी, जो पायनियर समाचार पत्र का संचालन करती है।

पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने सुरक्षा पुख्ता करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने आला अफसरों को निर्देश दिए हैं कि दिल्ली में 5 वार्डों पर निगम उप-चुनाव होने वाले हैं। साथ ही दिल्ली के बॉर्डर पर कृषि कानूनों के खिलाफ किसान भी आंदोलन कर रहे हैं। ऐसे में राजधानी की सीमाओं पर सुरक्षा के और कड़े इंतजाम करने की जरूरत है।

एसएन श्रीवास्तव

मीटिंग में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और बॉर्डर पर किसान आंदोलन के चलते सुरक्षा इंतजाम और कड़े करने के आदेश दिए हैं। मीटिंग में दिल्ली में अपराधों को किस तरीके से कम किया जाए इसको लेकर भी चर्चा की गई है। रिव्यू मीटिंग में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी ट्रैफिक, स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर (दक्षिण, पश्चिम और मध्य रेंज), स्पेशल सीपी इंटेलिजेंस के अलावा सभी रेंज के ज्वाइंट सीपी और जिला पुलिस उपायुक्त प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर ने दिल्ली के बॉर्डर पर पुलिस अफसरों को खास निगरानी देने के निर्देश दिए हैं। अपराधियों के खिलाफ अपराध की स्थिति का गहन विश्लेषण भी किया। इस अपराध में चोर, ड्रग पेडलर, बुटलेगर और जुआरी आदि शामिल हैं।

आचार संहिता का उल्लंघन करने पर तीन अधिकारियों को नोटिस

नई दिल्ली। उप चुनाव से एक दिन पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने, शहर में सर्कल रेट में 20 प्रतिशत की कटौती वाले एक विज्ञापन को लेकर, प्रधान सचिव संजीव खिरवार और सूचना एवं प्रचार निदेशालय के दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। खिरवार, डीआईपी सचिव पद्मिनी सिंगला और निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी को जारी नोटिस में आयोग ने कहा है कि उक्त विज्ञापन, प्रथम दृष्टया आचार संहिता का उल्लंघन है। दिल्ली सरकार द्वारा सर्कल रेट में 20 प्रतिशत कटौती करने के हालिया निर्णय के संबंध में शनिवार को अखबारों में एक विज्ञापन प्रकाशित हुआ था।

नोटिस में कहा गया, आयोग के संज्ञान में आया है कि मतदान से ठीक एक दिन पहले विभिन्न राष्ट्रीय अखबारों में सरकारी पैसे से एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया। यह सत्ताधारी पार्टी की उपलब्धियों का प्रचार करने के उद्देश्य से किया गया था।

नोटिस में यह भी कहा गया, प्रथम दृष्टया आयोग का मत है कि उक्त विज्ञापन से आचार संहिता का उल्लंघन हुआ। चुनाव आयोग ने अधिकारियों को जवाब देने के लिए दफ्तर बुलाया है।

छींटाकशी के विरोध पर लड़की के नाबालिग भाई को मनचलों ने मारा चाकू, हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के कालकाजी इलाके में बहन का पीछा करने और अभद्र टिप्पणी करने का विरोध करने पर तीन लड़कों ने उसके नाबालिग भाई की पिटाई की और चाकू मार दिया।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि घटना शुक्रवार को एक स्कूल के नजदीक हुई, घायल लड़का कालकाजी का रहने वाला है एवं उसे एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की बहन ने अपने बयान में कहा कि वह अपने 17 साल के भाई के साथ आ रही थी तभी तीन लड़कों ने उनका पीछा किया और आपत्तिजनक टिप्पणी की।

लड़की के अनुसार, जब उसके भाई ने इसका विरोध किया तो उन्होंने उसकी पिटाई की और एक लड़के ने उसके पेट में चाकू मार दिया। इसके बाद वे फरार हो गए।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित को एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। अब भी वह बयान दर्ज कराने की स्थिति में नहीं है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व दिल्ली) आरपी मीणा ने बताया, हमने मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा में केस दर्ज किया और आगे की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किया जा रहे हैं। वे गोविंदपुरी में गिरी नगर स्थित जेजे कैम्प के निवासी हैं।

शोर मचाने से मना करने पर मां-बेटे को किया घायल

नई दिल्ली। शोर मचाने से रोकने पर दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में चार नाबालिग लड़कों ने मां-बेटे पर चाकू से वार कर उन्हें घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि मोइन और उसकी मां को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोइन ने अपने बयान में कहा कि पंजाबी बाग के डीडीयू कैम्प इलाके में रहने वाले चार लड़के जो शोर मचा रहे थे।

एएसआई ने पीसीआर वैन में खुद को गोली मारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक ने शनिवार की सुबह पश्चिम दिल्ली में जखीरा फ्लाईओवर पर ड्यूटी के दौरान पीसीआर वैन में अपनी सर्विस पिस्तौल से कथित रूप से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

एएसआई तेज पाल (55) पीसीआर में तैनात थे। वह गाजियाबाद के राजनगर में रहते थे। पुलिस को घटना के बारे में सुबह करीब सात बजे सूचना मिली और घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी और जांच टीम इस बात की पड़ताल कर रही है कि आखिर किन कारणों से एएसआई तेज पाल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की टीम मृत एएसआई के परिजनों से भी इस बारे में विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

दो पूर्व अफसरों पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसान आंदोलन में शामिल होने वाले सेना के दो पूर्व अधिकारियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अग्रिम जमानत की मांग की है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सेना के दोनों पूर्व अधिकारियों ने कहा है कि आंदोलन में शामिल होने के चलते दिल्ली पुलिस उनसे पूछताछ करने के लिए उनके घर गई है। जस्टिस मुक्ता ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने बताया कि उनके मुवक्किल लगातार किसान आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं और धरनास्थल पर भी गए हैं।

खिचड़ीपुर में मृतक बच्ची के परिजनों से मिले सिसोदिया

● सीएम ने जताया दुख, बोले- दिल्ली की कानून व्यवस्था खराब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार खिचड़ीपुर के ब्लॉक 6 के 9 साल की बच्ची की हत्या के मामले में आरोपी को सख्त सजा दिलवाने व पीड़ित परिजनों को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के लिए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट ले जाएगी।

यह जानकारी डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने शनिवार को दी। इस मामले को लेकर राजधानी में राजनीति भी तेज हो गई है। भाजपा ने आप सरकार पर आरोप लगाए वहीं कांग्रेस ने आप और भाजपा दोनों को घेरा है। पीड़ित परिजनों से शनिवार को मिलने पहुंचे सिसोदिया ने कहा कि बच्ची की हत्या से वे आहत हैं।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया।

न्याय दिलाने के लिए वे बड़े से बड़े वकील नियुक्त करेंगे और प्रयास करेंगे कि हत्यारों को मौत की सजा मिले। वहीं, सीएम केजरीवाल ने 0 बच्ची की हत्या पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। मैं इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री और लेफ्टिनेंट गवर्नमेंट से अपील करता हूं कि वे इस स्थिति से निपटने के लिए उचित कार्रवाई करें। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने आदेश गुप्ता परिजनों से मिले और परिजनों को सुरक्षा के आश्वासन के साथ सांत्वना भी दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

वारदात से गुस्साए स्वजनों ने कल्याणपुरी थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। पीड़ितों का आरोप है कि 23 फरवरी से बच्ची लापता थी, सीसीटीवी में आरोपित कैद थे। इसके बाद भी पुलिस सही वक्त पर न तो आरोपितों को पकड़ सकी और न ही उनकी बच्ची को बचा पाई। पुलिस मामले में बिल्कुल गंभीर नहीं थी।

भाजपा-आप बच्चियों के प्रति संवेदनशील नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने खिचड़ीपुर जाकर दलित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 9 वर्षीय दलित बेटी को अगवा करने के बाद हत्या और परिवार की मर्जी के खिलाफ पुलिस द्वारा रात में जबरन अंतिम संस्कार करने की घटना की जांच रिटायर्ड जज से कराया जाए।

पूर्व सांसद उदित राज और प्रदेश उपाध्यक्ष जय किशन ने कहा कि न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का ट्रायल शुरू करके आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने और दलित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवाजे देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्व बढ़ाने के लिए लगा जनता दरबार

नई दिल्ली। उत्तरी नगर निगम क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने व संपत्ति कर संग्रह बढ़ाने के लिए महापौर जय प्रकाश ने सिटी व सदर पहाडगंज वार्ड समिति की बैठक की और जनता दरबार लगाया। महापौर ने बताया कि संपत्ति कर जमा करने में आम माफी योजना की शुरूआत 27.01.21 से कि गई थी जो 02.03.21 तक चालू रहेगी। महापौर ने बताया कि शनिवार को हुई वार्ड समिति की बैठक में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के राजस्व को बढ़ाने व राजस्व के नए स्त्रोत तलाशने के संबंध में सकारात्मक चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि कोरोना के कारण निगम के राजस्व में भी काफी गिरावट आई है जिसे बढ़ाने के लिए निगम के अधिकारी व पार्षद काफी प्रयास कर रहे हैं। बैठक में सिटी व सदर पहाड़गंज वार्ड समिति के अध्यक्ष मोहमद सादिक व अन्य पार्षद उपस्थित थे। इसके अलावा महापौर जय प्रकाश ने शास्त्री नगर क्षेत्र में नगरिको की सुविधा हेतु संपत्ति कर संग्रह के लिए जनता दरबार लगाया।

प्रदूषण सेस के करोड़ों का हिसाब दें सीएम : आदेश

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने गत चार सालों में प्रदूषण के नाम पर दिल्ली वालों से 883 करोड़ रूपये वसूल किये हैं, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर सरकार ने अभी तक केवल 1.6 करोड़ रुपये की राशि ही खर्च की है। आदेश गुप्ता ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर सरकार ने प्रदूषण पर अपने वायदों पर कुछ काम किया होता तो दिल्ली में कोरोना की गंभीर रूप न ले पाता। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए होने के बावजूद प्रदूषण को कम करने के लिए कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम केजरीवाल सरकार वास्तव में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के प्रति गंभीर नहीं है। केजरीवाल को प्रदूषण सेस से मिली करोड़ों की राशि का हिसाब देना चाहिए। सम्मेलन के दौरान प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत सिंह चहल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी और प्रदेश मीडिया सह-प्रमुख श्री हरिहर रघुवंशी उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस का स्मृति ईरानी के आवास के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम में वृद्धि के खिलाफ शनिवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आवास के समक्ष प्रदर्शन किया और सरकार से तुरंत बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि स्मृति ईरानी जब विपक्ष में थीं तब पेट्रोल एवं डीजल की कीमत में पांच रुपए की वृद्धि होने पर भी सड़क पर आ जाती थीं लेकिन वह देशभर में व्याप्त चारों ओर महंगाई को लेकर पूरी तरह से चुप हैं। उन्होंने कहा, आज युवा कांग्रेस उन्हें नींद से जगाने की कोशिश कर रहा है।

झूठ बोलकर राजनीति का स्तर गिरा रही आपः बिधूड़ी

नई दिल्ली। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रामवीर सिह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी द्वारा रोजाना बोले जा रहे झूठ पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि आम आदमी पार्टी के रोजाना दिए रहे झूठे बयानों से राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि दिल्ली नगर निगम में 2500 करोड़ रुपए का घपला हुआ है। यह मामला घपला कैसे है, आम आदमी पार्टी के नेता अब तक नहीं समझा पाए। उन्होंने दूसरा आरोप यह लगाया गया कि डीडीए ने दिल्ली प्रदेश भाजपा को कार्यालय के लिए 10 हजार गज जगह कौड़ियों के भाव दे दी है। इसकी सच्चाई यह सामने आई कि सिर्फ 800 वर्ग मीटर जगह दी गई है और उसमें भी किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया गया।

डीयू के छात्रों को दी गईं डिजिटल डिग्रियां

97वां दीक्षांत समारोह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के 97वें दीक्षांत समारोह में शनिवार को 1,78,719 छात्रों को डिजिटल माध्यम से डिग्री प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति पी सी जोशी ने यह जानकारी दी।

कोविड-19 महामारी के कारण दीक्षांत समारोह डिजिटल और प्रत्यक्ष दोनों माध्यम से आयोजित किया गया। जोशी ने कहा, न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय बल्कि सभी विश्वविद्यालयों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि एक बटन पर क्लिक कर के छात्रों को उनके मेल में विभिन्न विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्रियां दी गईं। यह हम सबके लिए ऐतिहासिक कदम है।

दीक्षांत समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक मुख्य अतिथि थे जिन्होंने छात्रों को 156 पदक और 36 अन्य पुरस्कार दिए। समारोह के दौरान छह सौ डॉक्टोरल डिग्री और 44 डीएमाएमसीएच डिग्रियां भी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जोशी ने कहा कि महामारी का साल होने के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि चाहे पारंपरिक तरीकों से इतर डिजिटल माध्यम से पठन-पाठन करना हो, खुली किताब से परीक्षा का आयोजन हो या ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश की प्रक्रिया हो, विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

कार्यवाहक कुलपति ने तीन हजार शैक्षणिक और 283 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की पदोन्नति के बारे में भी बताया जिसे लगभग एक दशक के अंतराल के बाद पिछले छह महीने में पूरा किया गया।

निशंक ने छात्रों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में कठिन परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रताप नगर की फैक्ट्री में आग लगने से 1 की मौत

नई दिल्ली। प्रताप नगर इलाके में शनिवार को तड़के एक फैक्ट्री में आग लग गई। घटनास्थल से एक जला हुआ शव बरामद हुआ है। इसकी जानकारी दिल्ली दमकल सेवा के एक अधिकारी ने दी है। अधिकारी के अनुसार आग बुझाने के काम में लगे एक दमकल कर्मी की उंगली जल गई और उसे घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया।

आग लगने की सूचना तड़के करीब तीन बज कर 47 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की 18 गाड़ियों को रवाना किया गया। बाद में दस और गाड़ियां भेजी गईं और आग पर काबू पाया गया।

आपसी झगड़े में महिला की मौत, पति पर हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली स्थित रोहिणी के बुद्ध विहार इलाके में पति ने झगड़े के बाद कथित रूप से 28 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि घटना शुक्रवार रात उस समय की है जब चेतन प्रकाश सोलंकी नामक व्यक्ति का किसी बात पर पत्नी गीता से झगड़ा हो गया।

पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया लग रहा है कि पति ने महिला को मारा और डंडे से पिटाई की। आशंका है कि घटना के समय वह शराब के नशे में था। पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि महिला घायल अवस्था में कमरे में पड़ी है। उन्होंने बताया कि पति भी बगल में बेहोशी की हालत में पड़ा था।

जांच के दौरान पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दंपति के बीच झगड़ा हुआ था। अधिकारी ने बताया कि मृत महिला के भाई के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और आरोपी पति को पकड़ लिया गया है। आरोपी से लड़ाई की वजह और पूरे घटनाक्रम को जानने के लिए पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली हुनर हाट में पहुंचे 12 लाख पर्यटक

वोकल फॉर लोकल अभियान को जन आंदोलन बनाने में मेले की रही अहम भूमिकाः नकवी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को यहां कहा कि वोकल फॉर लोकल को जन आंदोलन बनाने में हुनर हाट अहम भूमिका निभा रहा हैं। हुनर हाट कलाकारों को प्रोत्साहित करने की अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल है।

मुख्तार अब्बास नकवी

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 26वें हुनर हाट में संवाददाताओं से नकवी ने कहा कि 20 फरवरी को शुरू हुए इस हुनर हाट में अब तक 12 लाख से अधिक लोग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि हुनर हाट में अगले दो दिन में आने लोगों की संख्या 16 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि 10 दिवसीय हुनर हाट का उद्घाटन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। नकवी ने कहा कि अब तक कई केंद्रीय मंत्री, संसद सदस्य, वरिष्ठ नौकरशाह, विभिन्न देशों के राजनयिक, जाने-माने उद्योगपति हुनर हाट में दस्तकारों, शिल्पकारों, कलाकारों की हौसला अफजाई करने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की महत्वकांक्षी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वोकल फॉर लोकल अभियान की प्रवर्तक बन गई है और लोग करोड़ों रुपए के हस्तनिर्मित उत्पाद देसी कलाकारों से खरीद रहे हैं। नकवी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुनर हाट में आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, ओड़िशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल सहित देश के 31 से अधिक राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशों से 600 से अधिक दस्तकार, शिल्पकार, कारीगर शानदार स्वदेशी उत्पादों के साथ शामिल हुए हैं।

सेल्फी प्वाइंट बना गार्डेन ऑफ फाइव सेंसेंज

नई दिल्ली। दिल्ली पर्यटन द्वारा आयोजित 34 वें पर्यटन उद्यान उत्सव का आयोजन गार्डेन ऑफ फाइव सेंसेंज में 19 फरवरी से किया जा रहा है। इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोग आकर विभिन्न प्रकार के फूलों में निहार रहे है। पुष्पों से सुसज्जित विभिन्न प्रकार की आकृतियां सेल्फी प्वाइंट बनी हुई है। इस उत्सव में बागवान प्रेमियों द्वारा उनकी मेहनत को दर्शाया गया है। उत्सव में कैक्टस से लेकर डहलिया, लिली, गुलाब, बोगनवेलिया, बेल-बूटे, और औषधि वाले पौधे, टोकरियों से लटकने वाले पौधे, बोनसाई आदि है। उत्सव मे फूलों से सुसज्जित पशु-पक्षियों की आकृतिया, ट्रे गार्डन थीम पर आधारित छोटे गार्डन आदि इस उत्सव के अन्य आकर्षण का केन्द्र है।

नवाब की नगरी में महंगाई के खिलाफ गरजे कांग्रेसी

पायनियर समाचार सेवा। पटौदी

कृषि के तीन काले कानून, महंगाई, पेट्रोल डीजल और रसोई गैस के बढ़ते दाम और बेराजगारी के खिलाफ पटौदी विधानसभा क्षेत्र के हेलीमंडी में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यहां पूरे बाजार से निकलते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में भाजपा की मौजूदा सरकार हम दो हमारे दो की सरकार है।

विरोध-प्रदर्शन में पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव, सुधीर चौधरी और गुरुग्राम जिला प्रभारी हरपाल सिंह बुरा मौजूद रहे। कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनों मिलकर अपने दो दोस्तों के फायदा के लिए देश को बेचने में लगे हुए हैं। श्री यादव ने कहा कि आए दिन पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ रहे हैं। पिछले सात साल से देश-प्रदेश में भाजपा की सरकार है। पिछले 7 साल में कोई भी ऐसा कार्य भाजपा ने किया हो जो जनहित में हो तो बताएं।

गुरुग्राम के खंड पटौदी में भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

कभी नोटबंदी तो कभी जीएसटी तो कभी लॉकडाउन और अब कृषि के तीन काले कानून जैसे तुगलकी फरमान भाजपा सरकार जनता को थौंपने में लगी है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह माना है कि कृषि के तीन काले कानूनों को जनता को थौंपा गया है। कैप्टन अजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया, देश में हरित क्रांति लेकर आई। किसी समय में दूसरे देश से अनाज लाया जाता था लेकिन आज के समय में हमारे देश में इतना अनाज होता है कि हम दूसरे देश से अनाज दे सकते हैं। यह सब कांग्रेस की देन है। मौजूदा भाजपा सरकार ने सात साल में ही आधे देश को बेच दिया। भारतीय रेलवे, एलआईसी, बीएसएनएल, एयरपोर्ट, बंदरगाह के अलावा लाल किला तक बेच दिया। उन्होंने कहा कि दिशा रवि को बेकसूर पाया गया है, इससे सपष्ठ होता है कि भाजपा सरकार देश के बुद्धिजीवियों को परेशान करने में लगी है।

बच्चों में अच्छे संस्कारों का समावेश करना शिक्षक का कर्तव्य : सुधीर सिंगला

विद्यालय के सम्मान समारोह में पहुंचे गुरुग्राम विधायक

गुरुग्राम। गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि बच्चों में अच्छे संस्कारों का समावेश करना शिक्षकों का कर्तव्य है। इस कर्तव्य से शिक्षक कभी पीछे न हटें। उनके ऊपर देश के सर्वांगीण विकास करने को शिक्षा देने की जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां सेक्टर-12 स्थित श्री श्याम स्कूल की ओर से सम्मान समारोह के दौरान कही।

इस सम्मान समारोह में जहां विधायक सुधीर सिंगला ने विद्यालय व समाजसेवियों का आभार जताया, वहीं सभी को समाजहित में कार्य करते रहने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने को शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा के माध्यम से ही देश, समाज का विकास संभव है। जहां शिक्षकों का कर्तव्य अच्छी शिक्षा देकर बच्चों को कामयाब बनाना है, वहीं अभिभावकों को भी चाहिए कि वे इसमें अपना भरपूर सहयोग दें।

गुरुग्राम के श्याम स्कूल में आयोजित समारोह में विधायक सुधीर सिंगला का स्वागत करते आयोजक।

इस मौके पर भाजपा शीतला मंडल के अध्यक्ष प्रियवर्त कटारिया, पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, समाजसेवी एवं भाजपा नेता अमित गोयल, भगत कटारिया, नरेश सेधा, जुगल रैना, भानू प्रकाश, श्रीश्याम स्कूल की प्रधानाध्यापक ऊषा रानी, सुरेंद्र शर्मा, डॉ. आजाद, नरेश कटारिया, अनुज मित्तल, सतीश कटारिया, शिवेष बबलू के साथ विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक, प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गुरु रविदास महासभा ने मनाई संत रविदास जयंती

गुरुग्राम। संत शिरोमणि गुरु रविदास महासभा गुरुग्राम के तत्वावधान में शनिवार को गुरु रविदास का 644वां जयंती महोत्सव ओल्ड रेलवे रोड पर मनाया। अतिथियों ने संत गुरु रविदास को नमन करते हुए उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को अपने जीवन में ढालने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आरएसएस के गुरुग्राम विभाग कार्यवाह हरीश, महानगर सरसंघचालक जगदीश ग्रोवर, महानगर कार्यवाह संजीव, शिक्षाविद् डा. अशोक दिवाकर, समाजसेवी सुभाष खरबंदा उपस्थित हुए। सभा के मुख्य सरंक्षक सुमेर सिंह तंवर, महासचिव नानकचन्द, कोषाध्यक्ष राजेश हल्द्वानी, सचिव राजेश केम, राजपाल ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी वक्ताओं ने अपने विचारों में संत गुरु रविदास के जीवन को केंद्र में रखते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने को प्रेरित किया। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण कार्य के लिए चलाये जा रहे निधि समर्पण अभियान में सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। एक लाख 61 हजार रुपये की राशि भेंट की गई। राशि भेंट करने वालों में मुख्य रूप से टेंट वेलफेयर एसोसिएशन गुरुग्राम के अध्यक्ष कमल सलूजा, श्री श्याम प्रचार मंडल के पदाधिकारी राजेश बोहरा, तरुण गुप्ता, अमित सक्सेना, रोहित बोहरा, करणी सेना के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश चौहान, राजन दत्त, गौरव कालड़ा, अनमोल भारद्वाज, कृष्ण वर्मा, अशोक सौदा शामिल हैं।

गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई

सोहना। शहर में गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को शहर के अलग-अलग स्थानों पर गुरु रविदास की जयंती मनाते हुए प्रसाद वितरित किया। शहर के वार्ड-17 में स्थित गुरुरविदास के मंदिर में शक्रवार रात से शनिवार सुबह तक भजन कीर्तन किया। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने सामूहिक रूप से भंडारा चलाकर प्रसाद वितरित किया। बाईपास चौक पर स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेड़कर स्थल परिसर में भी गुरु रविदास की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिसमें अधिवक्ता, पार्षद, पूर्व पार्षद, समाज सेवक, राजनीति से जुड़े क्षेत्रीय नेता और युवा मौजूद रहे। यहां भी लोगों को प्रसाद वितरित किया।

संत रविदास की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

होडल। पुरानी जीटी रोड स्थित अम्बेडकर भवन के प्रांगण में शनिवार को संत रविदास की 644वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के पूर्व विधायक उदयभान ने किया। अध्यक्षता युवा नेता देवेश कुमार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में शहर व आसपास के गांवों के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। रविदास की जयंती पर अम्बेडकर भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक उदयभान ने कहा कि संत शिरोमणी गुरु रविदास 15वीं सदी के महान संत थे। उन्होंने उस दौर में समाज में फैली कुरीतियों दूर कर एक-भाईचारे का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे महान व्यक्ति के आदर्शों पर चलकर समाजसेवा के कार्यों में बढ चढकर हिस्सा लेना चाहिए। मौके पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने संत रविदास की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राजेंद्र नंबरदार, हेतराम पहलवान, किशनचंद बाबू, राजेंद्र नंबरदार, बीर सिंह आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

रक्तदान शिविर में किया गया 83 यूनिट रक्त एकत्रित

होडल। संत रविदास जयंती के पावन अवसर पर सरकारी असपताल के निकट स्थित निजी स्कूल प्रांगण में शनिवार को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के संयुक्त तत्वावधान व नवजीवन चैरिटेबल रक्त केंद्र के मार्गदर्शन में श्री राम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान को समर्पित आयोजित रक्तदान शिविर में 83 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर में महिलाओं का विशेष योगदान रहा और 22 महिलाओं ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल ने भगवान श्रीराम और संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी यशपाल गर्ग ने की। संचालन संस्था के जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत व जिला संयोजक विष्णु गौड़ ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष आशारानी तायल, पूर्व चेयरमैन जगमोहन गोयल, पहला कदम फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष महेश गौड़, जिला प्रशिक्षक हरीश चंद सुनील चौहान, हसला से होडल खंड प्रधान प्रताप सौरोत आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल के द्वारा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 22 विद्यार्थियों की एक यूनिट स्थापित की। इस अवसर पर सतीश कुमार, जगबीर सौरोत, प्रवक्ता रोहताश कुमार, कमल सिंह, नरेश कुमार, अध्यापिका गीता बंगा, विजय पाहुजा, गीता शर्मा, अंजू कपूर, आशा कपूर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हेलीमंडी में घर से लाखों के जेवरात और अन्य सामान चोरी

किराएदारों ने मकान मालिकों को दी सूचना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हेलीमंडी के वार्ड-5 के एक मकान से चोरों ने सेंधमारी करके लाखों के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया। किराएदार की सूचना पर जब मकान मालिक घर पहुंचे तो पता चला कि सारा सामान चोरी हो चुका है। पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत देकर चोरों का पता लगाने की गुहार लगाई है। हेलीमंडी पुलिस चौकी ने शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

हेलीमंडी की शिव कालोनी निवासी सुमनलता पत्नी राजेंद्र सिंह ने शिकायत देकर कहा है कि उनके सामने के मकान में यूपी के गांव हैदराबाद निवासी गुल्फाम पुत्र नथ्थूराम किराए पर रहते हैं। उन्होंने सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है और सारा सामान बिखरा हुआ है। इस सूचना के बाद सुमनलता अपनी पुत्रवधू नीतू पत्नी हितेश के साथ अपने घर पर पहुंची। वहां देखा कि घर की साइड के गेट, कमरों और अलमारी के ताले टूटे पड़े थे। सामान बिखरा हुआ था। जब सामान चेक किया तो पता चला कि चोरी हो गई है। घर से चोर एक तोला सोना, एक सोने का पेंडल, एक सोने की चेन एक तोले की, एक जोड़ी झूमकी सोने की, पांच-पांच ग्राम की 4 अंगूठी, 2 जोड़ी कानों के ईयरिंग 3 ग्राम के, 2 जोड़ी कानों के कुंडल 5-5 ग्राम के, 3 जोड़ी कानों की बाली 9 ग्राम की, डेढ़ ग्राम चांदी की पायजेब, 3100 रुपये के नोटों की माला, 32 इंच का एक एलईडी टीवी, एक मोबाइल चोरी हो गए। पीड़ित सुमनलता ने पुलिस में शिकायत देकर कहा है कि उनके घर से यह सब सामान चोरी हो गया है। पुलिस ने उनकी शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

चोरी के बाद घर में पड़ा सामान।

प्रेमिका के साथ मिलकर दिया पत्नी को जहर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए जहरीला पदार्थ खिलाकर जान से मारने का प्रयास किया, लेकिन समय पर उपचार मिलने के चलते बच गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति व उसकी प्रेमिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान ने बताया कि न्यू कॉलोनी निवासी मीना कुमारी ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी शादी करीब 29 वर्ष पूर्व मीरपुर कौराली निवासी सतीश कुमार के साथ हुई थी। जिसके बाद उसके दो बच्चे हैं एक लड़का व एक लड़की। पिछले करीब 6-7 वर्ष से मेरे सतीश कुमार की दोस्ती रिमा नाम की लड़की से हो गई। पीड़िता का आरोप है कि दोनों के नाजायज संबंध है, जिन्हें मैंने जब आपत्ति जनक स्थिति में देख लिया तो मेरे साथ मारपीट कर रिमा ने कहा कि कुछ बोली तो जान से मरवा दूंगी। पीड़िता का आरोप है कि 24 फरवरी को पति सतीश देर से घर पर आया तो उसने देर से आने का कारण पूछा। जिसपर उसके पति ने कहा रिमा से मिलकर आया हूं, विरोध किया तो लात-घूसों से पीटा। 25 फरवरी को सुबह मेरे पास आया और दो गोली दी बोला इन्हें खा ले तबीयत ठीक हो जाएगी। जिनके खाने के बाद बेहोशी छा गई और कुछ देर बाद नींद से जगाया और अचेत हालत में दही में जहरीला पदार्थ मिलाकर जबरदस्ती खिला दी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया तो डॉक्टर ने कहा कि आपने तो जहर खाया है। पुलिस ने सतीश व उसकी दोस्त रिमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

दहेज न लाने पर दवा खिलाकर गिराया गर्भ

पलवल। दहेज में फॉरचूनर गाड़ी, नगदी व जेबरात न मिलने पर बहु को परेशान करने व गलत दवा देकर गर्भपात कारने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर उसके पति, सास, ससुर व जीजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान ने बताया कि कौंडल गांव निवासी उतेक्षा ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी शादी चांदहट गांव निवासी कपिल के साथ हुई, कपिल पुलिस में नौकरी करती है। शादी के बाद से आरोपी पति कपिल, सास किरन देवी व ससुर जिले सिंह दहेज से खुश नहीं थे। दहेज में फॉरचूनर गाड़ी, 11 लाख नगद व जेबरातों की मांग की गई। पीड़िता का कहना है कि पति ने कहा कि उसे बच्चा नहीं चाहिए इसे गिरा दो, तो उसने मना कर दिया। इसी दौरान उसका पति कुछ गोली लेकर आया और कहा कि उसके जीजा धर्मेंद्र ने दी है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

पलवल। पलवल-मोहना मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ड्यूटी से बाइक सवार होकर घर से ड्यूटी जा रहे एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी जमशेद अली ने बताया कि मोहन नगर निवासी उमेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका भाई लखन सिंह प्रतिदिन की तरह 25 फरवरी को बाइक पर सवार होकर जनौली गांव के निकट स्थित एक कंपनी में ड्यूटी पर जा रहा था। जब वह पलवल-मोहना मार्ग पर नयागांव के समीप पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने लखन की बाइक को टक्कर मार दी। आनन-फानन में उपचार के लिए लखन को सिविल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने पीड़ित के भाई लखन को मृत घोषित कर दिया।

बच्चों ने भी मंदिर निर्माण को चलाया निधि समर्पण अभियान

गुरुग्राम की दयानंद कॉलोनी में निधि समर्पण अभियान के अंतिम दिन दान देते बच्चे।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनाने को निधि समर्पण अभियान के अंतिम दिन बच्चों में भी उत्साह नजर आया। बच्चों ने स्वयं भी निधि समर्पित की और घर-घर जाकर दान एकत्रित किया। दयानंद कालोनी में चलाए गए अभियान में बच्चों में दान और भक्ति की भावना नजर आई। अभियान की शुरुआत अभियान प्रमुख अमरजीत कटारिया ने झंडी दिखाकर की।

शनिवार को निधि समर्पण अभियान के अंतिम दिन दयानंद कालोनी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सदस्यों व बाल स्वयंसेवकों ने भी राम मंदिर के लिए समर्पण निधि अभियान चलाकर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेविका समिति की स्वयंसेविका गरिमा सैनी, सलोनी सैनी, विकास भारद्वाज, यशपाल, पंडित संजय शर्मा, महेश डाबरा, ट्यूलिप आदि ने सहयोग किया। बच्चों में दान और भक्ति की भावना ने क्षेत्र में हर किसी को प्रेरित किया। अमरजीत कटारिया ने कहा कि इसी तरह के संस्कार हम सबको अपने बच्चों को देने चाहिए। दान की भावना सब में होनी चाहिए। क्योंकि दान बहुत बड़ा पुण्य है। भाजपा आईटी सैल के प्रदेश सह-संयोजक अरविंद सैनी ने कहा कि दान के रूप में यह जरूरी नहीं कि हर बार निधि ही दी जाए।

दयानंद कॉलोनी में बच्चों में दान देने को लगी होड़

जीवन बचाने को रक्तदान, शिक्षा देने को पुस्तक दान, पेट भरने को अनाज दान भी दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब वह समय निकट है, जब अयोध्या में श्रीराम जी का मंदिर इस समर्पण निधि से बनकर तैयार होगा। हम सबको उस पर गर्व भी होगा, क्योंकि उससे हमारी भी धार्मिक भावनाएं जुड़ी होंगी।

राममंदिर के लिए समर्पण निधी एकत्रित की

गांव अभयपुर की ग्राम सेवा समिति के सदस्य।

सोहना। अभयपुर में ग्राम सुधार समिति के युवाओं ने श्री राम मंदिर समर्पण निधी अभियान चलाया। जिसमें समस्त ग्रामवासियों ने अपनी इच्छा अनुसार योगदान दिया।

ग्राम सुधार समिति के अध्यक्ष महेश खटाना ने बताया कि श्रीराम मंदिर निर्माण में सहयोग करने के लिए समिति को मौका मिला। उपाध्यक्ष गजेन्द्र ने कहा नेक कार्य करने में बिना किसी भेदभाव के समस्त अभयपुर गांव के निवासियों ने अपना योगदान देते हुए चंदा देने में सहयोग किया। राहुल ने राम मंदिर में सहयोग के लिए अपनी निजी कोष से राशि दान की। मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने के लिए गांव में अभियान चलाया। प्रधान महेश खटाना ने बताया कि गांव में मंदिर के लिए मिली समर्पण निधी अयोध्या तक पहुंचाने के लिए मण्डल के प्रमुख विजय को सौंप दी गई है। सामाजिक कार्यों में हमेशा की तरह गांव व समाज के आशीर्वाद से ग्राम सुधार समिति ने अपनी जिम्मेदारी को पूरा किया।

प्रो-पंजा लीग के दूसरे संस्करण में दिखी जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वक्त बदलते देर नहीं लगती। कभी समोसे की शर्त पर वक्त बिताने के लिए होने वाला खेल आज प्रो-पंजा लीग के दूसरे संस्करण के साथ एक प्रतिस्पर्धी खेल बन गया है। पिछले हफ्ते मुंबई में प्रो-पंजा लीग के दूसरे संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें एक से बढ़कर एक आर्म रेसलर को देखने का मौका मिला। अभिनेत्री प्रीति झंगियानी और प्रवीण डबास ने पिछले साल इस अनूठी प्रतिस्पर्धा की शुरुआत की थी।

29 फरवरी, 2020 को केंद्रीय मंत्री किरण रिजीजू और मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने इसका उद्घाटन किया था। इसमें 15 राज्यों के 350 आर्म रेसलर ने हिस्सा लिया था। कोलोबा के रेडियो क्लब पियर में आयोजित इस साल की प्रतियोगिता में मिस इंडिया वर्ल्ड मानसा वाराणसी, मिस ग्रांड इंडिया मनिका श्योकंद और मिस इंडिया रनरअप मान्या सिंह की उपस्थिति खास आकर्षण रही। विश्व सुंदरियों ने स्पेशल सेशन के तौर पर प्रीति झंगियानी से पंजा भी लड़ाया।

इस साल मेगा चैंपियन बेल्ट और भारत के नंबर एक रेसलर का खिताब सुनील कुमार के नाम रहा। उन्होंने 2020 के प्रो-पंजा लीग के रैंकिंग टूर्नामेंट के गोल्ड मेडलिस्ट दिलशाद को हराकर खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के कारज सिंह ने मध्य प्रदेश के सचिन गोयल को हराकर 80 किलोग्राम श्रेणी में चैंपियन बेल्ट हासिल किया। स्पेशियली एबल्ड चैंपियन बेल्ट के लिए मध्य प्रदेश के मनीष कुमार और पंजाब के बूटा सिंह के मैच ने भी लोगों को आकर्षित किया। मनीष कुमार विजयी रहे और उन्हें वीएलसीसी फेमिना मिस इंडिया 2020 की रनरअप मान्या सिंह ने पुरस्कृत किया। पुरुषों में 90 किलोग्राम वर्ग में केरल के समीर वीटी ने पंजाब के हरमन मान पर जीत हासिल की। 100 किलोग्राम से ज्यादा के वर्ग में विजेता केरल के ही मुहम्मद हाशिम रहे। उन्होंने हरियाणा के अतर सिंह को हराया। महिला प्रतिस्पर्धियों में 65 किलोग्राम से कम के वर्ग में दिल्ली की करिश्मा कपूर को हराकर पंजाब की परमप्रीत कौर ने जीतीं।

विश्व सुंदरियों की उपस्थिति ने प्रतियोगिता में लगाए चार चांद

एक आवाज संस्था का 11 मार्च को सामूहिक विवाह समारोह

गुरुग्राम में सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक करते एक आवाज संस्था के सदस्य।

गुरुग्राम। पर्यावरण रक्षा में निरंतर कार्यरत संस्था द्वारा पहली बार सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए संस्था के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने श्रीदुर्गा रामलीला मैदान जैकबपुरा स्थित कार्यालय में बैठक करके कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की।

आगामी 11 मार्च को होने वाले इस समारोह के लिए 11 जोड़ों का लक्ष्य रखा गया था, जो कि पूर्ण हो चुका है। सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों के मद्देनजर एक आवाज संस्था के प्रमुख सदस्यों की विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में सभी को जिम्मेदारियों पर भी मंथन किया। संस्था के अध्यक्ष राज सैनी बिरसवाल व संरक्षक रविंद्र प्रसाद गुप्ता के अनुसार यह समारोह 11 मार्च को स्वर्गीय सीताराम सिंगला चौक (मोर चौक) के पास स्थित कंपनी बाग में किया जाएगा। सुबह 10 बजे से विवाह समारोह शुरू होगा। समारोह की विशेषता यह है कि इसमें सभी धर्मों के जोड़ों को विवाह के लिए आमंत्रित किया था। बैठक में संस्था के संरक्षक बनवारी लाल सैनी, आरपी गुप्ता, सुमेर तवर व संस्था के चेयरमैन विकास गुप्ता सह-चेयरमैन अमित गोयल आदि मौजूद रहे

कन्याकुमारी से हरिद्वार तक के लिए शुरू हुई कुम्भ संदेश यात्रा

कन्याकुमारी (तमिलनाडु)। कुंभ मेले के महत्व के बारे में संदेश देने के उद्देश्य से कुंभ संदेश यात्रा शनिवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में विवेकानंद केंद्र में शुरू हुई। यात्रा का शुभारम्भ कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद आश्रम के स्वामी चैतन्यानंद महाराज और तमिलनाडु के भाजपा राष्ट्रीय सह-प्रभारी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने कई प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की उपस्थिति में किया। समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। 25 दिनों की यह यात्रा ग्रामोदय चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी (GCOT) द्वारा आयोजित की गई है और हरिद्वार में समापन से पहले यह पहले 5000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

भाजपा नेता पोंगुलेटि सुधाकर रेड्डी ने यात्रा की सफलता की कामना करते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस यात्रा, जो हमारी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए की जा रही है, को सफल बनाने के लिए सहायता प्रदान करेंगे और साथ ही इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान में भी लाने का प्रयत्न करेंगे। हरिद्वार स्थित दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष आशीष गौतम ने कहा, कन्याकुमारी से शुरू हुई, यह रथ यात्रा उन सभी चार स्थानों जहां कुंभ मेला होता है - नासिक, उज्जैन, प्रयागराज और दिल्ली पहुंचने के बाद में हरिद्वार पर जाएगी। अरिगे रामास्वामी स्मारक सेवा के अध्यक्ष अरिगे मधु सुधान ने मिशन 5151 और कुंभ सन्देश यात्रा के लिए 10 लाख रुपये दान की घोषणा की।

अपने मार्ग में कुंभ सन्देश यात्रा देश के आठ ज्योतिर्लिंगों क्षेत्रों को कवर करेगी। प्रारंभिक यात्रा के अलावा, लगभग 7000 किमी की कुल दूरी इस यात्रा के दौरान तय की जाएगी, मिशन 5151 टीम के आयोजकों ने कहा। दिल्ली वसंत, जो आयोजन सचिव और जीसीओटी के संस्थापक थे, ने कहा कि यात्रा उन चार प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों को स्पर्श करेगी जहाँ कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।

चिह्नित लोगों में कहीं आप तो नहीं आयुष्मान लाभार्थी

कविता। फरीदाबाद

जिले में 174418 में से फिलहाल 91097 लोग आयुष्मान भारत योजना के लाभ से वंचित हैं। ऐसे लाभार्थियों के लिए अब हर सीएससी (अटल सेवा केंद्र) पर आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त में पखवाड़े के दौरान एक से 15 मार्च तक गोल्डन कार्ड बनाए जाएंगे। यह कार्ड पहले 30 रुपये देकर बनाए जा रहे थे। अधिकारियों की मानें तो जिले में आयुष्मान योजना के लिए कुल 174418 लोग शामिल हैं, लेकिन इनमें से अभी तक योजना के तहत 88321 ने ही कार्ड बनवाए हैं। आयुष्मान योजना के तहत अब तक जिले के 5139 लोग इलाज करा चुके हैं। सरकार ने इसके बदले निजी अस्पतालों को सात करोड़ 33 लाख रुपये का भुगतान भी किया है।

जिले में 15 दिनों तक मुफ्त बनेंगे गोल्डन कार्ड, केंद्र पर सर्च कराएं अपना नाम

हुआ कार्यक्रम

आयुष्मान कार्ड को लेकर सीएचसी के माध्यम से शुक्रवार को जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए फरीदाबाद सीएससी मैनेजर संदीप राणा ने बताया कि जिले में कुल एक हजार सीएससी मौजूद हैं। जिन पर योजना का लाभ मुफ्त मिलेगा। इन सभी सीएससी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

15 दिनों तक बनवाएं

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने बताया कि नेशनल हेल्थ एजेंसी एवं स्टेट हेल्थ एजेंसी द्वारा जिले में पखवाड़े के तहत 15 दिनों तक आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। एक से 15 मार्च तक चलने वाले इस पखवाड़े में लोग अपना कार्ड नि:शुल्क बनवा सकते हैं। यह कार्ड पीवीसी वाला होगा।

21 निजी और छह सरकारी अस्पताल

डॉ. रमेश ने बताया कि अभी तक मात्र 21 निजी अस्पताल और छह सरकारी अस्पतालों को ही इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है। 21 निजी अस्पतालों में पार्क अस्पताल, नोबल अस्पताल, एसकेजी अस्पताल, संतोष अस्पताल, अपूर्वा नर्सिंग होम, सेंट्रल फोर साइट अस्पताल, गोयल अस्पताल, सूर्या ओर्थो एंड ट्रामा सेंटर, शांति देवी मेमोरियल हस्पताल, अर्श अस्पताल, आरके अस्पताल, हांडा मेडिकल सेंटर, अल फलाह अस्पताल, मेडिचेक हस्पीटल, केदार अस्पताल, पवन हॉस्पीटल यूनिट-1 और दो, मानवता अस्पताल प्राइवेट लिमिटेड, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस, सर्वोदय अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर ए यूनिट ऑफ अंशू हॉस्पीटर्ल्स लिमिटेड, डॉक्टर टूडे आईवीएफ एंड मल्टी स्पेसलिटी अस्पताल शामिल है। वहीं सरकारी अस्पतालों में बीके सिविल अस्पताल, सब डिस्ट्रिक अस्पताल बल्लभगढ़, सेक्टर-आठ स्थित ईएसआई अस्पताल, प्रथम रेफरल यूनिट एक और दो, सीएससी खेड़ीकला, एनएच-तीन स्थित ईएसआई अस्पताल शामिल हैं।

लॉकडाउन के बावजूद मात्र 10 महीने में पुल किया तैयार : कृष्णपाल गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के परिवहन खनन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, हरियाणा भंडारण निगम के चेयरमैन पृथला के विधायक नैनपाल रावत और विधायक नरेंद्र गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग 19/ मथुरा रोड पर सीकरी गांव में लगभग 25 करोड़ रुपये की धनराशि की लागत से तैयार ओवरब्रिज का लोकार्पण किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं है। देश-प्रदेश में चहुमुखी विकास लोगों को अर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पलवल में एलिवेटेड ओवरब्रिज बनने के बाद में दिल्ली बॉर्डर से होडल यूपी बॉर्डर तक एक घंटे में सफर तय होगा। उन्होंने कहा कि सीकरी का ओवरब्रिज वैश्विक महामारी कोविड-19 के लॉकडाउन के बावजूद सरकार द्वारा आठ से 10 महीने में पूरा करके जनता को अर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह लगभग 25 करोड़ की लागत से छह मार्गीय बनाया गया है। इसमें स्ट्रीट लाइटिंग अन्य सौंदर्यीकरण किया गया है और आगामी दो वर्षों तक इसके रखरखाव के लिए गावड़ कंस्ट्रक्शन कंपनी और ई-5 कंपनी ने संयुक्त रूप से सरकार के साथ समझौता किया है।

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जोड़ी प्रदेश में चहुंमुखी विकास करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पेयजल सप्लाई, सीवरेज सिस्टम, शहर का सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइटें, आरएमसी सड़कें सहित सेक्टर व कॉलोनियों में लोगों को मूलभूत विकास की सुविधाएं दी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले छह सालों में बल्लभगढ़ और फरीदाबाद जिला का जितना विकास हुआ है उतना विकास गत 40 वर्षों के विकास से की तुलना में भारी पड़ रहा है। इस अवसर पर हरियाणा भंडार निगम के चेयरमैन एवं पृथला विधायक नैनपाल रावत, फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, पलवल भाजपा जिला अध्यक्ष सोहनपाल छोकर, चरण सिंह तेवतिया, अनिल सरपंच सिकरी, गुरुदत्त सरपंच, लखन बेनीवाल, अशोक शर्मा, संजू चपराना, जोगिंदर रावत सहित गावड़ व ईफाईव कंट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सौरव लांबा और अन्य कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दुर्दशा का शिकार हैं बड़खल क्षेत्र के सरकारी स्कूल

पांच एकड़ ज़मीन में बिना चारदीवारी के बना हुआ है स्कूल

कंडम व जर्जर हो चुके कमरों में ही पढ़ाया जा रहा है छात्रों को

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सरकारी शिक्षा बचाओ अभियान को जारी रखते हुए शुक्रवार को हरियाणा अभिभावक एकता मंच की टीम ने एनआईटी क्षेत्र के सरकारी स्कूल बड़खल गांव, एनआईटी 2 के साथ साथ एनआईटी 1 के सरकारी हाई स्कूल में जाकर वहां की कंडम व जर्जर हो चुकी बिल्डिंग व संसाधनों की कमी की जानकारी प्राप्त की। यह सभी स्कूल हरियाणा विधानसभा की शिक्षा व स्वास्थ्य कमेटी की चेयरमैन व बड़खल की, विधायक सीमा त्रिखा के विधानसभा क्षेत्र में आते हैं।

सरकारी हाई स्कूल एनआईटी 1 की स्थिति जानने के बाद मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया है कि यह स्कूल पांच एकड़ में बना हुआ है। इस स्कूल के चारों तरफ की बाउंड्री है ही नहीं और जो थोड़ी बहुत है वह टूट चुकी है। जिसके चलते स्कूल प्रांगण में बाहरी लोगों का जमावड़ा और आवारा पशुओं का आना-जाना हमेशा बना रहता है। स्कूल के नजदीक रहने वाले लोगों व स्कूल स्टाफ ने मंच टीम को बताया का कि चारदीवारी न होने के कारण असामाजिक तत्व स्कूल समय में और उसके बाद भी अंदर आकर शराब पीते हैं, जुआ खेलते हैं। इसकी शिकायत कई बार पुलिस चौकी में भी की गई है।

मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, सरकारी शिक्षा बचाओ अभियान टीम सदस्य एडवोकेट बीएस विरदी, मंच की महिला सेल की संयोजक पूनम भाटिया ने कहा है कि यह स्कूल बहुत पुराना है 50 साल पहले टीन की छत के बने 17 कमरे कंडम व जर्जर घोषित किए जा चुके हैं। इनके अलावा अन्य बने हुए 13 कमरे भी जर्जर हालत में हैं। उनके लेंटर की सरिया दिखाई दे रही है, छत से वर्षा का पानी टपकता है। कमरों में काफी सीलन है।

कोरोना : सात पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 46480

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मामले लगातार समाने आ रहे हैं। जिसे देखते हुए शनिवार को 10 कंटेनमेंट जोन बनाए गए। जिसमें एनआईटी फरीदाबाद, ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर-7, सेक्टर-16, सैनिक कॉलोनी सेक्टर-49, सेक्टर-28, सेक्टर-19, सेक्टर-8, सेक्टर-14, सेक्टर-15 को शामिल किया गया है।

सात नए मामले सामने आए। जिससे जिले का रिकवरी रेट 46480 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ सात मरीजों में सेक्टर-15, सेक्टर-14, एनएच-5 और अन्य एरिये से 1-1 मरीज, सेक्टर-21 से तीन मरीज सामने आए। वहीं 7 पॉजिटिव मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 99 प्रतिशत रहा। शनिवार को जिले में 1102 सैम्पल लिए गए।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचें	: 539650
अब तक पॉजिटिव	: 46480
अब तक नेगेटिव	: 492068
रिपोर्ट आनी है शेष	: 1102
ऑक्सीजन पर है	: 1
वेंटीलेटर पर है	: 1
अब तक मौत	: 416
अब तक ठीक	: 45999

नाइट डोमिनेशन के दौरान हजारों वाहनों की जांच, 11 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह के आदेशानुसार 26/27 फरवरी की रात्रि पुलिस कमिश्नरेट फरीदाबाद द्वारा 10 बजे रात्री से 4 बजे प्रात: नाइट डोमिनेशन अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त महोदय ने नाइट डोमिनेशन के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि रात के समय चलने वाले सभी वाहनों की चेकिंग करें।

कोई संदिग्ध और अपराधी किस्म का व्यक्ति बचकर भागने न पाए। सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों सभी क्राइम ब्रांच एंव सभी थाना प्रबन्धक, सभी चौकी प्रभारियों ने नाका लगाकर वाहनों को व संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया और अपने-अपने क्षेत्रों में पड़ने वाले बस अड्डा, रेलवे स्टेशन व सार्वजनिक स्थान चेक किए। फरीदाबाद पुलिस ने कुल 5749 छोटे-बड़े वाहन चेक किए। जिसमें 2404 टू व्हीलर, 1947 कारे व 719 लाइट व्हीकल और 679 हैवी व्हीकल चेक किए। चेकिंग के दौरान 181 हलके व भारी वाहनों के ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की गई। चेकिंग में 183 वाहन चालकों के चालान किए। दस्तावेज न होने पर 12 वाहनों को जब्त किया और 10 मुकदमे दर्ज किए गए। अभियान के तहत 236 होटल रेस्टोरेंट ढाबा मेट्रो स्टेशन बस स्टैंड आदि सार्वजनिक स्थानों को चेक कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

सीटू ने मनाया किसान-मजदूर एकता दिवस

फरीदाबाद। सेंटर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी फरीदाबाद ने शनिवार को सेक्टर 12 लघु सचिवालय के पार्क में किसान-मजदूर एकता दिवस का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर ने की जबकि संचालन लाल बाबू शर्मा ने किया। यह जानकारी सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी। उन्होंने बताया आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज के दिन ही संत रविदास का जन्म हुआ था। इस दिन को कि रविदास जयंति के रूप में बनाया जाता है। आज ही के दिन चंद्रशेखर आजाद का शहीदी दिवस भी है। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा गांव अलीराजपुर में हुआ था।

औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं का जल्द होगा निदान : सुनील शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एचएसआईआईडीसी फरीदाबाद द्वारा गत सायं जिले की इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन के साथ एक हुई बैठक में नई औद्योगिक पॉलिसी के संबंध में औद्योगिक जगत से जुड़े प्रतिनिधियों से बातचीत की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पंचकूला से एचएसआईआईडीसी एचओडी स्टेट एवं चीफ को-आर्डिनेटर इंडस्ट्रीज, हरियाणा सुनील शर्मा ने औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनसे इस संबंध में आवश्यक विचार-विमर्श किया। औद्योगिक जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं के संबंध में उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे, सड़क-पानी-सीवरेज, जैसी मूलभूत सुविधा, बाउंड्री वाल, मेट्रो कनेक्टिविटी, बॉयज एवं गर्ल्स वर्किंग हॉस्टल, नॉन- कंफर्मिग एरिया, इंडस्ट्रीयल वेस्ट फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, इनोवेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर, बिजनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का होना जरूरी है। इस पर एचओडी सुनील शर्मा ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि इन सभी समस्याओं को मुख्यमंत्री एवं संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष समय रहते प्रस्तुत कर सभी समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वे समाज व प्रदेश की अर्थव्यवस्था बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं।

इस बात की गंभीरता को ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री मनहोर लाल के कुशल मार्गदर्शन में एच एचआईआईडीसी के माध्यम से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से औद्योगिक प्रतिनिधियों व इकाइयों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने उपस्थित औद्योगिक जगत से जुड़े प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद अपितु विश्वास है कि जल्द ही साझा प्रयासों से सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा सकेगा। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से भी कामकाज के दौरान व्यवहार कुशलता एवं कार्य में दक्षता लाने को कहा। उन्होंने कहा औद्योगिक जगत से जुड़े लोगों का आह्वान किया कि वे प्रदेश में औद्योगिक में नई इकाइयों के सुचारू संचालन के लिए यथासंभव यथाशक्ति करने का प्रयास करें ताकि युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हों और प्रदेश की आर्थिक उन्नति संभव हो सके। इस अवसर पर इस्टेट मैनेजर विकास चौधरी, पीआर अडवाइजर पुनीत अरोड़ा ने भी उपस्थित उद्योगपतियों से उनकी समस्याओं के सम्बंध में अपने विचार-विमर्श किए।

लंबे समय से फरार चल रह तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेंट्रल प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह की टीम ने नाइट डोमिनेशन के दौरान तीन आरोपियों को अलग-अलग मुकदमों के तहत गिरफ्तार किया है। बीती रात फरीदाबाद पुलिस द्वारा सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नाइट डोमिनेशन की ड्यूटियां लगाई गई थी जिसमें संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की गई। इसी दौरान क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने विभिन्न मुकदमों के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हरेंद्र, ओमेंद्र और दीपक का नाम शामिल है। आरोपी हरेंद्र को पुलिस ने चोरी की बाइक सहित काबू किया जिसका मुकदमा थाना खेड़ी पुल में दर्ज है। आरोपी हरेंद्र पुत्र बंसी फरीदाबाद के खेड़ी कला गांव का रहने वाला है। आरोपी ने बताया कि वह नशा करने का आदि है और नशे की पूर्ति के लिए बाइक चोरी करता है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दूसरा आरोपी ओमेंद्र पुत्र देवेंद्र फरीदाबाद के बदरोला गांव का रहने वाला है जिसे पुलिस ने अवैध हथियार सहित काबू किया।

विधायक नागर के निवास पर प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार फरीदाबाद पहुंचे ओमप्रकाश धनखड़ अपने लाड़ले विधायक राजेश नागर के निवास पर भी पहुंचे। जहां उनका स्वागत करने के लिए जैसे पूरा विधानसभा क्षेत्र ही उमड़ आया। इस अवसर पर धनखड़ बोले कि पिछली सरकारों में विकास के मामले में अनदेखे रहे तिगांव विधानसभा क्षेत्र में जोरदार विकास हो रहे हैं और इसकी गति में आगे और वृद्धि होगी।

विधायक राजेश नागर ने अपने निवास पर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ का तिगांव क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों के साथ स्वागत किया। नागर ने कहा कि धनखड़ के आने से उनका हौसला और बढ़ा है। उनका आशीर्वाद हमें हमेशा से मिलता रहा है। नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ का उनके विधानसभा क्षेत्र को विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जिसके लिए वह उनके ऋणी रहेंगे।

इस अवसर पर विधायक नरेंद्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, पूर्व पार्षद राजेश तंवर, वरिष्ठ नेता किशन ठाकुर, पवन रावत, सरपंच सतबीर, बिजेंद्र नेहरा, दयानंद नागर, सुरजीत पार्षद, अजब चंदीला, हरीचंद सरपंच, पवन अग्रवाल, सीएल जैन, देवेंद्र अलघ आरडब्ल्यूए प्रेसीडेंट, दीपा सक्सेना आरडब्ल्यूए प्रेसीडेंट, गजेश अधाना, मलखान चपराना, अजय कत्याल, सन्नी सहगल, धर्मेंद्र गुप्ता आदि अनेक व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आज बंद रहेगा वाईएमसीए पुल

फरीदाबाद। फुल लोड टेस्टिंग के कारण वाईएमसीए पुल को बंद करने का निर्णया लिया गया है। यह पुल शनिवार रात नौ बजे से बंद कर दिया गया है। यह पुल रविवार शाम पांच बजे तक बंद रहेगा। जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यातायात पुलिस और रोड सेफ्टी के सदस्यों ने पुल बंद होने पर लोगों से निवेदन किया है कि वे इस रूट पर जाने के बजाय रास्ता बदल ले। वहीं दूसरी तरफ फ्लाईओवर की लोड टेस्टिंग के कारण लोगों को हैवी जाम की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। लोगों का कहना है कि रात में पूरा फ्लाईओवर खाली रहता है और बिना किसी को परेशान किये लोड टेस्ट का काम रात में किया जा सकता है, लेकिन प्रशासन लोड टेस्टिंग के लिए दिन का ही समय चुनता है। अगर लोड टेस्टिंग रात में की जाय तो हजारों लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसने से बचाया जा सकता है। हालांकि रविवार को अवकाश के कारण अधिक परेशानी नहीं होगी, लेकिन इसके बावजूद भी हाइवें पर जाम का सामना करना पड़ेगा।

संत रविदास भगवान का रूप

फरीदाबाद। संत शिरोमणि गुरु रविदास के 644वें जन्मोत्सव पर जिला स्तरीय आयोजन संत रविदास मंदिर खेड़ी नजदीक खेड़ी पुल पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने कहा कि संत रविदास भगवान का रूप हैं। जिसने भी संत शिरोमणि रविदास के पद चिह्नों को अपनाया है उनका जीवन सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि आज समूचे प्रदेश में संत शिरोमणि गुरु रविदास का जन्मउत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि संत किसी वर्ग विशेष के लिये नहीं अपितु लोक कल्याण एवं विश्व शांति की कल्पना के साथ अपने भाव एवं भक्ति के साथ संसार में जन्म लेते हैं। मन चंगा तो कठौती में गंगा जैसे अनुभवी वाक्यों के माध्यम से संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज को संदेश देने का प्रयास किया। इसमें भक्ति एवं सौहार्द के माध्यम से अपनी अध्यात्म के साथ भौतिक जिम्मेदारियों की बखूबी निभाने की उनकी सीख आज के परिपेक्ष में भी सारगर्भित है। इसलिये हम सभी को आज के दिन संतो के दिखाए मार्ग चलने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में उपायुक्त यशपाल यादव, एसडीएम जितेंद्र, स्वामी नरेश आनंद महाराज, डॉ. एमपी सिंह, धर्मपाल सरपंच, बाबूलाल, रवि, पुनीत प्रधान ,अशोक कुमार ,बलबीर सिंह, दलीप नंबरदार, भवानी प्रसाद, त्रिखा राम ,लोकेश, प्यारेलाल तिरखा राम ,भजन लाल ,बाल कृष्ण, भगवान, दलीप नंबरदार ,दिनेश नरवाना, वार्ड पार्षद, नरेश नंबरदार, बाल किशन, सूरजभान, राम सिंह कृपाराम, महेश माहौर, विनोद भाटी सहित काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रविदास जयंती पर हरफली गांव में कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद। संत रविदास की 644वीं जयंती के अवसर पर गांव हरफली में स. निरंजन सिंह द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अपना भारत मोर्चा के संयोजक डॉ. अशोक तंवर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जबकि मोर्चा के फाउंडर मेंबर राजेन्द्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। लोगों को सम्बोधित करते हुए डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि संत रविदास आध्यात्मिक गुरु थे, उन्होंने समाज को कुरीतियों से मुक्ति दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने उपस्थित लोगों से मायाजाल से बाहर निकलकर आध्यात्मिक जीवन शैली जीने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपना भारत मोर्चा देश के युवाओं को वह माध्यम प्रदान करेगा, जिससे वह अपने जीवन स्तर को सुधार सके और रोजगार की दिशा में बेहतरीन कदम उठा सके। आज पूंजीपतियों ने राजनीतिक पार्टियों को अपने कब्जे में ले लिया है। किसान तीन महीने से भी अधिक समय से धरने पर बैठे हैं, मगर भाजपा सरकार उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है। तंवर ने गांव की सरदारी एवं आए हुए लोगों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। पं. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि अपना भारत मोर्चा भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम करेगा। कार्यक्रम में जोगेन्द्र जांगड़ा, बीएस मलिक, धर्मपाल चहल, लेखचंद, हुकम नंबरदार, रामपाल, सतबीर, दलपत, देवी सिंह, नंदराम आदि उपस्थित थे।

मंत्री शर्मा ने किया खिलाड़ियों को सम्मानित

फरीदाबाद। सेक्टर 11 स्थित डीपीएस स्कूल के क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित कोरोना योद्धा क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने सम्मानित किया। मौके पर जिंदगी फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय वशिष्ट, वीसपोर्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक वशिष्ठ, मिलन सृष्टि फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश वशिष्ठ, बृजलाल शर्मा, चौकी सेक्टर 11 प्रभारी प्रदीप मोर उपस्थित रहे। मौके पर मैच जिला प्रशासन, पत्रकार, मंडल अध्यक्ष की तरफ से आई टीमों के बीच खेला गया। प्रशासनिक टीम की तरफ से जिला उपायुक्त यशपाल यादव खिलाड़ियों का हौसला अफजाई के लिए क्रिकेट मैदान में पहुंचे।

मंदिर-मस्जिद के नाम पर अवैध उगाही बर्दाश्त नहीं : मौलाना

फरीदाबाद। जमीयत उलामा फरीदाबाद के कार्यकर्ताओं की अहम बैठक में चर्चा की गई कि कुछ लोग जरूरतमंदों के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं उन से सावधान रहने की जरूरत है। जमीयत उलामा फरीदाबाद के अध्यक्ष मौलाना जमालुद्दीन ने कहा जो लोग गरीब, जरूरतमंदों पर खर्च करते हैं उनका पैसा सही जगह पहुंचना चाहिए और ऐसे गलत लोगों से होशयार रहना चाहिए। फरीदाबाद जमीयत के सभी कार्यकर्ताओं ने कहा कुछ लोग मस्जिद व मंदिर के नाम पर अवैध तरीके से चंदा कर रहे हैं। जिससे मस्जिद के इमाम व मंदिर के पुजारी बदनाम हो रहे हैं। उन्होंने कहा जो लोग सही मायने में खर्च करने वाले हैं वह जरूरतमंदों को देने में भी कतराने लगते हैं जो गलत है। उन्होंने कहा हम सभी लोगों से कहते हैं कि जो जरूरतमंद हैं उनकी दिल खोलकर मदद करें और कुछ गलत लोगों से सावधान रहें। उन्होंने कहा फरीदाबाद हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे का गढ़ रहा है। जिससे शहर का विकास होता है। मौके पर एक कमेटी का गठन किया गया, जो खर्च करने वाले लोगों की सहीह रहनुमाई करके जरूरतमंदों तक उनके पैसे को पहुंचाया जाए। इस अवसर पर खतीब मस्जिद ईदगाह ओल्ड फरीदाबाद के इमाम हजरत मुफ्ती मुस्तजाबुद्दीन, ऊंचा गांव जामा मस्जिद के इमाम मौलाना जमालुद्दीन, कारी हारुन रशीद नायब, हाफिज राशिद अंसारी, मौलाना इनामुल हसन, बडख़ल स्थित दिल्ली वाली मस्जिद के इमाम मौलाना अशरफ अली, मौलाना अब्दुल सत्तार रब्बानी, हाफिज सऊद अहमद, मौलाना आबिद नदवी, मौलाना मुस्तकीम अहमद असदी इमाम व मौलाना मोहम्मद जाहिद, हाफिज हसन, मोहम्मद अरशद, मौलाना सईमुद्दीन, मौलाना मुस्तकीम व खतीब आदि मौजूद रहे।

ज्ञानेन्द्र भारद्वाज बने मार्केट के प्रधान

फरीदाबाद। संजय कॉलोनी 33 फुट रोड मार्केट का चुनाव हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से ज्ञानेन्द्र भारद्वाज को प्रधान, ठाकुर अनकपाल को उपप्रधान, ओमबीर तोमर को महासचिव, नीरज जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त प्रधान ज्ञानेन्द्र भारद्वाज ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया और उन्हें विश्वास दिलाया की, वह उनकी आशाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेगें। उन्होंने कहा कि उन्हें जो पद दिया है वे उसकी पूरी मर्यादा रखेंगे और सभी पदाधिकारियों की सहमति से फैसले लेंगे। उन्होंने कहा कि 33 फुट रोड मार्केट सबसे सुन्दर बने और उसमें आने वाले ग्राहकों को कोई परेशानी न हो इसके लिए वे ठोस कदम उठाएंगे। इस अवसर पर योगराज ठाकुर (राजू), पालीराम रावत, डॉ. अमितवाठक, गलराज सिंह, अशोक गौतम, गुरूप्रीत सिंह, रौनक लाला, राम अवतार अग्रवाल, राजपाल अग्रवाल, प्रेम सिंह, चरणजीत सिंह सहित कई दुकानदार मौजूद थे।

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव को नाइट डोमिनेशन के दौरान नाका बंदी पर आरोपी पंकज को अवैध हथियार सहित थाना सेक्टर 7 के अधिकार क्षेत्र से कमानीदार चाकू सहित काबू करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी की पहचान पंकज निवासी अंबेडकर नगर नई दिल्ली हाल निवासी तिरखा कॉलोनी बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बल्लभगढ़ बस स्टैंड से किसी अनजान व्यक्ति से अपने दोस्तों में हवाबाजी करने के चक्कर में कमानीदार चाकू खरीद कर लेकर आया था। क्राइम ब्रांच टीम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 7 में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी से एक कमानीदार चाकू बरामद हुआ है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 28 फरवरी, 2021

क्या चिंता का विषय है वैश्विक ऋणग्रस्तता?

जब तक प्राथमिक बजट घाटा बहुत बड़ा नहीं है, तब तक मुख्य समस्या सार्वजनिक ऋण को स्थिर करना है, जो अर्थव्यवस्था के आकार से स्वतंत्र हो ताकि यह नियंत्रण से परे न हो सके।

गोविंद भट्टाचार्जी
(लेखक लेखा नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय से संबद्ध रहे हैं)

पिछले दशक ने पिछले 50 वर्षों में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में ऋण में सबसे तेज वृद्धि देखी। आईएमएफ ने अनुमान लगाया कि 2020 के अंत में वैश्विक सार्वजनिक ऋण जीडीपी के 98 प्रतिशत को छू जाएगा, और भारत का सकल सरकारी ऋण सकल घरेलू उत्पाद का 90 प्रतिशत होगा। आईएमएफ के राजकोषीय मॉनिटर के अनुसार, अधिकांश ओईसीडी देशों में ऋण-से-जीडीपी अनुपात 100 प्रतिशत से अधिक है और उभरते लोगों में 100 प्रतिशत के करीब है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में केवल चीन (66.5 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (70 प्रतिशत) और जर्मनी (72 प्रतिशत) बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इटली और ग्रीस की समस्या अर्थव्यवस्थाओं में ऋण स्तर क्रमश: 158 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद का 200 प्रतिशत है, जबकि जापान का ऋण 264 प्रतिशत है। 2021 से, वैश्विक ऋण पूर्व-कोविद समय की तुलना में अधिक हो जाएगा। बढ़ते कर्ज से निपटने के लिए एक विश्वसनीय मध्यम अवधि का राजकोषीय ढांचा जरूरी है, लेकिन महामारी अभी भी नियंत्रण से बाहर है, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक खर्च के लिए आवश्यक अतिरिक्त राजस्व जुटाना अब ज्यादातर विकासशील देशों में पहले से कहीं अधिक कठिन है। बचत की कृपा यह है कि उधार अब सस्ता है, ब्याज दरों को असाधारण रूप से निम्न स्तर तक गिरने के लिए धन्यवाद और अधिकांश देशों में विकास दर से कम रहने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, 2023 में, विकास न केवल सभी अमीर देशों में, बल्कि 60 उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से 53 में भी ब्याज दरों को पीछे छोड़ देगा। वृद्धि-संशोधित ब्याज दर, ब्याज और नाममात्र की विकास दर के बीच अंतर, भारत में -3.6 प्रतिशत और चीन में -6.5 प्रतिशत और अर्जेंटीना में -33.8 प्रतिशत होगा।

यह कानूनी रूप से सवाल उठाता है, क्या उभरती अर्थव्यवस्थाओं को भी अपनी राजकोषीय सीमा पर पुनर्विचार करना चाहिए? अर्थशास्त्री ने भारत के बजटीय राजकोषीय घाटे का सकल घरेलू उत्पाद का 9.5 प्रतिशत इस वित्तीय वर्ष में राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम द्वारा निर्धारित तीन प्रतिशत की सीमा से नीचे लाने के लिए कोई रोड मैप नहीं बताया, जबकि यह नोट किया कि नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण में भी था इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत की ब्याज दर विकास के मानदंड से कम है, अपवादस्वरूप नहीं, और यह दावा है कि आर्थिक संकट के दौरान उच्च ऋण और राजकोषीय खर्च अनावश्यक चिंता का कारण नहीं होना चाहिए। लेकिन फिच रेटिंग्स ने उल्लेख किया कि पिछले दशक में, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में औसत ब्याज दर चार प्रतिशत से दो प्रतिशत तक गिर गई थी, जबकि उभरते बाजारों में, यह 4.3-5.1 प्रतिशत से बढ़ गई थी। इस प्रकार कम दरों का लाभ ज्यादातर अमीर देशों को मिलता है।

शास्त्रीय डोमर मॉडल सरकारी ऋण की स्थिरता के लिए दो शर्तों को पूरा करता है- पहला, नाममात्र विकास दर सार्वजनिक ऋण पर ब्याज दर से अधिक होना चाहिए और दूसरा, सरकार के प्राथमिक खाते, जिसका अर्थ है कि ब्याज भुगतान को बाहर करना चाहिए, तो उसमें कोई घाटा नहीं होना चाहिए। यदि दोनों स्थितियां संतुष्ट हैं, तो जीडीपी में ऋण स्टॉक तेजी से घटेगा, और भले ही प्राथमिक खाते में घाटा हो, यह अंतत: एक स्थायी स्तर तक पहुंच जाएगा। लेकिन अगर विकास दर ब्याज दर से पीछे रह जाती है, तो सार्वजनिक ऋण अनिश्चित रूप से अनिश्चित हो जाएगा। इस प्रकार सार्वजनिक ऋण उच्च स्तर पर स्थिर हो सकता है, लेकिन यह आर्थिक झटके में कमजोर देश को प्रस्तुत करेगा। हालांकि, चूंकि यह मॉडल ब्याज दर, सार्वजनिक खर्च की संरचना, सार्वजनिक ऋणग्रस्तता की डिग्री और विकास दर जो एक दूसरे को प्रभावित करती है, के बीच मौजूद अन्योन्याश्रितताओं पर विचार नहीं करता है, अर्थशास्त्रियों हैमिल्टन और फ्लाविन ने एक और मॉडल का सुझाव दिया।

इसके अनुसार, अंतर-अस्थायी बजट बाधा को ऋण स्टॉक को स्थायी बनाने के लिए संतुष्ट होना चाहिए, जिसे वर्तमान सार्वजनिक ऋण के आकार को कवर करने के लिए भविष्य के प्राथमिक अधिशेषों के वर्तमान मूल्य की आवश्यकता होती है। अनुमानों, ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के भविष्य के मूल्यों की अनिश्चितता इस मॉडल की कमजोरी बनी हुई है, लेकिन जो भी मॉडल का उपयोग किया जाता है, सार्वजनिक ऋण में वृद्धि करना जरूरी नहीं है कि यह अस्थिरता है, खासकर जब किसी देश को संरचनात्मक रूपों को बनाने या बनाने के लिए अतिरिक्त वित्त की आवश्यकता होती है बुनियादी ढांचे पर पूंजी निवेश।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब दुनिया में एक ऋण महामारी आई है और 1970-89, 1990-2001 और 2002-09 के दौरान ऋण संचय की तीन पिछली लहरें थीं, जो सभी कम वास्तविक ब्याज दरों और आसान की अवधि के दौरान शुरू हुई वित्तीय बाजारों से उधार लेने की पहुंच। प्रत्येक ने 1982, 1991 और 2009 में वैश्विक मंदी और 1998 और 2001 में आर्थिक मंदी का सामना किया और इसके बाद संरचनात्मक सुधारों को कम कमजोरियों के लिए प्रारूपित किया गया, जिसमें अधिक आरक्षित संचय और नीतिगत ढांचों को मजबूत किया गया।

जब तक प्राथमिक बजट घाटा बहुत बड़ा नहीं होता है, मुख्य समस्या सार्वजनिक ऋण को स्थिर करना है, अर्थव्यवस्था के आकार से स्वतंत्र है ताकि यह नियंत्रण से परे न हो। यह साधारण बजटीय अंकगणित है। यदि ऋण जीडीपी के 60 प्रतिशत पर तीन प्रतिशत की प्राथमिक कमी के साथ स्थिर था, तो इसे 80 प्रतिशत पर स्थिर करने के लिए प्राथमिक घाटे को चार प्रतिशत तक सीमित करने की आवश्यकता होगी। आर्थिक सर्वेक्षण बताता है कि भारत में जीडीपी की वृद्धि दर पिछले 25 वर्षों में हमेशा ब्याज दरों से अधिक रही है, हालांकि प्राथमिक खाता अक्सर घाटे में रहा है, लेकिन ऋण स्थिरता समीकरणों द्वारा परिभाषित अधिकतम सीमा से कम है।

सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि सबसे खराब स्थिति में भी, वास्तविक विकास अगले 10 वर्षों के लिए केवल चार प्रतिशत और उच्च प्राथमिक घाटा जीडीपी (केंद्र प्लस राज्यों) का 6.8 प्रतिशत, पांच प्रतिशत मुद्रास्फीति और मामूली ब्याज दर छह प्रतिशत, सार्वजनिक ऋण अभी भी स्थायी होगा। यह परिदृश्य भारत के लिए अजीब नहीं है। आईएमएफ का कहना है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं ने 75 प्रतिशत समय से अधिक ब्याज दरों का अनुभव किया है। बेशक, समग्र ऋण पोर्टफोलियो में बाहरी ऋण के उच्च प्रसार के मामले में जोखिम का एक तत्व है क्योंकि यदि विनिमय दर कमजोर होती है, तो ब्याज दर मामूली रहने पर भी ऋण-से-जीडीपी अनुपात तेजी से बढ़ेगा। लेकिन भारत के लिए, यह जोखिम न्यूनतम है क्योंकि बाहरी ऋण हमारी कुल देनदारियों का लगभग छह प्रतिशत (2019-20 में 5.85 लाख करोड़ रुपये) है।2019-20 में सरकारी ऋण जीडीपी का 73.8 प्रतिशत था, इससे पहले कि महामारी इसे और अधिक बढ़ाती। 15 वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित रोड मैप के अनुसार, भारत के ऋण में 2020-26 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के 89.8 प्रतिशत से 85.7 प्रतिशत तक की गिरावट आनी चाहिए, लेकिन गिरावट व्यावहारिक रूप से पिछले तीन वर्षों में होगी। इस प्रकार हमें अपने ऋण को उस स्तर के आसपास स्थिर करने की जरूरत है बशर्ते ये अनुमान मौजूद हों। यह मामला नहीं हो सकता है क्योंकि स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होगी।

लेकिन सवाल यह है कि क्या उच्च ऋण स्तर टिकाऊ होने के बावजूद भी वांछनीय है, क्योंकि सार्वजनिक उधार आम तौर पर निजी निवेश को प्रभावित करता है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है। शायद इसका जवाब यह है कि उधार ली गई धनराशि का उपयोग कैसे किया जाता है। अगर सरकार निवेश पर खर्च करती है, जैसे कि अगले वित्त वर्ष के लिए बजट में पूंजीगत खर्च में 26 फीसदी की बढ़ोतरी, तो यह जोखिम कम होगा, खासकर जब अर्थव्यवस्था क्षमता से नीचे चल रही हो जैसा कि अभी है; सार्वजनिक व्यय तब आय और लाभप्रदता में सुधार करके अतिरिक्त निजी निवेश ला सकता है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब दुनिया में एक ऋण महामारी आई है और 1970-89, 1990-2001 और 2002-09 के दौरान ऋण संचय की तीन पिछली लहरें थीं, जो सभी कम वास्तविक ब्याज दरों और आसान की अवधि के दौरान शुरू हुई वित्तीय बाजारों से उधार लेने की पहुंच। प्रत्येक ने 1982, 1991 और 2009 में वैश्विक मंदी और 1998 और 2001 में आर्थिक मंदी का सामना किया और इसके बाद संरचनात्मक सुधारों को कम कमजोरियों के लिए प्रारूपित किया गया, जिसमें अधिक आरक्षित संचय और नीतिगत ढांचों को मजबूत किया गया। मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण, राजकोषीय नियम और अधिक मजबूत वित्तीय क्षेत्र पर्यवेक्षण जैसे नियंत्रण के मानक बन गए।

अब हम चौथी लहर की शिखा पर चल कर रहे हैं जो 2010 में शुरू हुई थी लेकिन ज्यादातर देशों में आर्थिक विकास की गति धीमी होने के साथ महामारी के दौरान चरम पर थी। 2008 की मंदी के बाद स्थितियां उन लोगों के समान थीं, जब ब्याज दरें कम थीं और बैंकों के लिए पूंजी के लिए वित्तीय बाजारों तक पहुंच आसान थी, क्योंकि बैंकों ने अपने आउटरीच को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया था। जैसा कि महामारी अब अर्थव्यवस्थाओं की लचीलापन का परीक्षण करती है, एक वैश्विक मंदी जो पहले से ही उग्र थी, अब दुनिया को एक गहरे ऋण संकट में धकेल रही है, जिसने प्रत्येक पिछली लहर के अंत को चिह्नित किया है। पिछली तरंगों के मामले की तरह, अब गहरे संरचनात्मक सुधारों के लिए भी कहा जाता है। भारतीय संदर्भ में, इसका अर्थ होगा समग्र नियामक तंत्र को मजबूत करते हुए कृषि और वित्तीय क्षेत्रों में सुधार के साथ-साथ कारक बाजारों के कई और सुधार। उपयुक्त नीतिगत विकल्प महत्वपूर्ण हैं क्योंकि एक बार वसूली हो रही है, केवल सुधार और साथ में संस्थागत तंत्र हमारे वित्तीय और ऋण स्थिरता को बहाल करने में मदद कर सकते हैं।

एक साल बाद उड़ान व यात्रा के अनुभव

एक साल लंबे नियंत्रण के बाद गोवा की हवाई यात्रा से वायरस संक्रमण फैलने की आशंका बनी हुई है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, मुझे किसी समय असुरक्षा का भाव नहीं अनुभव हुआ, पर आपने भी अनुभव किया होगा कि महामारी जारी रहने का क्या अर्थ होता है।

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

हालांकि, अपने बारे में स्तंभ लिखना अच्छी बात नहीं मानी जाती है, पर इस स्तंभ में एक व्यक्तिगत अनुभव का उल्लेख है। मैं इसे उसी तरह लिख रहा हूं। यह अनुभव 350 दिन बाद पहली बार उड़ान का है। मेरे काम का एक हिस्सा मोटर वाहनों की समीक्षा व उनका मूल्यांकन है और इसके लिए अपरिहार्य रूप से काफी यात्रा करनी होती है। हालांकि, कोविड-19 वैश्विक महामारी ने सुनिश्चित किया था कि 2020 में की गई कुछ ड्राइव दिल्ली-एनसीआर तक सीमित थीं तथा उनका अच्छा प्रबंधन किया गया था। कार कंपनियां गोवा में ऐसे आयोजन इसलिए नहीं करती हैं कि वहां काफी धूप या बालू है अथवा हमारे जैसे लोग उड़ान पसंद करते हैं, बल्कि इसका कारण यह है कि वहां सैकड़ों अच्छे होटल व अन्य संपत्तियां हैं तथा यह राज्य उड़ानों के माध्यम से भारत के लगभग हर बड़े शहर से जुड़ा है। इसलिए गोवा में मीडिया अभियान अलग-अलग शहरों में आयोजनों की तुलना में संभवत: सस्ता पड़ता है और इसका प्रबंधन आसान होता है।

मैंने खुद से वर्ष 2020 में उड़ान न भरने का वादा किया था, हालांकि उस समय कुछ आटोमोटिव आयोजनों के लिए उड़ानों की उपलब्ध व्यवस्था थी। लेकिन नया वर्ष शुरू होने और कुछ आयोजनों की घोषणा होने के बाद यात्रा टालना संभव नहीं था। आखिरकार अखबार में काम करने और यह सबसे पहले पढ़ने का असर भी था कि सरकार ने महामारी पर लगभग नियंत्रण कर लिया है। निश्चित रूप से मेरे उड़ान भरने के समय तक वास्तव में थोड़ा बदलाव हुआ है और महाराष्ट्र में वायरस का नया स्ट्रेन आ गया है।

लेकिन मेरे टिकट बुक हो गए थे और मैं 350 दिन बाद उड़ान भर रहा था। एक समय टर्मिनल 3 से साप्ताहिक उड़ान भरने की बात मेरे लिए अब अजीब लग रही थी क्योंकि लगभग एक साल बाद मैं टैक्सी में था। हवाईअड्डे से आने-जाने वाला ट्रैफिक सामान्य था और कुछ नए फ्लाईओवरों के निर्माण के कारण टैक्सी के रास्ते पर थोड़ा जाम भी था। मेरी उड़ान दोपहर बाद होने के कारण वहां पहुंचने में ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। एयरलाइनें सीमित घरेलू रास्तों पर चल रही हैं और अपनी क्षमता का दो तिहाई प्रयोग कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बहुत कम होने के कारण भारत के सबसे बड़े हवाई टर्मिनल पर भीड़ नहीं थी।

हम सबने 'न्यू नार्मल' शब्द सुना है जिसमें वर्किंग फ्राम होम, बहुत कम लोगों द्वारा यात्रा तथा स्वच्छता की आवश्यकता, आदि शामिल हैं। लेकिन सभी लोगों के मास्क पहनने और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स-सीआईएसएफ कर्मचारियों के शील्ड पहनने तथा अपने मैटल डिटेक्टरों 'वैंड' से एक हैंडिल जोड़ने के सिवा 2021 में उड़ान 2019 व इसके पहले से बहुत अलग नहीं थी। हालांकि, उड़ान प्रक्रिया में सबसे ज्यादा भीड़ वाली जगह सिक्यूरिटी से गुजरने के बाद मैंने अपने हाथ सेनीटाइज़ किए, पर मुझे पहले जैसा ही लगा। हालांकि, मुझे किसी समय असुरक्षा का भाव नहीं अनुभव हुआ, पर आपने भी अनुभव किया होगा कि महामारी जारी रहने का क्या अर्थ होता है। भारत में संक्रमितों की संख्या के बारे में कैंसर विज्ञानी व पुरस्कृत चिकित्सा लेखक सिद्धार्थ मुखर्जी ने द न्यूयारकर में हाल में लिखा है। इसमें बताया गया है कि भारत में रहने और अनेक प्रकार के रोगकारकों का पहले से सामना करने के कारण शायद कोविड-19 का मुकाबला करते समय 'तुलनात्मक' रूप से हमारे शरीरों में बीटा व टी सेल काफी थे जो वायरस से निपट सकते थे। इससे स्पष्ट होता है कि भारत, अफ्रीका के सहारा क्षेत्र तथा दक्षिणपूर्व एशिया में मरने वालों की संख्या कम कैसे है। कुछ लोगों का कहना है कि मरने वालों की 'सही' संख्या छिपाई गई है, पर यह हजारों लोगों के मरने तथा लोगों द्वारा उनके बारे में बात करने के कारण संभव नहीं है। लेकिन इसके बावजूद हमें सावधान रहना होगा क्योंकि ज्यादा खतरनाक स्ट्रेन की आशंका बनी हुई है। हो सकता है कि यह ज्यादा घातक न हो, पर इसे अनदेखा करना मूर्खतापूर्ण होगा। मैं विस्तारा से उड़ान भर रहा था और हालांकि मास्क के नियम का पालन हो रहा था, पर उड़ान में ऐसे लोग भरे थे जो शायद अपनी ऊब मिटाने के लिए गोवा जा रहे थे। बीच की सीटों पर बैठे कुछ लोग अपने घरेलू बुने संरक्षक सूट पहने थे तथा अधिकांश लोगों ने उड़ान के दौरान फेस शील्ड लगाई थी। लेकिन उड़ान के इस अनुभव के बाद मैंने गोवा में जो देखा वह डराने वाला था। मेरे आतिथेय ने एक लोकप्रिय नाइटस्पाट पर डिनर का आयोजन किया था जहां काफी भीड़ थी। वहां बहुत कम सावधानियां बरती जा रही थीं। हालांकि, बाउंसर इन्फ्रारेड स्कैनर से तापमान ले रहे थे, पर साफ दिखता था कि ज्यादातर जनता कोरोनावायरस की चिन्ता छोड़ कर पार्टी मनाने आई थी। वेगेटर बीच पर 'थेलेसा' रैफ्टरों से भरा था और कोई सतर्कता नहीं दिख रही थी। गोवा हवाईअड्डे पर देश के हर कोने से उड़ाने आ रही थीं, हालांकि कुछ राज्यों ने वापस लौटने वालों के परीक्षण की बात भी कही थी। रेस्टोरेंटों व बारों में भीड़ कोविड-19 के पहले वाले स्तर तक पहुंच गई थी जिनमें ज्यादातर भारतीय और बहुत कम विदेशी लोग थे। इनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे जो बिजनेस के काम से आए थे या उनके पास डिप्लोमैटिक वीसा थे। वे महामारी के प्रति भारतीयों व सरकार के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर रहे थे। यह सब वास्तव में असाधारण था। या तो लोगों को चिन्ता नहीं थी या वे आमतौर से 'देखा जाएगा' की आदत पर लौट आए थे। शायद यह गोवावासियों के 'सुसेगाड' दृष्टिकोण का एक और उदाहरण है जिसमें अतीत की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है। मैं नहीं जानता कि क्या दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, पर लगातार वायरस के दबाव में रहना भी शायद ठीक नहीं है। लेकिन 'न्यू नार्मल' वास्तव में 'ओल्ड नार्मल' से ज्यादा अलग नहीं है।

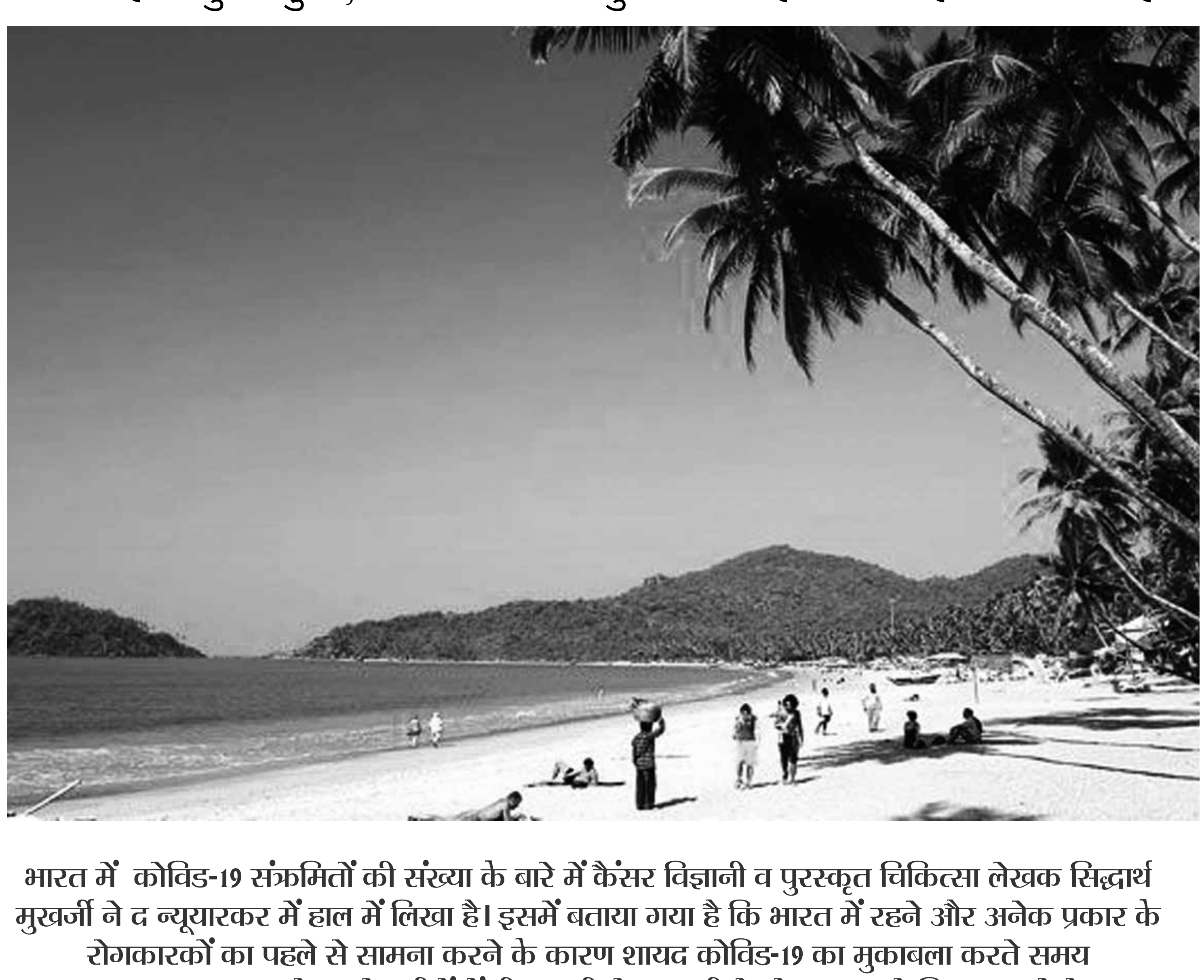

भारत में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या के बारे में कैंसर विज्ञानी व पुरस्कृत चिकित्सा लेखक सिद्धार्थ मुखर्जी ने द न्यूयारकर में हाल में लिखा है। इसमें बताया गया है कि भारत में रहने और अनेक प्रकार के रोगकारकों का पहले से सामना करने के कारण शायद कोविड-19 का मुकाबला करते समय 'तुलनात्मक' रूप से हमारे शरीरों में बीटा व टी सेल काफी थे जो वायरस से निपट सकते थे।

दूरी न रहे कोई...

योगी सरकार के दो मंत्रियों में छत्तीस का आंकडा रहा है। दुश्मनी ऐसी कि सरकारी पत्रावलियों तथा सिफारिशी पत्रों मे दोनों एक दूसरे के हस्ताक्षर भी नहीं देखना चाहते थे लेकिन इन दिनों दोनों में अचानक दोस्ती बढ गई है। दोनों एक दूसरे के करीब आ गये हैं॥ इतना ही नहीं एक ने तो दूसरे को अपने विभाग के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित तक कर दिया है। दरअसल दोनों ही मंत्री लखनऊ से आते हैं। एक चुनाव लड़कर पिता की विरासत के रूप में योगी सरकार में मंत्री बने तो दूसरे अपने काम और शालीनता भरे व्यहार के कारण। एक सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं तो दूसरे का कद थोड़ा बड़ा है। पूरे चार साल तक एक दूसरे से दूरी बनाकर रहने वाले दोनों मंत्रियों के अचानक करीब आने की चर्चा सत्ता के गलियारों में खूब जोरों से हो रही है। चर्चा तो यह भी है कि चुनाव करीब आने पर सीएम योगी ने खुद पहल करके दोनों मंत्रियों में दोस्ती करायी है।

मंत्री जी की रट

किस बात का जवाब देना है और किस बात का जवाब नहीं देना है अगर यह सीखना या जानना है तो जनता को पेंशन बांटने वाले विभाग के मंत्री जी से सीख ली जा सकती है। मंत्री जी को जिस बात का जवाब नहीं देना है उसे आप पूछ कर थक जाएंगे पर मंत्री जी अपनी ही रट लगाए रहेंगे। हाल का एक वाकया ले लीजिए। छोटे सदन में मंत्री जी से बहन जी की पार्टी के एक नेताजी सवाल पूछते पूछते थक गए मगर मंत्री जी जवाब देना तो दूर अपनी ही रट लगाए रहे। हर बार सवाल के जवाब में मंत्री जी उपलब्धि बताते रहे।। पांच-छह बार पूछने के बावजूद जब जवाब नहीं मिला तो थक हार कर नेताजी को बैठना पड़ गया। बस सवाल के जवाब में मंत्री जी को बस हां या न ही कहना था पर शक्ल से सीधे किंतु चालाक दिखने वाले मंत्री जी ने ठान लिया कि केवल उप्लब्धियां ही बतानी है तो वह अपनी ही रट लगाए रहे।

सपने में भी हिदायत

नगर निगम के बड़े साहब ने आते ही गलियों से लेकर सड़क तक धमाल मचा कर रखा है। पूरे शहर में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास शुरू किया है जिसे जनता ने बहुत सराहा है लेकिन कुछ लोगों को अच्छा नहीं लगा है। आने वाले दिनों में नगर निगम इलाके की सफाई और अतिक्रमण को हटाकर इंदौर की तरह बनाने की ओर बढ़ चले हैं। फिलहाल बड़े साहब हजरतगंज की सड़कों पर घरेलू चप्पल और ट्रैक सूट में सफाई का जायजा लेने वाले पहले अधिकारी हैं जो सुपरवाइजर और सफाई कर्मी के साथ दिखे। कई अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस और अभियंता को निलंबित कर अपने तेवर दिखा दिए हैं। बड़े साहब दूसरे अपने समकक्ष अधिकारियों को भी साथ लेकर सड़कों पर घूम रहे हैं। दस हजार से लेकर बीस हजार का जुर्माना लगाकर दुकानदारों को डस्टबिन रखने का आदी बनाने में जुटे हैं। हालांकि हाई डोज का इफेक्ट भी देखने को मिला है। अब अधिकारियों को बड़े साहब की हिदायत रात में भी सुनाई पड़ती है।

कैसे हो सुधार जब....

चिराग तले अंधेरा वाली कहावत खाकी महकमे के मुख्यालय पर एकदम फिट बैठती है। जब मुखिया की ओर से दिए गए दिशा निर्देशों का पालन मुख्यालय के ही अधिकारी नहीं करेंगे तब फिर फील्ड में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में कहना ही क्या। मुखिया की नाक के नीचे कार्यरत आधा दर्जन से अधिक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने शायद अपना मोबाइल फोन रिसीव न करने की कसम उठा रखी है। यह हालात तब हैं जब अभी कुछ दिन पूर्व ही मुखिया ने एक परिपत्र जारी कर कहा था कि हर पुलिस अधिकारी को अपना सीयूजी नंबर हर वक्त ऑन रखना चाहिए और प्रत्येक कॉल रिसीव करना चाहिए। अपने कड़क स्वभाव के लिए चर्चित मुख्यालय के एक अधिकारी का आलम तो यह है कि उन्होंने अपना सीयूजी फोन अपने पीआरओ को थमा रखा है। कोई भी फोन करे पीआरओ ही रिसीव करते हैं और तुरंत बता देते हैं कि साहब मीटिंग में व्यस्त हैं।

तथाकथित अध्यक्ष

विधान सभा सत्र के दौरान उस समय कांग्रेस दल के एक वरिष्ठ सदस्य की हालत समय हास्यास्पद हो गई जब उन्हें सरकार के एक मंत्री ने तथाकथित अध्यक्ष बता दिया जबकि सदस्य महोदय पिछले दो साल से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अब ऐसी स्थिति में कांग्रेस दल के यह वरिष्ठ सदस्य काफी झेंप गए और उन्होंने इसका प्रतिवाद किया। अब उन्हीं के दल की एक सदस्या महोदया को भी असहज लगा कि उनके अध्यक्ष को तथाकथित कहा जा रहा है मगर वह मन ही मन प्रसन्न थीं लेकिन सदन के अंदर दल की एकजुटता को भी प्रदर्शित करना था इसलिए उन्होंने भी कांग्रेस सदस्य को तथाकथित किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस सदस्य के विरोध के बाद भी मंत्री महोदय ने फिर उन्हें तथाकथित अध्यक्ष कहा और सदन ठहाकों से गूंज गया।

शिव पर डोरे

सख्त हो चुके शिव को मुलायम किया जा रहा है। किया भी क्यों ना जाए। आखिर चुनाव नजदीक आ रहे हैं। पूरी योजना चल रही है कि बस किसी तरह से शिव को पटा लिया जाए। न साथ लेना पड़ेगा और न ही हिस्सेदारी देनी पड़ेगी। शिव के बारे में अखिल समाजवाद को पता है कि बस किसी तरह से शिव को मुलायम मय कर दिया जाए तो सब कुछ संभव है। जो चाहोगे वह हो जाएगा। देखा जाए तो मौजूदा समय में शिव ने अड़ियल रवैया अपना रखा है। साफ कह दिया है कि घुले मिलेंगे नहीं। साथ चलेंगे वो भी बंटवारे के साथ। ऐसी स्थिति में अखिल समाजवाद की चिंता बढ़ी हुई है कि कैसे शिव को मोह पाश में बांधा जाए और यह बात तो सबको पता है कि जैसे ही शिव में मुलायम समाहित होंगे वह खुद ही अपने सारे हथियार रख देंगे। तब जो चाहो वह शिव से करा लो। मुलायम मय होते ही शिव स्वयं के विवेक से काम करना बंद कर देते हैं और मुलायम की राह पर चल देते हैं। बस यही तो अखिल समाजवाद चाहता कि चुनाव भर शिव मुलायम मय रहे उसके बाद तो उन्हें किनारे कर ही दिया जाएगा।

समझौता न हुआ तो विधान सभा चुनाव अकेले लड़ेगी आरपीआई: अठावले

● एससी छात्रों के लिये 59000 करोड़ की छात्रवृत्ति की योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के साथ तालमेल करके चुनाव लड़ेगी। अगर भाजपा ने कुछ सीटें दे दीं तो उन सीटों पर आरपीआई अपने उम्मीदवार उतारेगी। अगर भाजपा से चुनावी तालमेल नहीं बैठा तो उनकी पार्टी अपने स्वतंत्र उम्मीदवार भी उतार सकती है। उन्होंने कहा कि इस चुनावी तालमेल के बारे में वह भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी बात करेंगे। आठवले यहां संत रविदास की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए हुए थे। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना होने से जातिवाद बढ़ेगा यह मानना ठीक नहीं है। उन्होंने खुद प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है कि इस बार की जनगणना जाति पर आधारित होनी चाहिए जिससे यह पता चल सकेगा कि किस जाति की कितनी संख्या है और उसे कितना प्रतिनिधित्व हासिल है। उन्होंने कहा कि एससी छात्रों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृति के अंतर्गत पांच वर्षों में उच्चतर शिक्षा तथा कौशल प्रशिक्षण में 1.30 करोड़ गरीब से गरीब छात्रों को नामित किया जायेगा। मोदी सरकार की 35000 करोड़ रुपये से अधिक राशि छात्रवृति की राशि का सीधा लाभ अंतरण करने की योजना है ताकि भुगतान में कोई विलम्ब न हो। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि अगले 5 वर्षों में 4 करोड़ छात्रों को लाभ दिया जाये जिसके लिये 59000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार 5 वर्ष में राष्ट्रीय औसत तक पहुंचने के लिए अनुसूचित जातियों के लिए उच्चतर शिक्षा में नामांकन अनुपात मे तेजी से वृद्दि करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के किसानों की आय दोगुना करने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्तव में केंद्र सरकार प्रतिबद्द है। कृषि कानूनों के विरोध पर अठावले ने कहा कि इस तरह से कानून का विरोध करना गलत है, कृषि मंत्री और सरकार किसानों की बात सुनने के लिये तैयार है इसलिये दोनो पक्षों को बात करना चाहिये।

लखनऊ के कृष्णा नगर क्षेत्र में संत शिरोमणि गुरु रविदास के जन्म उत्सव समारोह में शामिल हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

राजनीतिक पार्टियां स्वार्थ के लिए कर रही हैं नाटकबाजी: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को संत रविदास की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और केंद्र तथा राज्य सरकारों से संत रविदास के बताए रास्ते पर चलकर समाज व देश का कल्याण करने की अपील की। मायावती ने राजनीतिक दलों पर स्वार्थ के लिए संतों के स्थल पर जाकर नाटकबाजी करने का आरोप लगाया।

मायावती ने शनिवार को ट्वीट कर संत रविदास को नमन करते हुए कहा, मन चंगा तो कठौती में गंगा का अमर मानवतावादी संदेश देने वाले महान संत गुरु रविदास जी की जयन्ती पर उन्हें शत.शत् नमन व देश व दुनिया में रहने वाले उनके करोड़ों अनुयाइयों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। संत गुरु ने अपना सारा जीवन आदमी को इन्सान बनाने के प्रयास में गुज़ारा। उन्होंने कहा कि बसपा की उत्तर प्रदेश में चार बार बनी सरकार में संतगुरु रविदास के सपनों को साकार करने का भरसक प्रयास हुआ व उनके सम्मान में जो जनहित व जनकल्याण का काम यहां किया गया वह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने

कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारें उनके (संत रविदास) बताए रास्ते पर चलकर समाज व देश का भला करें। बहुजन समाज पार्टी द्वारा जारी एक बयान में मायावती ने कहा कि संत रविदास का धर्म के लिए संदेश स्वार्थ के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के लिए समर्पित होने का है, जिसे भुला दिये जाने के कारण ही वर्तमान समय में आम जनजीवन अनेक प्रकार की समस्याओं से पीड़ितत व ग्रस्त है। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा व अन्य विरोधी दल, बसपा की स्थापना से पहले देश में दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों में जन्में महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों की हमेशा उपेक्षा करते रहे हैं और यह किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज ये राजनीतिक पार्टियां अपने स्वार्थ के लिए इन महापुरुषों की जयंती आदि पर इनसे जुड़े स्थलों पर जाकर नाटकबाजी कर रही हैं। मायावती ने कहा कि दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

गलत आर्थिक नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था में आई सबसे शर्मनाक गिरावट: प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था में आज सबसे शर्मनाक गिरावट आई है। पिछले 19 माह में डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में 104 पैसे की गिरावट दर्ज की गयी है, और भारतीय रुपया 73.47 रुपए प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। शेयर बाजार में पिछले 10 माह में सेंसेक्स 1939 अंक नीचे गिरकर बंद हुआ, तथा निफ्टी भी 568 अंक नीचे गिरी। निवेशकों के 5.37 लाख करोड़ रुपए डूबे। देश की अर्थ व्यवस्था के लिए फ्राइडे ब्लैक फ्राइडे साबित हुआ। तिवारी ने कहा कि यह दर्शाता है कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आज देश आर्थिक तबाही और बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है, और मोदी सरकार अपनी बड़ी से बड़ी असफ्लताओं को धार्मिक चाशनी में डुबोकर छिपाने में लगी हुई है। मोदी जी अब तो देश को बताएं कि डॉलर के मुकाबले रुपया उनकी उम्र से ज्यादा हुआ की नहीं। तिवारी ने कहा है कि देश को जागना होगा, अन्यथा हम आर्थिक बदहाली के ऐसे मुकाम पर पहुंच जाएंगे जहां से हमें लौटना मुश्किल होगा और आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्होंने ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 61.67 डॉलर प्रति बैरल है, मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए को भी पार कर गयी । मुम्बई में पेट्रोल की कीमत 97.34 रुपए प्रति लीटर, तथा दिल्ली में 90.93 रुपए प्रति लीटर और लखनऊ में 89.13 रुपए प्रति लीटर है। इसी प्रकार डीजल की कीमत मुम्बई में 88.44 रुपए प्रति लीटर, दिल्ली में 81.47 रुपए और लखनऊ में 81.70 रुपए प्रति लीटर है । रसोई गैस के सिलेण्डर की कीमत में बेतहाशा वृद्धि करके प्रधानमंत्री और मुख्यमन्त्री ने गृहणियों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। आज लखनऊ में एक गैस सिलेण्डर की कीमत 835 रुपए हो गयी है। इस खबर को हम इससे जोड़कर देखें कि आज मुकेश अंबानी एशिया महाद्वीप के सबसे धनाढ्य व्यक्ति बन गए हैं, उन्होंने दुनिया के 10 अमीरों की सूची से चीन के झोंग शानशान को पीछे छोड़ दिया है तिवारी ने कहा कि एक तरफदेश की जनता पेट्रोल की भारी कीमत चुका रही है और दूसरी तरफ इसे बेंचने वाले अडानी और अंबानी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन रहे हैं, ये उस कहावत को चरितार्थ करती है कि हम दो-हमारे दो।

लोकशाही में एकाधिकार की मानसिकता दुर्भाग्यपूर्ण: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाषा और आचरण का जो ह्रास दिखाई दे रहा है वह चिंतनीय है। आरोप.प्रत्यारोप और धमकी का इसमें कोई स्थान नहीं हो सकता है। जो राजनीति में हैं उन्हें विशेषकर सावधानी बरतनी चाहिए और सार्वजनिक जीवन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। लेकिन इधर लोकतंत्र के मंदिर विधानमण्डल में सार्वजनिक तौर पर जिस भाषा और व्यवहार का प्रदर्शन किया गया वह लोकतांत्रिक मान्यताओं की गरिमा को गिराने वाला है। लोकशाही में एकाधिकारी मानसिकता का प्रदर्शन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अवांछनीय है। अखिलेश ने कहा कि यह बात समझ से परे है कि भाजपा किसानों से क्यों नफ्रत करती हैघ् किसान महीनों से अपनी मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। केन्द्र सरकार ने अब तक किसानों के साथ वार्ता कर समस्या के समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। भाजपा अब अपने संकल्प पत्र के वादे भी भूल गई है। जनप्रतिनिधि जब जनता की दिक्कतों के बारे में सवाल उठाते हैं और भाजपा से उनके वादो के बारे में जवाब मांगते है तो भाजपा भड़क जाती है। आखिर जनता का सामना करने से भाजपा क्यों कतराती हैघ् जनता को डराने वाली भाजपा अब खुद चुनाव में जाने से पहले डर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के पास ही पूरी ताकत होती है और उसी के वोट से सरकारें बनती.बिगड़ती हैं। सत्ता के मद में जनता की अनदेखी करना भाजपा के लिए बहुत भारी पड़ेगा। भाजपा की दम्भी सरकार के दिन भी गिने.चुने रह गए हैं। जब सन्2022 में जनता अपना निर्णय समाजवादी पार्टी के पक्ष में सुनायेगी तब भाजपा को मुंह छुपाने लायक जगह भी नहीं मिलेगी। अखिलेश ने कहा कि लोकराज लोकलाज से चलता है। मुख्यमंत्री जी द्वारा सत्ता का दुरूपयोग, ठोक दो, ऐसा डोज दूंगा कि दर्द दूर हो जाएगा, जैसी भाषा का प्रयोग अहंकार की सतही मनोदशा का सूचक है। जनता सब देख रही है। सदन से सड़क तक भाजपा के चाल चरित्र का वास्तविक चेहरा सामने आ चुका है। समाजवादी पार्टी ही भाजपा का विकल्प है। भाजपा को 2022 में जनता का, किसानों, नौजवानों का आक्रोश भारी पड़ने वाला है।

पुलिस ने चार शातिर ठगों को दबोचा

● कब्जे से लाखों की कीमत के जेवरात व घटना में प्रयुक्त दो पल्सर बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की ठाकुरगंज पुलिस ने चार शातिर ठगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज सुनील दुवे का कहना है कि पकड़े गये अभियुक्तों के पास से लाखों की कीमत के जेवरात बरामद हुए हैं। उनका कहना था कि इन्होंने शहर के लगभग आठ थाना इलाकों में टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। खास बात यह है कि गिरोह बाराबंकी से जुड़ा हुवा है और यह अपनी दो बाइकों से डेली लखनऊ आकर अपना निशाना तलाश करते थे और फिर वापस बाराबंकी लौट जाते थे।

एडीसीपी पश्चिम राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के नेतृत्व में अपराध एंव अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत इधर कुछ दिनों से शहर के कई इलाकों से में बढ़ रही टप्पेबाजी की घटनाओं के खिलाफ अभियान में ठाकुरगंज पुलिस सक्रीय थी तभी मुखबिर से सूचना मिली की मेहदीगंज के पास दो बाइकों पर सवार चार लोग मौजूद हैं जो किसी वारदात को अंजाम देने के फिराक में हैं। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर दबोच लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम बाराबंकी निवासी धर्मेंद्र शाह शम्भू शाह कौशल कुमार शाह व सोनू कुमार शाह बताया। पुलिस का कहना है कि यह चारो आरोपी दो प्लसरों से लखनऊ आते थे और फिर लखनऊ के भीड़ भाड़ इलाकों अस्पतालों के पास पहुंच कर बुजुर्गों को अपने झांसे में लेकर उनके जेवरात व नकदी लेकर फरार हो जाते थे। पकड़े गए आरोपियों ने शहर के कई इलाकों में वारदात करने की बात कबूल की है। यह गिरोह शहर के कई थाना इलाकों में काफी सक्रीय था। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

समाजवाद के द्रष्टा थे रविदास व आजाद: दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

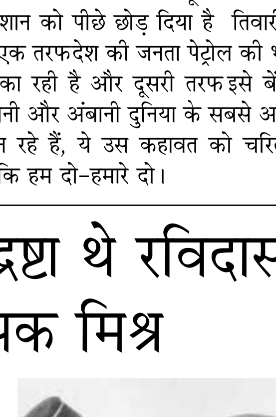

प्रसपा बौद्धिक सभा द्वारा संत रविदास की जयंती और अमर सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद की शहादत दिवस पर समाजवाद पर परिचर्चा को संबोधित करते हुए प्रसपा मुख्य प्रवक्ता व बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्र ने कहा कि चंद्रशेखर ने भारत को स्वतंत्र कराके समाजवादी व्यवस्था लागू करने के लिए हिंदुस्तान समाजवादी गणतांत्रिक सेना व संघ का गठन किया था। इतिहास व बौद्धिक जगत में आज़ाद के आदर्श व उनकी वैचारिकी पर जितनी चर्चा होनी चाहिए, दुर्भाग्यवश नहीं हुई। बौद्धिक सभा आज़ाद के समाजवाद पर पूरे भारत में लगभग सौ कार्यशालाओं का आयोजन करेगी। आज़ाद की स्मृतियों को संजोने के लिए आज़ाद दस्ता का पुनर्गठन किया जाएगा। लोहिया ने लोकनायक जयप्रकाश के साथ मिलकर बयालीस में आज़ाद दस्ते का निर्माण किया था। श्री मिश्र ने कहा कि भारतीय संत परंपरा सदैव से प्रगतिशील समाजवाद की हिमायती रही है । संत रविदास ने समानता की खुली वकालत की थी। रविदास ने कहा था। ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिले सबन को अन्न, छोट बड़ो सब सम बसे, रविदास रहें प्रसन्न। संत रविदास के सपनों का भारत अभी भी नहीं बन सका। अभी भी देश में बड़े पैमाने पर भुखमरी विद्यमान है, लगभग बीस करोड़ लोग भूखे सोने के लिए अभिशप्त हैं। भारत भोजन उपलब्ध कराने के मामले में 94वें सोपान पर है।

लखनऊ मेट्रो की राइडरशिप पहुंची तीन करोड़

● यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक ने लखनऊ वासियों का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार का दिन लखनऊ मेट्रो से जुड़े सभी लोगों के लिए एक और उपलब्धि लेकर आया है। 5 सितंबर, 2017 से प्रारंभ हुई लखनऊ मेट्रो सेवा ने अपनी अब तक की यात्रा में तीन करोड़ की राइडरशिप (यात्री संख्या) को पार कर लिया। यह महत्तवपूर्ण उपलब्धि इसलिए भी ख़ास है क्योंकि तब से अब तक अपनी कार्य पद्धति और समपिंत यात्री सेवा से लखनऊ मेट्रो ने शहरवासियों के दिलों में अहम जगह बनाई है और उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है।

शनिवार को इस उपलब्धि के मौके पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने यूपीएमआरसी की पूरी टीम के साथ लखनऊ की जनता को भी बधाई दी है, उन्होंने कहा कि ष्निश्चित तौर पर लखनऊ मेट्रो के लिए यह क्षण ऐतिहासिक और गर्व की अनुभूति कराने वाला है। हमने तमाम बाधाओं को पार कर लखनऊ के लोगों के लिए जिस आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का संकल्प लिया था, आज वह यात्रियों से मिल रहे निरंतर समर्थन और भरोसे की वजह से एक मुकाम तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। हम इसके लिए लखनऊवासियों के आभारी हैं और उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में भी इसी कर्मठता और समर्पण के साथ उनकी सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। वर्तमान में कोविड के मद्देनज़र मेट्रो स्टेशनों और मेट्रो ट्रेनों पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए तमाम प्रबंध जारी हैं। सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए सैनिटाइजेशन और शारीरिक दूरी का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। इस साल की शुरुआत से अल्ट्रावायलेट किरणों से मेट्रो ट्रेनों के कोच को सैनिटाइज करने वाली लखनऊ मेट्रो देश की पहली मेट्रो सेवा बन गई है। हमारे इन प्रयासों का नतीजा है कि पिछले साल कोविड के बाद अनलॉक में 7 सितंबर 2020 से मेट्रो सेवा के दोबारा शरू होने के बाद से मेट्रो की यात्री संख्या में लगातार सुधार हुआ है। लखनऊ मेट्रो 42 हजार यात्री संख्या के साथ कोरोना पूर्व की राइडरशिप का 65 प्रतिशत पहले ही हासिल कर चुकी है। हालांकि इसी वक्त में अन्य राज्यों की मेट्रो सेवाओं की राइडरशिप रिकवरी काफी कम है। प्रतिदिन 343 फेरे लगाती है मेट्रो ट्रेन: लखनऊ में सीसीएस एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया के बीच 23 किलोमीटर उत्तर दक्षिण कोरिडोर में मेट्रो ट्रेन प्रतिदिनि 343 फेरे लगाती है। मेट्रो की ये सार्वजनिक परिवहन प्राणाली सुरक्षित होने के साथ साथ पर्यावरण के अनुकूल तो है ही साथ ही सवारी के कई माध्यमों से सस्ती भी है।

सरकार बनी तो सोनोवाल एवं हिमंत के खिलाफ आरोपों की जांच होगी : बघेल

भाषा। गुवाहाटी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अगर कांग्रेस नीत महागठबंधन की सरकार असम में बनती है तो मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और वित्तमंत्री हिमंत बिस्व सरमा सहित भाजपा सरकार एवं उसके मंत्रियों पर लगे भ्रष्टाचार के सभी आरोपों की जांच कराई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राहुल गांधी के करीबी बघेल को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की असम इकाई का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस राज्य में मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होंगे। बघेल से जब पूछा गया कि क्या महागठबंधन निवर्तमान सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच, सत्ता में आने पर कराएगा? इस पर उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर आरोपों की जांच कराई जाएगी और संविधान एवं कानून के मुताबिक कार्वाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने हालांकि, कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्यों के खिलाफ बदले की भावना से कार्वाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, गलत हमेशा गलत होता है। भ्रष्टाचार के सभी आरोपों की जांच कराई जाएगी। जब हमारी पार्टी की सरकार आएगी तो संविधान का पालन किया जाएगा। हम संविधान का पालन करेंगे और किसी के खिलाफ व्यक्तिगत द्वेष की भावना से काम नहीं करेंगे। अगर किसी ने गलत किया होगा तो सख्त कार्वाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने अपने असमी समकक्ष पर आरोप लगाया कि वह लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों जैसे मवेशी, कोयला, मछली, अंडा और सुपारी का सिंडिकेट चलाने में सीधे तौर पर शामिल हैं। बघेल ने आरोप लगाया, सर्वानंद सोनोवाल सिंडिकेट चला रहे हैं। वह मुख्यमंत्री बनने से पहले सिंडिकेट में शामिल थे और सत्ता में आने के बाद भी उसे जारी रखा। वह सीधे तौर पर सिंडिकेट में शामिल है और उनके संरक्षण में यह हो रहा है। अपने पूर्व पार्टी सहकर्मी रहे सरमा को इंगित करते हुए बघेल ने कहा कि भाजपा ने उन पर तमाम भ्रष्टचार के आरोप लगाए थे जब वह तरुण गोगोई सरकार में थे। उन्होंने कहा, भाजपा में शामिल होते ही उनके सभी पाप धुल गए। क्यों पिछले पांच साल से सीबीआई (शारदा चिट फंड घोटाला मामले में)उनकी जांच नहीं करती? बघेल ने दावा करते हुए कहा, भाजपा की नीति पहले धमकाओं और फिर पार्टी में शामिल करो है। यह वह परिपाटी है जो भाजपा पूरे देश में और सभी के साथ कर रही है। जो भयभीत हो जाते हैं वे उनसे जुड़ जाते हैं और फिर उन्हें संरक्षण मिल जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरमा ने शारदा चिट फंड एवं लुइस बर्जर रिश्वत कांड मामलों में अपने बचाव के लिए कांग्रेस छोड़ी और भाजपा में शामिल हुए। पिछले महीने से चौथी बार असम में कांग्रेस की चुनावी तैयारियों का मुआयना करने आए बघेल भाजपा सरकार के खिलाफ, खासतौर पर सोनोवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मुखर हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस इस बार असम विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के साथ उतर रही है जिसमें एआईडीयूएफ, माकपा, भाकपा, आंचलिक गण मोर्चा शामिल हैं।

जबलपुर में ग्रेनेडियर रेजिमेंट परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह के दौरान एक महिला को सम्मानित करते सैन्य अधिकारी

राठौड़ की बर्खास्तगी की मांग से समझौता नहीं करेंगे : चंद्रकांत पाटिल

भाषा। मुंबई

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने पुणे में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में शनिवार को एक बार फिर राज्य सरकार में मंत्री संजय राठौड़ को बर्खास्त करने की मांग की। भाजपा पहले ही कह चुकी है कि अगर मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो वह एक मार्च से शुरू हो रहे राज्य विधानमंडल के बजट सत्र की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने नहीं देगी। पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, हम राठौड़ के इस्तीफे के अलावा कुछ स्वीकार नहीं करेंगे। हम अपने विरोध को तेज करेंगे और पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठ उनके इस्तीफे तक प्रदर्शन जारी रखेंगे। भाजपा नेता ने पुणे की वनवाडी थाने की पुलिस द्वारा की जा रही जांच पर भी सवाल उठाया। पाटिल ने कहा, पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। उसमें छिपाने को क्या है? उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार से भी जानना चाहा कि आखिर वह इस मामले में चुप क्यों हैं। बता दें कि उनकी पार्टी शिवसेना नीत महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी है। उल्लेखनीय है कि पुणे में आठ फरवरी को 23 वर्षीय महिला की कथित तौर पर इमारत से गिरने से मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा था कि वह आत्महत्या के कोण से मामले की जांच कर रही है। यवतमाल से शिवसेना नेता राठौड़ ने महिला की मौत से संबंध होने से इनकार किया है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा वाघ के पति के खिलाफ पुलिस द्वारा नया मामला दर्ज करने पर पाटिल ने कहा, सरकार को हमें डराने की कोशिश करने दीजिए। हम अपनी मांग से पीछे नहीं हटेंगे। उल्लेखनीय है कि गत कुछ दिन से वाघ भी महिला की मौत के मामले में राठौड़ को निशाना बना रही हैं। दिन में पुलिस अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाघ के पति किशोर जगन्नाथ वाघ के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा शानदार जीत हासिल करेगी : शिवराज सिंह

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा शानदार जीत हासिल करेगी और सत्ता में आएगी क्योंकि वहां के लोग अब ममता बनर्जी के कुशासन के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। चौहान ने यह भी कहा कि वह रविवार को पश्चिम बंगाल में होने वाली परिवर्तन यात्रा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं आज रात कोलकाता पहुंचूंगा और कल वहां परिवर्तन रैली में हिस्सा लूंगा। मैं वहां तीन सार्वजनिक सभाओं को भी संबोधित करुंगा। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 27 मार्च से 29 अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान कराने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है, वहां भाजपा की लहर चल रही है, इससे ममता दीदी भयभीत और उग्र हैं। चौहान ने कहा, इसलिए परिवर्तन रैलियों पर हमले किए जा रहे हैं और भाजपा के कार्यकर्ता मारे गए हैं। लेकिन उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। पश्चिम बंगाल में लोग ममता दीदी के कुशासन के खिलाफ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में शानदार सफलता हासिल करने जा रही है और चुनाव के बाद वहां भाजपा की सरकार बनेगी।

क्विक न्यूज

तेलंगाना में गोवध के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार किए गए

हैदराबाद। तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले में 16 गायों का कथित रूप से वध करने को लेकर शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को शुक्रवार को यह सूचना मिली थी कि सिद्दीपेट के बाहरी इलाके में गायो का वध किया जा रहा है। उसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उसने आठ लोगों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस आयुक्त डी जोएल डेविस ने बताया कि इस घटना के संबंध मे भादंसं, पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम एवं गोवध रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग गोमांस बेचने के लिए किसानों से वृद्ध गाएं खरीदते थे और उनका वध करने के लिए उन्हें एक कुक्कुट शेड मे ले जाते थे। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के सदस्यो ने शुक्रवार को रैली निकाली और गोवध के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के अनुसार सिद्दीपेट में स्थिति शांतिपूर्ण है।

राजद समान विचाराधारा वाले दलों से गठबंधन कर असम में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी: तेजस्वी

गुवाहाटी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन कर असम मे आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। यादव ने गुवाहाटी की अपनी पहली यात्रा के दौरान कहा कि वह पहले ही कांग्रेस से बात कर चुके हैं और गठबंधन को औपचारिक रूप देने के लिए एआईयूडीएफ के साथ बाद मे बातचीत करेंगे। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन मे कहा, हम समान विचाराधारा वाले दलों से बात कर रहे हैं। यादव ने कहा कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ के अलावा राजद अन्य छोटे दलो के संपर्क में भी है। उन्होंने कहा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लगभग पांच फीसदी हिंदी भाषी लोग हैं। हमारे पास 11 सीटों पर ऐसे लोगों की संख्या काफी है, लेकिन हम केवल वहीं लड़ेंगे जहां जीतने की संभावना अधिक हो। राजद के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि वह भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ चुनाव प्रचार करने के लिए अन्य चुनाव वाले राज्यो पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी भी जाएंगे।

तेंदुए की खाल रखने के दोष में व्यक्ति को तीन साल कारावास

पिथैरागढ़ (उत्तराखंड)। स्थानीय अदालत ने तेंदुए की खाल रखने के जुर्म मे वन्यजीवों के एक तस्कर को शनिवार को तीन साल कैद की सजा सुनाई। सरकारी वकील पृथ्वीराज सिंह बनकोटी ने बताया कि पिथैरागढ़ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधीर तोमर ने सुरेन्द्र सिंह को तीन साल कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। बनकोटी ने बताया कि सिंह को पहले भी तेंदुए की खाल रखने के जुर्म में सजा हो चुका है। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपी भूपेन्द्र सिंह सबूतों के अभाव में बरी हो गया। दोनों के पास से 2013 में तेंदुए की खाल मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया था।

महिला की मृत्यु मामले में भाजपा ने मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन किया

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा की महिला इकाई ने शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सो मे वन मंत्री संजय राठौड़ के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, जिनका नाम पुणे मे एक महिला की मौत से जोड़ा जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओ ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, नासिक, सिंधुदुर्ग, औरंगाबाद और अन्य शहरों के प्रमुख स्थलों पर प्रदर्शन किया। इसके तहत प्रदर्शनकारियों ने इन शहरों की प्रमुख सड़कों को भी बाधित करने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि आठ फरवरी को पुणे के हडपसर इलाके मे एक इमारत से कथित तौर पर गिरने से महिला की मौत हो गई थी। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट मे और विपक्षी भाजपा की ओर से दावा किया गया कि इस 23 वर्षीय महिला की मौत से राठौड़ का संबंध है। मुंबई के प्रदर्शन मे शामिल एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ऐसे व्यक्ति को राज्य मंत्रिमंडल मे नही होना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार उन्हे हटाने मे देरी कर रही है। इसलिए हम सड़कों पर उतरे है। भाजपा ने पहले ही घोषणा की है कि अगर एक मार्च (सोमवार)से शुरू हो रहे विधानमंडल सत्र से पहले राठौड़ को मंत्री पद से हटाया नही गया तो वह सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से नही चलने देगी।

बीस लाख रुपए मूल्य के तंबाकू उत्पाद जब्त, दो गिरफ्तार

ठाणे। जिले के मीरा भायंदर इलाके मे पुलिस ने 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य का गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किया है।एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार की सुबह मीरा भायंदर - वसई विरार पुलिस ने मुंबई अहमदाबाद राजमार्ग के वर्सोवा नाके पर यह सामग्री जब्त की और दो व्यक्तियो को गिरफ्तार किया। मीरा भायंदर - वसई विरार पुलिस के प्रवक्ता तुकाराम तत्कार ने बताया पुलिस को गुटखा और अन्य प्रतिबंधित उत्पाद मुंबई ले जाए जाने की सूचना मिली थी। इस आधार पर जाल बिछाया गया।

कोलकाता रैली के साथ ही बंगाल विस चुनाव के लिए शुरु होगा वाम-कांग्रेस और आईएसएफ गठजोड़ का प्रचार अभियान

भाषा। कोलकाता

वामदल-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में महारैली करने के साथ ही पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रचार प्रारंभ करेगा। माकपा नीत वाम मोर्चा और कांग्रेस पहले ही सीटों का समझौता कर चुके हैं। उधर, वाम मोर्चा एवं पीरजादा अब्बास सिद्दिकी के आईएसएफ के बीच भी वार्ता पूरी हो चुकी हैं तथा 30 सीटों पर आईएसएफ के चुनाव लड़ने पर उनमें सहमति बन गई है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के बीच वार्ता चल रही है तथा दोनों पक्षों को उम्मीद है कि कुछ सीटों पर जारी मतभेद दूर कर लिया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा, ब्रिगेड की विशाल रैली विधानसभा के लिए हमारे प्रचार अभियान की शुरुआत होगी। हम तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की जन विरोधी एवं सांप्रदायिक राजनीति का विकल्प देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, प्रेस का एक वर्ग एवं तृणमूल कांग्रेस एवं भाजपा इसे दो-कोणीय मुकाबला बताने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन यह बंगाल में यह त्रिकोणीय मुकाबला होगा। माकपा महासचिव सीताराम एचुरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी एवं आईएसएफ के सिद्दिकी रैली में मुख्य वक्ता होंगे।

इस रैली में कांग्रेस और वामदलों के प्रदेश स्तर के नेताओं के अलावा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शिरकत करेंगे। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस और वामदल चाहते थे कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी वाद्रा इस रैली को संबोधित करें जिससे इस गठबंधन को बल मिलता। लेकिन केरल चुनाव की बाध्यताओं के मद्देनजर वे इससे दूर हैं। केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ और एलडीएफ के बीच सीधी टक्कर है।

गुवाहाटी में एआईयूडीएफ मुखिया मौलाना बदरुद्दीन अजमल से मुलाकात करते राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव

लंबे समय बाद एकजुट नजर आई कांग्रेस

अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक हेलीकॉप्टर में सवार हुए

बीकानेर में अपने भ्रमण के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का स्वागत करते कार्यकर्ता

भाषा। जयपुर

पिछले कुछ समय से गुटों में बंटे होने को लेकर सुर्खियों में रही राजस्थान कांग्रेस शनिवार को एकजुट नजर आई जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कुछ माह पहले उनके खिलाफ बगावत करने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एक ही हेलीकाप्टर से सभा स्थल तक पहुंचे। ये दोनों नेता कांग्रेस द्वारा आयोजित दो किसान पंचायतों को संबोधित करने साथ-साथ पहुंचे। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसानों के आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस ने शनिवार को पिलानियों की ढाणी, धनेरू डूंगरगढ़ और मातृकुंडिया में किसान पंचायत रखी थी।मुख्यमंत्री गहलोत इनमें शामिल होने के लिए जयपुर से हेलीकाप्टर से रवाना हुए। उनके साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व राजस्थान प्रभारी अजय माकन के अलावा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट भी हेलीकाप्टर में सवार हुए। माकन व डोटासरा ने इसकी फोटो ट्विटर पर साझा की जिसमें चारों नेता मुस्कुरा रहे हैं। यह फोटो, कांग्रेस की किसान पंचायतों से पहले ही वायरल हो गई। लोगों ने इसको लेकर तरह-तरह की टिप्पणी की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने यह फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया, ए जो गहलोत जी मुस्कुरा रहे हैंअ पायलट जी क्या गम है जो छुपा रहे हैं। इस मुस्कुराहट की कीमत विगत सवा दो साल से राजस्थान की जनता चुका रही हैअ ठगी जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार लगभग डेढ़ साल बाद पहली बार गहलोत व पायलट ने एक साथ हवाई सफर किया। हालांकि पार्टी नेताओं ने इसे तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि फिलहाल बड़ी बात किसानों की आवाज मजबूत करना है। चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा, पूरी कांग्रेस पार्टी हमारे नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर गुटबंदी का आरोप लगाने वाली भाजपा अपने अंतर्मन में झांके जिसके हर संभाग में अलग आवाज उठ रही है।

भाजपा-अन्नाद्रमुक ने सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू की

तमिलनाडु विधानसभा

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक एवं भाजपा ने छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर वार्ता शुरू कर दी है और दोनों के बीच जल्द ही इस मुद्दे पर सहमति बनने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, जनरल वीके सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं तमिलनाडु राज्य के पार्टी प्रभारी सीटी रवि, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एल मुरुगन सहित भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्यमंत्री एवं अन्नाद्रमुक के समन्वयक के पलानीस्वामी और अन्नाद्रमुक समन्वयक एवं उप मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम से चर्चा की। भाजपा के राज्य में संगठन महासचिव केशव विनायगन भी इस बातचीत के दौरान मौजूद रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता के मुताबिक बातचीत सौहार्द्रपूर्ण माहौल में हुई और जल्द सहमति बन जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एम चक्रवर्ती ने कहा, हमारी उम्मीद 60 सीटों को लेकर है जिनकी पहचान जीतने वाली सीटों के तौर पर की गई है। उनकी (अन्नाद्रमुक की) अपनी योजना होगी। जल्द ही दोनों पार्टियां सीट समझौते की घोषणा करेंगी। अन्नाद्रमुक शाम को अलग से पीएमके के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करेगी। अभिनय से राजनीति में आए विजयकांत की पार्टी देसिया मुरपोक्कू द्रविड कड़गम (डीएमडीके) और जीके वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी अन्नाद्रमुक की सहयोगी हैं। इस बीच, ऑल इंडिया समातुवा मक्कल काची (एआईएसएमके) के संस्थापक एवं करीब एक दशक से अन्नाद्रमुक के सहयोगी रहे आर शरत कुमार कमल हासन की पार्टी मक्कल निधी मैय्यम से गठबंधन की संभावना के लिए शनिवार को चर्चा करेंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 100 करोड़ रुपए से अधिक की जरूरत : पनीरसेल्वम

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम ने शनिवार को कहा कि छह अप्रैल को राज्य विधानसभा चुनाव कराने के लिए 102.93 करोड़ रुपए की जरूरत है। विधानसभा में वित्तवर्ष 2020-2021 के लिए अंतिम अनुपूरक आकलन पेश करते हुए उन्होंने कहा, मैं रेखांकित करना चाहता हूं कि विधानसभा चुनाव कराने के लिए 102.93 करोड़ रुपए की जरूरत है जिसका अनुपूरक आकलन के रूप में प्रावधान किया गया है। पनीरसेल्वम ने कहा कि यह प्रावधान सार्वजनिक विभाग के तहत की गई है और शेष राशि की व्यवस्था अनुदान के पुन:आवंटन से किया जाएगा। राज्य का वित्त विभाग भी संभाल रहे पनीरसेल्वम ने 21,172.82 करोड़ रुपए का अंतिम अनुपूरक अनुमान पेश किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी एवं अन्य आपात जरूरतों की वजह से सरकार द्वारा अतिरिक्त खर्च जरूरी है। उन्होंने कहा, मेरा मजबूती से मानना है की लोकतांत्रिक परंपरा का निर्वहन करने की जरूरत है। चुनाव आयोग ने कल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की घोषणा की, ऐसे में यह मेरे लिए उचित नहीं होगा कि कुछ खर्चों का उल्लेख विशेष रूप से करूं जो सामान्य परिपाटी रही है। बाद में पनीरसेल्वम ने वर्ष 2021-22 के लिए पेश अंतरिम बजट का जवाब दिया जिसमें के बाद संबंधित विधेयक एवं अनुपूरक मांगों को पारित कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष पी धनपाल ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

अदालत ने सीशोर समूह की कंपनियों की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया

कटक। ओडिशा में एक विशेष अदालत ने राज्य सरकार को सीशोर समूह की कंपनियों की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। ओडिशा जमाकर्ता हित संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठान) कानून के तहत मामलों की सुनवाई करने वाली अदालत ने बृहस्पतिवार को यह आदेश दिया। अदालत ने कहा, जब्त की गई संपत्ति की नीलामी से मिली रकम को सभी निवेशकों के बीच बांट देना चाहिए जिनके साथ कंपनी ने धोखाधड़ी की थी। अदालत ने 222 एकड़ भूखंड, 1.386 किलोग्राम स्वर्ण आभूषण, 200 किलोग्राम चांदी के आभूषण, चार महंगी कारें और 1.88 करोड़ रुपए की नकदी समेत अन्य संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया। अदालत ने दिसंबर 2013 में सीशोर कंपनी और इसके सीएमडी प्रशांत कुमार दास की संपत्ति कुर्क की थी और अतिरिक्त जिलाधिकारी को सक्षम प्राधिकार नियुक्त किया था।कंपनी के कई निवेशकों की शिकायतों के बाद राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने दिसंबर 2013 में कानून के तहत प्रशांत दास और 44 अन्य के खिलाफ सात मामले दर्ज किए थे।

सीजेआई बोबडे ने वाद-पूर्व मध्यस्थता के जरिए अदालतों का बोझ घटाने की अपील की

भाषा। पटना

प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे ने वाद-पूर्व मध्यस्थता के विकल्प के प्रति पक्षकारों को प्रोत्साहित कर अदालतों पर मुकदमों का बोझ घटाने की शनिवार को अपील की। उन्होंने कहा कि वाद-पूर्व मध्यस्थता, दीवानी और फौजदारी, दोनों ही मामलों में विवादों का समाधान करने का एक जरिया है।

पटना उच्च न्यायालय के नए शताब्दी भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजय करोल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि वाद अच्छी चीज है और वाद के लिए प्रावधान करना भी ठीक है। लेकिन वक्त आ गया है कि हम वाद-पूर्व मध्यस्थता का सहारा लें।

उन्होंने कहा कि वाद-पूर्व मध्यस्थता के जरिए विवादों का समाधान होने से पक्षकारों को कुछ अलग तरह का अनुभव होता है और इसके अलावा अदालतों पर मुकदमों का बोझ भी कम होता है। सीजेआई ने कहा कि मैं कानून मंत्री से इस बारे में चर्चा कर रहा था कि वाद-पूर्व मध्यस्थता के लिए बस एक कानून का अभाव है...। उन्होंने कहा कि अदालत के नए भवन की जरूरत पड़ने का यह मतलब है कि कानूनी साक्षरता में वृद्धि हुई है...जो जरूरती है और लोग कानून अपने हाथ में लेने के बजाय विवादों का समाधान कराने के लिए अदालतों का रुख कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को पहले संबोधित किया, जिसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने अदालतों की जरूरतों को न्यायपालिका की ओर से समझने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, शक्तियों के पृथक्करण (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच) का सिद्धांत का मतलब सरकार की विभिन्न शाखाओं के बीच बैर होना नहीं है और संविधान के बिल्कुल अनुरूप इस तरह के अनूठे एवं वास्तविक विचारों को सुनना बहुत ही सुखद अहसास कराने वाला है। सीजेआई ने अदालतों के कामकाज में प्रौद्योगिकी की भूमिका का भी उल्लेख किया।

हालांकि कि उन्होंने अदालतों के डिजिटल माध्यम से कामकाज की नई शैली कई वकीलों और वाद दायर करने वालों को रास नहीं आने पर खेद प्रकट किया। सीजेआई बोबडे ने बिहार के साथ अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा, मैंने राज्य के कई न्यायाधीशों के साथ काम किया है, इसलिए यह मेरे लिए कोई नई जगह नहीं है और मैं यहां आकर खुश हूं। उन्होंने यहां वकालत करने वाले देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसी विभूतियों का भी जिक्र किया।

टीटीडी ने 2021-22 के लिए 2,938 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी

भाषा। तिरुपति (आंध्र प्रदेश)

तिरुमाला पहाड़ी में स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने शनिवार को 2021-22 के लिए 2,938 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी। टीटीडी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि बजट प्रस्ताव में लगभग 2,938 करोड़ रुपए के राजस्व का अनुमान लगाया गया है।

टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी ने बोर्ड की एक बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष के कुल अपेक्षित राजस्व में लगभग 1,131 करोड़ रुपए भक्तों द्वारा नकद चढ़ाए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों में जमा से 533 करोड़ रुपए का राजस्व आने का अनुमान है।

प्रयागराज में चल रहे 'माघ मेला' के दौरान 'माघ पूर्णिमा' पर्व के अवसर पर संगम पर गंगा नदी में डुबकी लगाने के लिए एकत्रित हुए भक्तगण।

दूसरे देश भी भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करना चाहते हैं: शिक्षामंत्री पोखरियाल

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने शनिवार को कहा कि शीर्षस्थ संस्थानों एवं विभिन्न देशों ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) का स्वागत विश्व के सबसे बड़े सुधार के तौर पर किया है और इसे अपने यहां लागू करने में रुचि दिखाई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 97वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए पोखरियाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति काफी विचार-विमर्श कर लाई गई है और इससे भारत में सुधार, प्रदर्शन एवं बदलाव होगा। शिक्षामंत्री ने नीति की प्रशंसा करते हुए इसे समानता, गुणवत्ता एवं सुलभता के आधार पर तैयार प्रभावशाली,संवाद वाली, नवोन्मेषी एवं समावेशी नीति करार दिया। उन्होंने कहा कि कैम्ब्रिज, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस, इंडोनेशिया...और कई और देशों ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विश्व का सबसे बड़ा सुधार कहा है और वे अपने-अपने देशों में भी लागू करना चाहते हैं। यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों है।, यह वोकल फॉर लोकल (स्थानीय के लिए मुखर) का समर्थन करती है तथा यह वैश्विक स्तर पर स्थानीय है। यह विद्यार्थियों के लिए नए तरह के अवसर लेकर आएगी। निशंक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को नई नीति मिशन स्तर पर लागू करने में अगुआ बनने का आह्वान किया। गौरतबल है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है जो 34 साल पहले वर्ष 1986 में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्थान लेगी। इसका उद्देश्य स्कूली एवं उच्च शिक्षा में बदलाव करना है ताकि भारत को ज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनाया जा सके।

बालाकोट एयर स्ट्राइक की वर्षगांठ पर वायु सेना ने किया अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर अभ्यास किया, जिसके तहत लंबी दूरी तय कर एक लक्ष्य को भेदा गया। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बालाकोट में आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने वाले अभियान में शामिल रही स्क्वाड्रन के सदस्यों ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया। सूत्रों ने कहा कि यह अभ्यास हाल ही में किया गया। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर. के. एस. भदौरिया ने इस अवसर पर उक्त स्क्वाड्रन में शामिल रहे पायलटों के साथ उड़ान भरी। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने 26 फरवरी 2019 को नियंत्रण रेखा के पार जाकर बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को आतंकवादियों के हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे, जिसके जवाब में यह कार्रवाई की गई थी।

सोनम वांगचुक ने सैनिकों के लिए सौर ऊर्जा से गर्म रहने वाले टेंट विकसित किए

श्रीनगर। आविष्कारक एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने सौर ऊर्जा से गर्म रहने वाला पर्यावरण अनुकूल तम्बू (टेंट) विकसित किए हैं जिसका इस्तेमाल सेना के जवान लद्दाख के सियाचिन एवं गलवान घाटी जैसे अति ठंडे इलाके में कर सकते हैं। बता दें कि बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म थ्री इडियट्स में फुंगसुक वांगडू का किरदार वांगचुक पर ही आधारित था। वांगचुक ने कई पर्यावरण अनुकूल अविष्कार किए हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से गर्म रहने वाले सैन्य टेंट (तम्बू) जीवाश्म ईंधन बचाएंगे जिसका पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ता है और साथ ही सैनिकों की सुरक्षा भी बढ़ाएंगे। वांगुचुक ने बताया, ए टेंट दिन में सौर ऊर्जा को जमा कर लेते हैं और रात को सैनिकों के लिए सोने के गर्म चेम्बर की तरह काम करते हैं। चूंकि इसमें जीवश्म ईंधन का इस्तेमाल नहीं होता है, इसलिए इससे पैसे बचने के साथ-साथ उत्सर्जन भी नहीं होता है। अविष्कारक ने बताया कि सैन्य टेंट में सोने के चेम्बर का तापमान ऊष्मारोधी परत की संख्या को कम या ज्यादा कर बढ़ाया एवं घटाया जा सकता है। वांगचुक ने बताया, सोने के चेम्बर में चार परत होती है और बाहर शून्य से 14 डिग्री सेल्सियस कम तापमान होने पर इसमें 15 डिग्री सेल्सियस तापमान रहता है। गर्म स्थानों पर परतों की संख्या घटाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेंट के भीतर बहुत आरामदायक तापमान नहीं होना चाहिए क्योंकि सैनिकों को खुले में दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि गलवान घाटी जैसे इलाकों में शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान होता है। लद्दाख में भारत-चीन के बीच सीमा पर हुए गतिरोध का संदर्भ देते हुए वांगचुक ने बताया कि उन्होंने सौर ऊर्जा से गर्म रहने वाले टेंट के शुरुआती संस्करण 15 साल पहले पश्मीना बकरियों के चरवाहों के लिए बनाए थे। वांगचुक ने नए टेंट को प्रारूप का संदर्भ देते हुए कहा कि इसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है और इसमें 10 सैनिक रह सकते हैं। उन्होंने कहा, टेंट का कोई भी हिस्सा 30 किलोग्राम से अधिक वजनी नहीं है, जिससे आसानी से इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। टेंट को 30 से 40 हिस्सों में अलग-अलग किया जा सकता है। वांगचुक ने कहा कि अति हल्के अल्युमिनियम का इस्तेमाल कर टेंट के प्रत्एक हिस्से का वजन 20 किलोग्राम तक लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रोटोटाइप से वह संस्करण महंगा होगा। वांगचुक ने स्वीकार किया कि सौर ऊर्जा से गर्म रहने वाले टेंट का विकास करने में सेना ने मदद की। उन्होंने कहा कि इसे सेना की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। वांगचुक ने बताया कि हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टर्नटिव, लद्दाख (एचआईएएल) की उनकी टीम ने इस टेंट के प्रोटोटाइप को एक महीने में तैयार किया।

सामग्री को ब्लॉक करने का नियम नया नहीं, 2009 से अस्तित्व में : सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सोशल मीडिया सहित अन्य ऑनलाइन सामग्री को ब्लॉक करने संबंधी विवाद पर भारत सरकार का कहना है कि डिजिटल माध्यमों पर साझा सामग्री को आपात स्थिति में ब्लॉक करने का नियम देश में नया नहीं है और वह 2009 से ही अस्तित्व में है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने डिजिटल मीडिया के नए दिशा-निर्देशों पर शनिवार को स्पष्टीकरण देते हुए इस आशय की जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दिशा-निर्देशों के भाग तीन के नियम 16 को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति है। इस नियम के तहत आपात स्थिति में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव सामग्री को अंतरिम रूप से ब्लॉक करने का निर्देश दे सकते हैं।

बयान के अनुसार, यहां स्पष्ट किया जाता है कि यह कोई नया प्रावधान नहीं है। यह पिछले 11 साल से (2009 से) अस्तित्व में है और प्रावधान के तहत अधिकार का उपयोग इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सचिव द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (जनता के लिए सूचना को ब्लॉक करने की प्रक्रिया और सुरक्षा) नियम, 2009 के तहत किया जाता है। बयान में कहा गया है कि इस साल 25 फरवरी को जारी नियमानुसार प्रावधान में इसका उपयोग करने का अधिकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव को दे दिया गया है।

मंत्रालय ने कहा, यह दोहराया जाता है कि... प्रावधान में कोई बदलाव नहीं किया गया है और न हीं सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थता दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया नीति संहिता) नियम, 2021 के तहत सामग्री को ब्लॉक करने के लिए कोई नया प्रावधान जोड़ा गया है।

केंद्र पूर्वोत्तर क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करने, विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध: हर्षवर्धन

कोहिमा। केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि केंद्र पूर्वोत्तर राज्यों में संपर्क (कनेक्टिविटी) को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस क्षेत्र में देश के बाकी हिस्सों जितना ही विकास हो। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 5-7 वर्षों में कई विकास परियोजनाओं को पूरा किया गया है और आने वाले दिनों में और अधिक केंद्रीय पहल की जाएगी। उन्होंने नगालैंड के कोहिमा जिले के फरिबागेई में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के अपने दौरे के दौरान पत्रकारों से कहा, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस क्षेत्र में देश के बाकी हिस्सों जितना ही विकास हो। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज को नगालैंड का पहला मेडिकल कॉलेज माना जाता है। उन्होंने कहा कि इसकी आधारशिला 2014 में मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने रखी थी लेकिन विभिन्न कारणों से इस परियोजना के पूरा होने में विलंब हुआ।

पीएसएलवी-सी51 अमेजोनिया-1 मिशन के लिए उल्टी गिनती शुरू

भाषा। बेंगलुरु

अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो, भारत का रॉकेट रविवार को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से पहली बार ब्राजील का उपग्रह लेकर अंतरिक्ष रवाना होगा। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 2021 में पहला प्रक्षेपण है।

इस रॉकेट को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर से प्रक्षेपित करने का समय 28 फरवरी को सुबह 10 बजकर 24 मिनट है जो मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है। पीएसएलवी- सी51 अमेजोनिया-1 मिशन के लिए उल्टी गिनती शनिवार सुबह आठ बजकर 54 मिनट पर शुरू हो गई। इसरो ने एक बयान में बताया कि पीएसएलवी-सी51 पीएसएलवी का 53वां मिशन है। इस रॉकेट के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया-2 उपग्रह के साथ 18 अन्य उपग्रह भी अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। इस रॉकेट को चेन्नई से करीब 100 किलोमीटर दूर श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। इन उपग्रहों में चेन्नई की स्पेस किड्ज़ इंडिया (एसकेआई) का सतीश धवन एसएटी (एसडी एसएटी) शामिल है। इस अंतरिक्ष यान के शीर्ष पैनल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर उकेरी गई है।

एसकेआई ने कहा कि यह उनकी (प्रधानमंत्री की) आत्मानिर्भर पहल और अंतरिक्ष निजीकरण के लिए एकजुटता और आभार व्यक्त करने के लिए है। एसकेआई एसडी (सुरक्षित डिजिटल) कार्ड में भगवद गीतौ भी भेज रहा है। इसरो की वाणिज्य इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटिड (एनएसआईएल) के लिए भी यह खास दिन है। इसरो का मुख्यालय बेंगलुरु में है। पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) सी51 अमेजोनिया-1 एनएसआईएल का पहला समर्पित वाणिज्यिक मिशन है जिसक प्रक्षेपण अमेरिका के सिएटल की उपग्रह राइडशेयर एवं मिशन प्रबंधन प्रदाता स्पेसप्लाइट इंक के वाणिज्य प्रबंधन के तहत किया जा रहा है।

एनएसआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी नारायण ने बताया कि हम प्रक्षेपण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमारे लिए ब्राजील निर्मित पहला उपग्रह प्रक्षेपित करना गर्व की बात है। 637 किलोग्राम वजनी अमेजोनिया-। ब्राजील का पहला उपग्रह है जिसे भारत से प्रक्षेपित किया जाएगा। यह राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (आईएनपीआई) का ऑप्टिकल पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है।

मुख्यमंत्री एदियुरप्पा 78 साल के हुए

बेंगुलरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस एदियुरप्पा शनिवार को 78 साल के हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं अन्य ने उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने मोदी ने ट्विटर के जरिए एदियुरप्पा को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, एदियुरप्पा जी सबसे अधिक अनुभवी नेताओं में से एक हैं जिन्होंने अपना जीवन किसानों के कल्याण एवं गरीबों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित कर दिया।

हम उनकी लंबी आयु एवं स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। शाह ने बधाई देते हुए ट्वीट किया, उनकी कर्नाटक के गरीबों एवं किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता सराहनीय है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, साथी विधायकों एवं सहयोगियों ने भी एदियुरप्पा को जन्मदिन की बधाई दी।

भारत-बांग्लादेश गृह सचिव स्तरीय वार्ता में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

भाषा। नई दिल्ली

भारत-बांग्लादेश के बीच शनिवार को हुई गृह सचिव स्तर की वार्ता में दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने का काम जल्दी पूरा करने और आतंकवाद तथा चरमपंथ के खिलाफ लड़ाई को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के 50 साल मुजीब बर्षो के पूरे होने की पृष्ठभूमि में यह 19वीं वार्ता हुई। आधिकारिक बयान के अनुसार, केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने भारतीय पक्ष का और बांग्लादेश के जन सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ सचिव मुस्तफा कमाल उद्दीन ने अपने देश के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। उसके अनुसार, भारत और बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को बहुत महत्व देते हैं। दोनों सचिवों ने सुरक्षा और सीमा से जुड़े मुद्दों पर परस्पर सहयोग को और अधिक विस्तार देने और उसे मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने अपनी जमीनासीमा का उपयोग दूसरे पक्ष को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों के लिए ना होने देने की बात दोहराई।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बनी सहमति के आधार पर दोनों पक्षों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने का काम जल्दी पूरा करने पर चर्चा की। बयान के अनुसार, सीमा पर गैरकानूनी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए समन्वित सीमा प्रबंधन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दोनों पक्ष सहमत हुए। दोनों देश जाली भारतीय मुद्रा और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सहयोग को और बेहतर बनाने पर भी राजी हुए।

चिराग पासवान ने खुद को बताया शबरी का वंशज

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने खुद को शबरी का वंशज बताते हुए अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए शनिवार को एक लाख 11 हजार रुपए का दान दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सहभागिता करना समाज के वंचित तबके के प्रत्एक व्यक्ति का कर्तव्य है। लोजपा बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा अब नहीं है, लेकिन चिराग अब भी भाजपा के मुखर समर्थक हैं। पासवान ने ट्वीट किया, वंचित वर्ग से आने वाली श्रीराम की परमभक्त माता शबरी का वंशज होने के नाते हम सबका यह कर्तव्य है कि भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण में अपनी-अपनी सहभागिता दें। उन्होंने ट्वीट में कहा कि आज के समाज को भी श्रीराम व माता शबरी के बीच असीम स्नेह के रिश्ते को समझना होगा। दलित समाज के सभी भाइयों-बहनों को प्रेम और सम्मान की ज़रूरत है, ताकि सामाजिक प्रेम हमेशा ही श्री राम व माता शबरी के जैसा बना रहे।

पेज 1 का शेष

निजी अस्पतालों...

सूचित कर दिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि ऑन-साइट पंजीकरण कराने की सुविधा उपलब्ध होगी, ताकि योग्य लाभार्थी अपनी पसंद के टीकाकरण केंद्र पर जाकर अपना पंजीकरण कराएं और टीका लगवाएं। टीके के लाभार्थी को-विन 2.0 पोर्टल डाउनलोड कर और आरोग्य सेतु आदि मोबाइल ऐप के जरिए पहले भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मंत्रालय ने कहा था कि लाभार्थी अपनी पसंद के कोविड-19 टीकाकरण केंद्र (सीवीसी) को चुन सकते हैं और टीका लगवाने के लिए अपना समय निर्धारित करवा सकते हैं। कोविड-19 के खिलाफ राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू हुआ था। मंत्रालय ने कहा था कि सभी लाभार्थियों को अपना एक तस्वीर युक्त पहचान पत्र-आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि लेकर टीकाकरण केंद्र जाना होगा। वहीं, किसी बीमारी से ग्रसित 45 वर्ष से अधिक उम्र का लाभार्थी होने की स्थिति में बीमारी से संबद्ध प्रमाणपत्र भी साथ लाना होगा, जिस पर पंजीकृत चिकित्सक के हस्ताक्षर होने चाहिए।

लगातार तीसरे...

थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

द्रमुक और...

देने की घोषणा कर दी है। इसकी पीएमके संस्थापक डा. रामदास लंबे समय से मांग कर रहे थे। अन्नाद्रमुक की इस घोषणा ने उसके अन्य सहयोगी भाजपा, पीएमके और पुथिया तमिलकम को भी शांत कर दिया है। पिछले सप्ताह तक बेहद आक्रामक ढंग से प्रचार में जुटी द्रमुक ने अचानक से चुप्पी साध ली है। इस बीच एएमएमके के महासचिव टीटीवी दिनकरन जो वीके शशिकला के भतीजे हैं और जयललिता के पूर्व सहयोगी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ ही तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद के चार दावेदार हो गए हैं। मुख्यमंत्री पद के तीन अन्य उम्मीदवार एडाप्पडी पलानीस्वामी, द्रमुक के एमके स्टालिन और एमएनएम के कमल हासन हैं।

ईडी ने...

था और तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने उनके खिलाफ बेंगलुरु के पीएमएलए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी ने बेंगलुरु पुलिस द्वारा कम से कम तीन प्राथमिकी दर्ज करने और कोऑपरेटिव सोसाइटी के रजिस्ट्रार द्वारा नंजुंदैया एवं अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद पीएमएलए के तहत प्राथमिक दर्ज की। ईडी के मुताबिक आरोप है कि सोसाइटी और उसके प्रवर्तकों ने उच्च ब्याज देने का लालच देकर और जरूरी नकदी रखे बिना कमीशन एजेंटों के जरिए जनता से 650 करोड़ रुपए जमा कराए। एजेंसी के मुताबिक एसकेएससीसीएल ने 13 हजार निवेशकों से अधिक ब्याज देने के वादे के साथ पैसे जमा कराए लेकिन निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ब्याज के साथ-साथ मूलधन भी वापस नहीं कर धोखाधड़ी की।

50 लाख...

लाख उपयोगकर्ता की सीमा निर्धारित की है। इससे पहले, सरकार ने सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग कंपनियों को नियंत्रित करने वाले नियमों को कड़ा करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों को प्रकाशित सामग्रियों के लिए अधिक जवाबदेह बनाना है।

वन डिस्ट्रिक्ट...

13, आंध्र प्रदेश के 13, दिल्ली, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड के 11-11 जिले, असम, गुजरात, राजस्थान और तेलंगाना में भी प्रत्येक में 33 जिले योजना में शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तीन जिले, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के कुल तीन जिले, लद्दाख और पुदुचेरी के दो-दो जिले, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप में एक-एक जिला इस योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, 226 जिलों के फल, 107 जिलों की सब्जियां, 105 जिलों के मसाले चिन्हित किए गए हैं, जबकि गन्ने के लिए 40 और गेहूं के लिएकुल पांच जिलों की पहचान की गई है। यह सूची राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च की सलाह लेकर तैयार की गई है।

हास्य कलाकार मुनव्वर फारुकी के दो और साथी अंतरिम जमानत पर जेल से रिहा

भाषा। इंदौर

हिन्दू देवी-देवताओं पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के विवाद से जुड़े हास्य कार्यक्रम के आयोजन में शामिल होने के दो और आरोपी शनिवार की देर शाम यहां केंद्रीय जेल से रिहा हो गए। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने इन्हें शुक्रवार को अंतरिम जमानत दी थी। निचली अदालत में शनिवार को जमानत की औपचारिकताएं पूरी किए जाने के बाद नलिन यादव (25) और सदाकत खान (23) को केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया।

ये दोनों धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोपों पर आधारित उस बहुचर्चित मामले में करीब आठ हफ्तों से न्यायिक हिरासत में थे जिसमें गुजरात से ताल्लुक रखने वाले हास्य कलाकार मुनव्वर फारुकी (32) मुख्य आरोपी हैं। रिहाई के बाद संवाददाताओं के सवालों पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया में यादव और खान ने कहा कि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है। इंदौर के नजदीक पीथमपुर के रहने वाले यादव ने बताया कि वह पिछले चार साल से कॉमेडी के क्षेत्र में सक्रिय हैं और एक इवेंट मैनेजमेंट कम्पनी भी चलाते हैं। खान के मुताबिक वह पेशे से सिविल इंजीनियर हैं। विवादास्पद हास्य कार्यक्रम में हिन्दू देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियों के आरोपों पर यादव ने कहा कि मामला अदालत में विचाराधीन है और इसमें अदालत को ही फैसला करना है। इसके अलावा मैं भला क्या बोलूं? यादव ने हालांकि कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि हमें जरूर इंसाफ मिलेगा।

यादव ने दावा किया कि जांचकर्ताओं को मामले के आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई भी ठोस सबूत नहीं मिला है और यही वजह है कि वे करीब दो महीने बाद भी अदालत में आरोपपत्र पेश नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके (जांचकर्ताओं) पास हमारे खिलाफ सबूत के रूप में कोई भी ऐसा वीडियो होता कि वहां (हास्य कार्यक्रम) कुछ गलत हुआ था, तो जाहिर तौर पर वे अब तक अदालत में आरोपपत्र पेश कर चुके होते। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय ने मामले के मुख्य आरोपी मुनव्वर फारुकी को इंदौर में एक जनवरी की रात दर्ज मामले में पांच फरवरी को अंतरिम जमानत दी थी। इस आदेश के आलोक में पखवाड़े भर के दौरान मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ यादव और खान समेत चार अन्य आरोपियों को भी अंतरिम जमानत दे चुकी है। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा की स्थानीय विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ के बेटे एकलव्य सिंह गौड़ ने शहर के एक कैफे में एक जनवरी की शाम आयोजित कार्यक्रम में हिंदू देवी-देवताओं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गोधरा कांड को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियों का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

नववर्ष के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में फारुकी को बतौर मुख्य हास्य कलाकार बुलाया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस हास्य कार्यक्रम को लेकर फारुकी और यादव समेत पांच लोगों को एक जनवरी की रात गिरफ्तार किया गया था, जबकि खान की गिरफ्तारी दो जनवरी को हुई थी। बाद में इन छह आरोपियों में से एक व्यक्ति नाबालिग निकला था और उसे धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में बाल न्यायालय से पहले ही जमानत मिल चुकी है। अब मामले के सभी छह आरोपी अलग-अलग अदालतों से अंतरिम जमानत मिलने के बाद रिहा हो चुके हैं।

चीन जानता है कि प्रधानमंत्री डरे हुए हैं: राहुल गांधी

भाषा। तूतीकोरिन (तमिलनाडु)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चीन-भारत सीमा पर गतिरोध को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा हमला करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि वह अपने पड़ोसी देश से डरे हुए हैं। गांधी ने यह भी कहा कि वह सिर्फ दो लोगों के लिए लाभकारी हैं।

तमिलनाडु में छह अप्रैल से होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपने तीन दिवसीय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकारों के गिरने सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्हें (राज्य के विधायकों) भगवा पार्टी ने खरीद लिया। यहां वकीलों से बातचीत में वायनाड लोकसभा सीट से सांसद ने केन्द्र की भाजपा नीत सरकार पर हम दो, हमारे दो के नारे के साथ कटाक्ष किया। गांधी ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध से पहले चीन ने डोकलाम में इस विचार को आजमाया (2017 में) था। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में सैनिकों, हथियारों एव अन्य सैन्य साजो-सामान की पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी किनारे से वापसी के साथ पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से चीन ने हमारे देश के कुछ सामरिक इलाकों पर कब्जा किया है। इस विचार को पहले उन्होंने डोकलाम में आजमाया। उन्होंने कहा, वे देखना चाहते थे कि भारत क्या प्रतिक्रिया देता है और उन्होंने देखा कि भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। और फिर उन्होंने इसे लद्दाख में आजमाया और मेरा मानना है कि उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में भी ऐसा किया होगा। सीमा पर गतिरोध पर विस्तार से बात करते हुए गांधी ने कहा कि चीन की घुसपैठ पर मोदी की पहली प्रतिक्रिया थी कि भारत में कोई नहीं घुसा है। उन्होंने कहा, इससे चीन को यह संकेत गया कि भारत के प्रधानमंत्री उनसे डरे हुए हैं... उन्होंने इसे समझा। और उसके बाद से चीनियों ने इसी

तूतीकोरिन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते हुए

सिद्धांत पर आगे की बातचीत की। गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, वे जानते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री उनका विरोध नहीं कर पाएंगे। मेरे शब्दों को लिख लीजिए, भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण देपसांग में हमारी जमीन अब इस सरकार के कार्यकाल में वापस नहीं लौट सकती। उन्होंने आरोप लगाए, प्रधानमंत्री जमीन वापस नहीं ले पाएंगे। वह दिखावा करेंगे कि हर चीज का समाधान हो गया है लेकिन भारत उस क्षेत्र को खोने जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाए कि चीन को इस तरह का संदेश देना भविष्य के लिए काफी खतरनाक है क्योंकि चीन केवल लद्दाख तक ही नहीं रुकने वाला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार चीन से बेझिझक निपटती थी।

गांधी ने कहा, चीन को अच्छी तरह समझ आ गया था कि भारत को पीछे नहीं धकेला जा सकता। 2013 में जब चीन भारत में घुसा तो हमने कार्वाई की जिससे वे समझौता करने के लिए बाध्य हुए...हम आगे बढ़े और अन्य इलाकों पर भी कब्जा किया। कांग्रेस नेता ने कहा, अब वे समझ गए हैं कि प्रधानमंत्री में साहस नहीं है...चीन समझ गया है कि प्रधानमंत्री समझौता करने जा रहे हैं। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ दो लोगों के लिए लाभकारी हैं। गांधी ने हमालवर रुख जारी रखते हुए कहा, प्रधानमंत्री के संदर्भ में सवाल यह नहीं है कि वह उपयोगी हैं या अनुपयोगी, यहां सवाल यह है कि वह किसके लिए उपयोगी हैं... मैं इस देश के किसानों, गरीबों, महिलाओं और युवाओं के लिए उपयोगी हूं। नरेंद्र मोदी सिर्फ दो लोगों के लिए उपयोगी हैं। उन्होंने कहा, वह बहुत उपयोगी हैं क्योंकि ए दो लोग अपने धन को अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री का उपयोग कर रहे हैं। जब समय आएगा तो वे उन्हें बस दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल कर फेंक देंगे... वह गरीबों के लिए अनुपयोगी हैं। वह सिर्फ हम दो हमारे दो के लिए उपयोगी हैं। मध्य प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश, साथ ही पुडुचेरी में कांग्रेस नीत सरकारों के गिरने के संबंध में गांधी ने कहा कि मजबूत बने रहने के लिए कांग्रेस को अब दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज करनी होगी। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस 10-15 सीटों के अंतर से जीत दर्ज करती है तो वह जीत नहीं है, यह हार है क्योंकि भाजपा उन लोगों को खरीद लेगी। हम यही झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हम मध्य प्रदेश, राजस्थान और गोवा में इसके प्रयास, झारखंड, पुडुचेरी और अरुणाचल में देखें तो, हर जगह कांग्रेस की सरकार थी। लोगों ने हमें जनादेश दिया। पूंजी ने हमसे जनादेश छीन लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें पता है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधायकों को बहुत धन दिया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में ईमानदार बने रहने के लिए उनके पास सूझबूझ है और इस मामले में वह सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा, वह मुझे छू भी नहीं सकते, ईडी, सीबीआई कोई नहीं, मुझे किसी से कोई असर नहीं पड़ने वाला। इसलिए भाजपा चौबीसों घंटे मुझपर निशाना साधती है और उन्हें पता है कि यह व्यक्ति भ्रष्ट नहीं है, और उनके पास मेरे खिलाफ कुछ नहीं है।

छात्रा के सामने आपत्तिजनक व्यवहार करने पर आरोपी को साल भर की कैद

मुंबई। मुंबई की एक विशेष पोक्सो अदालत ने कॉलेज जा रही 17 साल की किशोरी के सामने आपत्तिजनक व्यवहार करने पर एक व्यक्ति को साल भर की कैद की सजा सुनाई और 4,000 रुपए का जुर्माना लगाया। विशेष न्यायाधीश एचसी शिंदे ने यह आदेश 23 फरवरी को दिया। इसकी विस्तृत प्रति शनिवार को उपलब्ध कराई गई।

आदेश में कहा गया है कि हालांकि वास्तविक यौन दुर्व्यवहार नहीं हुआ लेकिन यह आचरण यौन मंशा के साथ किया गया था। अभियुक्त पेशे से वाहन चालक है और वह पीड़ित तथा उसके परिवार को जानता था। उसे भादंस की धारा 354 ए (छेड़छाड़) के साथ ही बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पोक्सो) कानून के प्रावधानों के तहत दोषी पाया गया।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि इस घटना से लड़की भयभीत होने के साथ ही लज्जित हो गई। हालांकि बचाव पक्ष ने दावा किया कि आरोपी को निशाना बनाया गया क्योंकि लड़की के रिश्तेदारों को उससे चिढ़ थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कोई भी व्यक्ति महिला के सामने इस प्रकार का अश्लील हरकत नहीं कर सकता जिससे महिला को शर्मिंदा होना पड़े या जिससे उसे परेशान होती हो। इसके साथ ही ऐसी घटना जीवन भर के लिए उसके मन पर एक धब्बा छोड़ जाती है।

तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटेगी: प्रशांत किशोर

भाषा। कोलकाता

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में लौटने का शनिवार को भरोसा जताते हुए कहा कि राज्य के लोग अपनी असली नेता की सत्ता में वापसी कराने का मन बना चुके हैं। राज्य में 27 मार्च से 29 अप्रैल तक आठ चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं। मतगणना दो मई को होगी। किशोर की टीम आई-पैक तृणमूल कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान की योजना बनाने की जिम्मेदारी संभाल रही है। किशोर ने अपने एक ट्वीट में कहा कि देश में लोकतंत्र के लिए मुख्य मुकाबला पश्चिम बंगाल में होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के लोग चाहते हैं कि उनकी बेटी सत्ता में वापस आए और दो मई को चुनाव परिणामों की घोषणा होने के साथ उनके इस ट्वीट को निकाल कर लोग देख सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, भारत में लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण लड़ाई पश्चिम बंगाल में लड़ी जाएगी और बंगाल के लोग अपना संदेश देने के लिए तैयार हैं। दो मई के लिए मेरे इस ट्वीट को रख लीजिए। आई-पैक की योजना के अनुरूप तृणमूल कांग्रेस ने पिछले हफ्ते चुनावी नारा दिया था, बंगाल को सिर्फ अपनी बेटी चाहिए। साथ में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तस्वीर थी, जिसके साथ पार्टी ने मुख्य रूप से महिला मतदाताओं और बंगाली उप-राष्ट्रवाद को लक्षित किया है हालांकि, भाजपा ने किशोर की खिल्ली उड़ाई और कहा कि उन्हें बंगाल में जमीनी हकीकत के बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में एक ट्वीट में किशोर ने यह संकल्प लिया था कि यदि 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा दहाई के (दो अंकों के) आंकड़े को पार कर गई तो वह ट्विटर छोड़ देंगे।

कोलकाता में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल राय तृणमूल कांग्रेस के नेता को पार्टी ज्वाइन करने के अवसर पर झंडा देते हुए

दुर्लभ सिक्का होगा नीलाम, शुरुआती कीमत 45 लाख

बेंगलुरु। मुगल शासक औरंगजेब के पांचवें बेटे काम बख्श के नाम का 10.9 ग्राम का दुर्लभ स्वर्ण सिक्का यहां नीलाम किया जा रहा है। मशहूर मुद्रा संग्रहण नीलाम घर मारूधर आर्ट्स 45 -50 लाख रुपए के बीच इसे बेचने के लिए नीलामी का आयोजन कर रहा है। मारूधर आर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र मारू के अनुसार बीजापुर दार-उज-जफर टकसाल के इस स्वर्ण मोहर पर फारसी मुद्रालेख है। उन्होंने कहा, 10.90 ग्राम का यह सिक्का करीब करीब प्रचलन में नहीं था। इसलिए यह अनोखा है। मारूधर आर्ट्स के बयान के अनुसार काम बख्श ने कई लड़ाइयों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उसने 1707 में बीजापुर किला पर कब्जा कर लिया और अपने आप को राजा घोषित कर दिया। हैदराबाद, गुलबर्गा, शाहपुर एवं विकीनखेड़ा को जीतने के साथ धीरे धीरे उसका दक्कन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा हो गया। नीलामघर ने कहा कि प्रशासन चलाने में काम बख्श की अकुशलता के चलते उसके साम्राज्य का पतन हो गया। औरंगजेब के बड़े बेटे शाह आलम बहादुर ने जब मुगल साम्राज्य की बागडोर संभाली तब उसने काम बख्श द्वारा अपने नाम के सिक्के छपवाने का गंभीर संज्ञान लिया।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mrs. Saroj Kumari & Mrs. Chander Kanta, are joint owners of Third Floor, right hand side, with roof rights, "said floor" Part of Property No. A-58, area measuring 50 Sq. Yds., build on Ahata No. 27, Khasra Nos. 4008/2704/597, Situated at Sudershan Park Extn., New Delhi. "Said Property" by virtue of sale deed dated 23.01.2019, registration No. 851, All persons are hereby informed that above mentioned owners want sell the said floor, to someone who is taking home loan from Fullerton India Home Finance Company Ltd. for purchase of the said floor, if any-body has any objection/s upon said property / its ownership & Title/ its Sale and Mortgage, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Know all the concerned that our client Mohd. Aarif S/o Noor Elahi and Chand Bee W/o Mohd. Aarif both R/o 11/3-B, Kabir Nagar, Near Madina Masjid, Delhi-110093 debarred/disowned their son Bilal from his moveable and immovable properties due to his unsocial acts, misconduct and unfamiliar activities. In future and in past any one had made any relation with Bilal he/she shall be liable for any loss himself/ herself.

D & K ASSOCIATES
Advocates & Legal Consultants
Shashi Prakash Dhasmana & Renu Gupta (Advocates)
Ch.No.338 & 390A, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-110054

यदि भाजपा सत्ता में आई तो बंगाल में होंगे एक चरण में विस चुनाव: घोष

भाषा। कोलकाता

● ममता बनर्जी के सवाल खड़ा करने पर भाजपा ने साधा निशाना

पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव कराने को लेकर प्रश्न खड़ा करने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा छेड़ी गई राजनीतिक हिंसा के चलते इसकी जरूरत पड़ी लेकिन यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो एक चरण में चुनाव सुनिश्चित करेगी। घोष ने यह वादा भी किया यदि भाजपा सत्ता में आई तब वह राज्य को हिंसा एवं आतंक से मुक्त करेगी।

उन्होंने चाय पर चर्चा के दौरान कहा, राज्य में आठ चरणों में चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए है। राज्य में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक हिंसा बड़े पैमाने पर है। भाजपा सांसद ने कहा कि यदि चुनाव एक चरण में कराए जाएंगे तो यह गर्व की बात होगी। बनर्जी ने बंगाल में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव कराने के चुनाव आयाग के निर्णय पर सवाल उठाया था और संदेह व्यक्त किया था कि भाजपा के चुनाव अभियान को फायदा पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के सुझाव पर तारीखें घोषित की गई हैं। राज्य में इस बार आठ चरण में चुनाव हो रहे हैं जबकि पिछली बार सात चरणों में चुनाव कराए गए थे। घोष के बयान पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने आश्चर्य प्रकट किया कि क्या कोई राजनीतिक दल चुनाव कराने के बारे में निर्णय ले सकता है। चुनाव आयोग जैसे स्वतंत्र निकायों के निर्णय पर भाजपा का प्रभाव होने का आरोप लगाते हुए माकपा नेता सुजान चक्रवर्ती ने सवाल किया, पता नहीं कि उन्होंने यह बयान कैसे दिया। क्या कोई राजनीतिक दल चुनाव के चरणों का फैसला कर सकता है?

इस बीच , भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया कि शनिवार सुबह को कोलकाता के बागुईहाटी इलाके में पुलिस ने पार्टी की परिवर्तन यात्रा रोक दी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस की इस कथित कार्वाई के खिलाफ कुछ घंटे वीआईपी रोड जाम कर दिया जो शहर के उत्तर-पूर्व हिस्से में अहम मार्ग है। बागुईहाटी थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया इस कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी गई थी।

सहकर्मी की हत्या के आरोप में सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

ठाणे (महाराष्ट्र)। नवी मुंबई के तुरभे एमआईडीसी इलाके में स्थित एक कंपनी के 37 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को अपने सहकर्मी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वशी के पुलिस उपायुक्त सुरेश मेंगडे ने शनिवार को बताया कि विनोद पाटिल (48) का शव 12 फरवरी को कंपनी परिसर के भीतर से मिला था। इस संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। उन्होंने बताया, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि पाटिल की हत्या ठोस और बिना धार वाले वस्तु से हमला करके की गई है और उसके कपाल पर जख्म हैं। जांच में पता चला कि पाटिल को शराब पीने की आदत थी और वह अकसर कमरे को गंदा कर देता था जिससे कमरे में साथ रहने वाला भानुसिंह तोमर (आरोपी) नाराज रहता था। अधिकारी ने बताया कि इसी कारण तोमर ने पाटिल की हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया।

केरल में सत्ता में आए तो लव जिहाद कानून लाएंगे: भाजपा

भाषा। पलक्कड

केरल भाजपा प्रमुख के सुरेंद्रन ने शनिवार को यहां कहा कि केरल में राजग अगर सत्ता में आता है, तो राज्य में लव जिहाद को रोकने के लिए एक कानून लाया जाएगा, क्योंकि उत्तर प्रदेश की तुलना में यहां इस तरह के मामले अधिक आ रहे हैं। राज्य में छह अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लव जिहाद एक शब्द है, जिसका इस्तेमाल दक्षिणपंथी लोग मुस्लिमों के एक कथित अभियान का उल्लेख करने के लिए करते है, जिसमें हिंदू लड़कियों को प्यार में फंसाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। सुरेंद्रन ने कहा कि ईसाई समुदाय अब इस अभियान को लेकर अधिक चिंतित है क्योंकि उन्हें कथित तौर पर निशाना बनाया जा रहा है और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, लव जिहाद केरल में उत्तर प्रदेश की तुलना में अधिक प्रचलित है और इसे रोकने के लिए एक कानून की आवश्यकता है। सुरेंद्रन ने यहां संवाददाताओं से कहा, राज्य में ईसाई समुदाय चिंतित है और उन्होंने लव जिहाद के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग की है। यह उनके लिए गंभीर चिंता का विषय है। गौरतलब है कि भाजपा नीत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सरकार पहले ही शादी या किसी अन्य धोखाधड़ी के माध्यम से किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए धार्मिक स्वतंत्रता कानून बना चुकी है। भाजपा की वरिष्ठ नेता शोभा सुरेंद्रन ने हाल ही में बयान दिया था कि आईयूएमएल अगर अपने सांप्रदायिक एजेंडे को छोड़ देती है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों और नेतृत्व को स्वीकार करती है।

गुमशुदा व्यक्ति की तलाश

निलोय कुमार नायक

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति जिसका नाम निलोय कुमार नायक पुत्र जी.सी. नायक निवासी डी-201, यूनेस्को अपार्टमेंट, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली **उम्र** : 45 साल, **कद** : 5'10", **रंग** : गेहुंआ, **चेहरा** : अण्डाकार, **शरीर** : दरमियाना, **पहचान** : मानसिक स्थिति ठीक नहीं, थाना मधु विहार, दिल्ली के क्षेत्र से लापता है। इस संदर्भ में डीडी सं 44-ए दिनांक 10.06.2020 थाना मधु विहार, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस गुमशुदा व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें:-

ई-मेल: cic@cbi.gov.in
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
फैक्स: 24368639,
दूरभाष: 24368638/24368641

थानाध्यक्षः थाना मधु विहार, दिल्ली
दूरभाष सं: 011-22732426, 22732429

DP/373/ED/21

हैदराबाद के गुरुनानक इंस्टीट्यूट में प्लेसमेंट डे के दौरान प्रसन्न मुद्रा में छात्राएं

भाजपा बंगाल में मिशन ईस्ट और दक्षिण में अपनी पहुंच के विस्तार को लेकर आशान्वित

भाषा। नई दिल्ली

मिशन ईस्ट हासिल कर पश्चिम बंगाल में अपनी वैचारिक जीत तथा दक्षिण में कर्नाटक के पार अपनी पहुंच बढ़ाने को लेकर आशान्वित भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनावों की काफी अहमियत है। भाजपा नेता महसूस करते हैं कि इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन हाल ही में पेश किए बजट के सुधारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिहाज से पार्टी के लिए उत्साहवर्धक होगा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की लड़ाई भाजपा के लिए एक बड़ा दांव है और उसके मुख्य रणनीतिकार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह स्वयं ही चीजों को देख रहे हैं तथा उन्होंने 294 सदस्ईय विधानसभा में पार्टी के लिए 200 से अधिक सीटों का लक्ष्य निर्धारित किया है। बंगाल में भाजपा की संभावना का जिक्र करते हुए सह प्रभारी सुनील मेनन ने कहा कि पार्टी ने जब 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 42 में से 18 सीटें जीती थीं और दो सीटें महज मामूली अंतर से हार गई थी तब उसने करीब 125 विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज दर्ज की थी। उन्होंने कहा, भाजपा ने 2019 के आम चुनाव में 41 फीसद वोट हासिल किया था और हर रोज राज्य में वह अपनी स्थिति सुधारती जा रही है एवं वह विधानसभा चुनाव में विजेता बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की केवल चुनावी नहीं बल्कि वैचारिक जीत होगी। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में भाजपा की या तो अपनी सरकार है या वह अन्य दलों के साथ सत्तासीन है। उसे असम में फिर सत्ता में लौटने का विश्वास है क्योंकि कांग्रेस को 15 साल तक राज्य पर शासन करने वाले तरूण गोगोई की कमी खलेगी। वर्ष 2019 के आम चुनाव में पश्चिमोत्तर हिस्से में अपनी धाक जमा चुकी भाजपा की नजर पूर्व और दक्षिण की राज्यों पर टिकी है।

राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण
नई दिल्ली पीठ, न्यायालय-3 के समक्ष
कम्पनी याचिका सं. सीएए -8/एनडी/2021
में
कम्पनी आवेदन सीए (सीएए) -4/एनडी/2020

कम्पनी अधिनियम, 2013
तथा
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 और अन्य लागू प्रावधानों के साथ पठित कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियमावली, 2016 के तहत याचिका के विषय में
तथा
के विषय में :

मैसर्स फर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
पंजी. कार्या. : सी-8/8289, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
.......अंतरणकर्ता/याचिकादाता कम्पनी 1
तथा
मैसर्स लेमकॉम मर्चेण्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
पंजी. कार्या. : सी-8/8289, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
.......अंतरणकर्ता/याचिकादाता कम्पनी 2
तथा
मैसर्स टेक्नो बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
पंजी. कार्या. : सी-8/8289, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
.......अंतरणकर्ता/याचिकादाता कम्पनी 3
तथा
मैसर्स यूनिपैक मल्टीप्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड
पंजी. कार्या. : सी-8/8289, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
.............अंतरिती कम्पनी

याचिका की सुनवाई की सूचना

मैसर्स फर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (अंतरणकर्ता कम्पनी 1), मैसर्स लेमकॉम मर्चेण्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (अंतरणकर्ता कम्पनी 2), मैसर्स टेक्नो बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (अंतरणकर्ता कम्पनी 3) का मैसर्स यूनिपैक मल्टीप्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड (अंतरिती कम्पनी) के साथ समामेलन की स्कीम के अनुमोदन हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 के तहत एक याचिका उक्त कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से 20 दिसम्बर, 2020 को प्रस्तुत की गई थी और माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण की प्रधान पीठ के समक्ष उक्त याचिका की अंतिम सुनवाई 24 मार्च, 2021 को की जानी नियत है।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त याचिका/आवेदन/विचारार्थ विषय के समर्थन अथवा विरोध का इच्छुक है, वह उसकी सूचना, याचिकादाता के अधिवक्ता इस प्रकार भेज सकता है, कि याचिकादाता के अधिवक्ता को याचिका/आवेदन/विचारार्थ विषय की सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि से कम से कम दो दिन पूर्व प्राप्त हो जाए। यदि वह याचिका/आवेदन/विचारार्थ विषय का विरोध करने का इच्छुक है तो विरोध के आधार अथवा एक शपथपत्र ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत करना होगा। याचिका/आवेदन/विचारार्थ विषय की प्रति प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति को याचिका की प्रति उसके लिए निर्धारित शुल्क के भुगतान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

हस्ता./-
ईश्वर सीएच महापात्र
याचिकादाता हेतु अधिवक्ता
8/43, एलजीएफ, साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली-110008

दिनांकित : 25/02/2021
स्थान : नई दिल्ली

इंग्लैंड की रोटेशन नीति के तहत वोक्स स्वदेश लौटेंगे

अहमदाबाद। इंग्लैंड के हरफनमौला क्रिस वोक्स ईसीबी की रोटेशन नीति के तहत एक भी मैच खेले बिना भारत के टेस्ट दौरे से रवाना हो गए है। वोक्स दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और भारत दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे लेकिन किसी मैच मे उन्हे उतारा नही किया। उन्होंने आखिरी वनडे आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल सितंबर मे खेला था।

जिम्नास्टिक महासंघ को खेल मंत्रालय से मान्यता

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने गुटबाजी के शिकार भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ को दस साल बाद मान्यता दे दी है और नवंबर 2019 मे अध्यक्ष पद पर सुधीर मित्तल के चुनाव को रिकॉर्ड मे रखा गया है। यह मान्यता 31 दिसंबर तक के लिए दी गई है। खेल मंत्रालय ने 2011 मे महासंघ मे अंतर्कलह के कारण इसकी मान्यता रद्द कर दी थी।

स्वियाटेक ने फ्रेंच ओपन खिताब जीता

एडीलेड। फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने शनिवार को यहां मेमोरियल ड्राइव पर बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-2 से हराकर एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीत लिया। पोलैंड की 19 साल की खिलाड़ी ने पूरे टूर्नामेंट मे एक भी सेट नही गंवाया और सिर्फ 22 गेम हारी। स्वियाटेक पहले सेट मे जब 3-2 से आगे थी तब उन्होंने बेनसिच की सर्विस तोड़ी जब स्विट्जरलैंड की खिलाड़ी ने तीन डबल फॉल्ट किए।

सौराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 62 रन से हराया

कोलकाता। मध्यक्रम के बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ ने विजय हजारे ट्राफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ई मुकाबले मे रविवार को यहां चंडीगढ़ के खिलाफ 174 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर अपनी टीम को 62 रन से जीत दिलाने मे अहम भूमिका निभाई।

उत्तराखंड, असम की लगातार चौथी जीत

चेन्नई। उत्तराखंड ने शनिवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी वनडे के प्लेट ग्रुप मे मिजोरम को आठ विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। उत्तराखंड की टीम चार मैचों मे 16 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। असम के भी 16 अंक है जिसने सिक्किम को चार विकेट से हराया।

अय्यर के शतक से मुंबई ने राजस्थान को हराया

जयपुर। कप्तान श्रेयस अय्यर के 116 रन और शारदुल ठाकुर (50 रन पर चार विकेट) की उम्दा गेदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच मे शनिवार को यहां राजस्थान को 67 रन से हराया।

आईसीसी मोटेरा को गंभीर सजा नहीं देगा

● अंतिम टेस्ट की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल होने की संभावना

भाषा। नई दिल्ली

दिन-रात्रि टेस्ट के दो दिन के अंदर खत्म होने के बाद मोटेरा की पिच को भले ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा हो लेकिन इसे खेल की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से गंभीर सजा मिलने की संभावना नहीं है क्योंकि अंतिम टेस्ट की पिच के बल्लेबाजी के अनुकूल होने की संभावना है। भारत चार टेस्ट की श्रृंखला में 2-। से आगे चल रहा है और आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए उसे लार्ड्स में 18-22 जून तक होने वाले अंतिम टेस्ट को सिर्फ ड्रॉ कराना होगा। एक और स्पिन की अनुकूल पिच की संभावना कम है क्योंकि घरेलू टीम पिच को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, अच्छी पिच की उम्मीद है जो ठोस रहेगी और समान उछाल मिलेगा। यह बल्लेबाजी के अनुकूल होगी और यह पारंपरिक लाल गेंद का टेस्ट मैच होगा इसलिए यहां चार से आठ मार्च तक होने वाले मुकाबले में काफी बड़े स्कोर की उम्मीद की जा सकती है। बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों के साथ टीम प्रबंधन भी समझता है कि धूल से भरी एक और पिच नए स्थल के लिए अच्छी नहीं होगी जिसके इंडियन प्रीमियर लीग और आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान कई महत्वपूर्ण मैचों की मेजबानी करने की संभावना है। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, अगर एक ही स्थल पर दो मैच होते हैं तो आप एक नतीजे को अलग नहीं कर सकते। अंतिम टेस्ट होने दीजिए और इसके बाद ही मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ की रिपोर्ट के आधार पर आईसीसी अपनी कार्वाई को लेकर फैसला करेगा। साथ ही अब तक इंग्लैंड की टीम ने भी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। अगर एक ही स्थल पर एक अच्छी और एक खराब पिच होती है तो आईसीसी के कार्वाई करने की संभावना नहीं है। भारत श्रृंखला को 3-। से अपने नाम करके खुश होगा लेकिन टीम को नतीजा देने वाली स्पिन की अनुकूल पिच की जरूरत नहीं है क्योंकि उसके लिए ड्रॉ ही काफी है। साथ ही भारतीय टीम प्रबंधन ऐसी पिच नहीं चाहता जिस पर बेहद महत्वपूर्ण मैच में खेलते हुए उसे नुकसान उठाना पड़े। गुलाबी गेंद का टेस्ट अच्छा रहा क्योंकि यह गेंद से अधिक जुड़ा हुआ मामला था। गेंद पिच पर गिरकर तेजी से आ रही थी जबकि पिच में कोई समस्या नहीं थी जैसा इंग्लैंड के कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कह रहे हैं। वे सीधी गेंदों का सामना करने में नाकाम रहे। लेकिन इस तरह की पिचें अपने ऊपर भी भारी पड़ सकती हैं और बीसीसीआई को इसकी अच्छी तरह जानकारी है। अगले टेस्ट के टीम संयोजन में बदलाव होगा क्योंकि बुमराह को निजी कारणों से अगले टेस्ट में नहीं खेलने की स्वीकृति दी गई है।

पिच बनाम कौशल बहस पर अश्विन ने कहा, किसी धारणा से परेशान नहीं, ऐसा एक दशक से हो रहा है

अहमदाबाद। दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हाल के दिनो मे भारत की बड़ी जीत को कम कर के आंकने की कोशिश करने वाले आलोचको पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को कहा कि कौशल की जगह पिच को अहमियत देने से उन्हे कोई परेशानी नही है। अश्विन ने शुक्रवार को कई ट्वीट करके कहा था एक विशेष विचार को बढ़ावा (विपणन) देने के साथ मुद्दा बनाया जा रहा है। यही कारण है कि मैने कल कुछ ट्वीट किए थे। मुझे लगता है कि लोगो को यह जानना चाहिए कि किस संदर्भ मे चीजे हो रही है। कुछ लोग ऐसे है जिन्होंने मुझे संदेश भेजा और कहा कि मैच दो दिन मे खत्म हो गया है। जब एक ब्रिटिश पत्रकार ने पूछा कि क्या उन्हे लगता है कि मोटेरा मे इंग्लैड के खिलाफ तीसरे मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छी थी, तो अश्विन अपने त्वरित जवाब मे सवाल दागते हुए कहा, मेरे पास एक सवाल है।

पिच पर दोष मढ़कर हम अपना ही नुकसान करेंगे: ट्रॉट

अहमदाबाद। मोटेरा की पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नही थी लेकिन इंग्लैड के बल्लेबाजी कोच जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि अपने कौशल पर ध्यान देने की जगह सिर्फ 22 गज की पिच पर दोष मढ़ना सही नही होगा। इंग्लैड को गुलाबी गेद से खेले गए तीसरे टेस्ट मे 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इस दौरान टीम दोनो पारियो मे 112 और 81 रन ही बना सकी और दो दिन मे ही मैच खत्म हो गया जिसके कारण पिच को आलोचना का सामना करना पड़ा। ट्रॉट ने कहा, मुझे लगता है कि सभी के लिए यह कभी ना कभी खेलने के लिए आसान नही थी, बेशक काफी सूखी पिच थी और हमने भारत मे ऐसा ही देखा है। हमने पहले इसका इस्तेमाल किया इसलिए हम अधिक रन बनाना पसंद करते और भारत को थोड़ा दबाव मे डालते।

कुंबले के 619 विकेट पर अश्विन ने कहा, काफी समय पहले उपलब्धियों के बारे में सोचना छोड़ दिया

अहमदाबाद। भारत के शीर्ष स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लंबे समय पहले उपलब्धियो के बारे मे सोचना छोड़ दिया था और इस समय वह सिर्फ अपने कौशल पर काम कर रहे है जिससे कि भारत के लिए खेलते हुए हमेशा उपयोगी भूमिका निभा सके। अश्विन इंग्लैड के खिलाफ यहां तीसरे टेस्ट के दौरान 400 टेस्ट विकेट के आंकड़े को छूने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने और उनसे पूछा गया कि क्या आगामी वर्षो मे वह अनिल कुंबले के 619 विकेटो के आंकड़े को पार कर सकते है। अगर आप से व्यावहारिक रूप से देखे तो यह सिर्फ 218 विकेट दूर है। मैने हालांकि लंबे समय पहले इन उपलब्धियो के बारे मे सोचना छोड़ दिया है। इस भारतीय आफ स्पिनर ने कहा कि वह जब भी मैदान पर उतरते है तो बेहतर क्रिकेटर बनने का प्रयास करते है।

अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे भारतीय टीम से बाहर

वनडे में शेफाली को नहीं मिली जगह

भाषा। नई दिल्ली

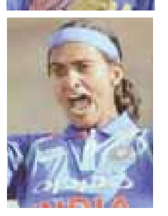

अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात मार्च से शुरू होने वाली आगामी एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के लिए शनिवार को चुनी गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल नहीं किया गया है।मिताली राज एकदिवसीय जबकि हरमनप्रीत कौर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करेंगी। युवा विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को टीम में जगह नहीं दी गई है जिसके बाद नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति के फैसले पर सवाल उठने लगा है। एकदिवसीय टीम में मिताली और पुनम राउत जैसे बल्लेबाज है जिन्हें धीमी बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है।पिछले साल महिला टी20 विश्व कप में शानदार बल्लेबाजी करने वाली शेफाली को 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय का अनुभव है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा, यह जानना दिलचस्प होगा कि शीर्ष क्रम पर धीमी बल्लेबाजी करने के लिए जानी जाने वाली कप्तान मिताली राज खुद शेफाली को टीम में चाहती थी या नहीं। उन्होंने कहा, शेफाली की गैरमौजूदगी में भारत को बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ियों की कमी खलेगी। चयनकर्ताओं ने पिछले सत्र के अलावा बांग्लादेश के खिलाफ भारत ए और भारत बी की श्रृंखला के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन किया है जिसमें कई नए चेहरों को मौका मिला है। नियमित विकेटकीपर सुषमा वर्मा दोनों टीमों का हिस्सा है जबकि एकदिवसीय टीम में श्वेता वर्मा और टी20 अंतरराष्ट्रीय में नुजहत परवीन दूसरे विकेटकीपर की भूमिका में है। श्वेता को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। चयनकर्ता शिखा की जगह तेज गेंदबाजी में बेंच स्ट्रेंथ को परखना करना चाहते थे जिसमें दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज सी प्रत्युषा और मोनिका पटेल को दोनों टीम में शामिल किया गया था। युवा तेज गेंदबाज सिमरन दिल बहादुर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं।

बुमराह निजी कारणों से टेस्ट टीम से बाहर

अहमदाबाद। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को निजी कारणों से गुरूवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट के लिए भारतीय टीम से रिलीज किया गया है। बीसीसीआई ने यह जानकारी देते हुए कहा कि चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की जगह किसी को टीम में शामिल नहीं किया गया है। बोर्ड के सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा , जसप्रीत बुमराह ने अनुरोध किया था कि निजी कारणों से वह चौथा टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।उन्हें टीम से रिलीज कर दिया गया है और वह चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। भारतीय टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत पांच टी20 और तीन वनडे की सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए पहले ही आराम दिया गया है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने कोई विकेट नहीं लिया जो भारत ने दस विकेट से जीता था। स्पिनरों की मददगार पिच पर उन्होंने छह ओवर ही डाले।

द्वितीय खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स लखनऊ में

लखनऊ। द्वितीय खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स का आयोजन लखनऊ में होगा। इन खेलों में विभिन्न आयु वर्ग में मास्टर्स एथलीट हिस्सा लेंगे। इसमें 35 साल से लेकर 90 साल तक के एथलीट खेलते दिखाई देंगे। खेलो मास्टर्स गेम्स फाउंडेशन की लखनऊ में हुई एजीएम के बाद फाउंडेशन के महासचिव शैलेंद्र सिंह ने बताया कि लगभग सवा साल बाद मास्टर्स खिलाड़ी 15 खेलों की स्पर्धाओं में उतरेंगे। पिफ्लहाल इन गेम्स के आयोजन की संभावित तारीख 20 से 23 मई है लेकिन अभी इस पर अंतिम पफैसला नहीं हुआ हैं। उन्होंने बताया कि 15 गेम्स की स्पर्धा में लगभग 5000 खिलाड़ियों के हिस्सा लेने का अनुमान है। हम आयोजन स्थल के बारे में बाद में पफैसला लेंगे। इस बारे में स्पोर्ट्स कॉलेजए केडी सिंह बाबू स्टेडियमए बीबीडी स्टेडियम पर चर्चा चल रही है। व्यक्तिगत खेलों में 35 साल से ऊपर और टीम गेम्स में 45 साल से ऊपर के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर द्वितीय खेलों मास्टर्स गेम्स के आयोजन समिति के अध्यक्ष डा आशुतोष मिश्रा, संयुक्त सचिव बिपुल सैंकिया,कार्यकारिणी सदस्य बलबिंदर सिंह मौजूद थे।

दीपक कुमार को स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में रजत

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज दीपक कुमार (52 किग्रा) को शनिवार को बुल्गारिया के सोफिया में चल रहे 72वें स्ट्रांजा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई रजत पदक विजेता दीपक स्थानीय मुक्केबाज और यूरोपीय चैम्पियनशिप के दो बार के स्वर्ण पदक विजेता डेनियल असेनोव से करीबी मुकाबले में खंडित फैसले से हार गए। इस भारतीय मुक्केबाज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन शखोबिदिन जोइरोव को हराकर उलटफेर किया था। फाइनल के पहले दौर में बुल्गारिया का मुक्केबाज दीपक पर भारी दिखा जिसने अपना बचाव करने के साथ जवाबी हमले भी किए।

जर्मनी ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 5-0 से रौंदा

भाषा। डसेलडोर्फ

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज जर्मनी ने चार मैचों के दौरे पर यहां आई भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को पहले मैच में 5-0 की करारी शिकस्त दी। जर्मनी के लिए माएर्टेंस (10वें और 14वें मिनट), माइकेल (20वें मिनट), पॉलीन हेंज (28वें मिनट) और लिसा (41वें मिनट) ने गोल किए। माएर्टेंस ने पहले क्वार्टर में चार मिनट के अंदर दो गोल कर जर्मनी को 2-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भी मेजबान टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और भारतीय रक्षापंक्ति को भेद कर 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय टीम इस पेनल्टी कॉर्नर का बचाव करने में सफल रही। टीम ने जवाबी हमला कर खुद पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जर्मनी की रक्षा पंक्ति ने भारतीय कोशिश को नाकाम कर दिया। जर्मनी ने 20वें और 28वें मिनट में गोल कर अपनी बढ़त को मध्यांतर से पहले 4-0 कर लिया।

ओलंपिक से पहले खुद को परखने का मौका : श्रीजेश

क्रेफेल्ड (जर्मनी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के गोलकीपर पी आर श्रीजेश का मानना है कि जर्मनी और ब्रिटेन जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलकर टीम को तोक्यो ओलंपिक से पहले शारीरिक, मानसिक और तकनीकी तौर पर खुद को आंकने का मौका मिलेगा। कोरोना महामारी के कारण एक साल बाद भारतीय पुरूष टीम रविवार से शुरू हो रहे चार मैचो के यूरोप दौरे पर दुनिया की छठे नंबर की टीम जर्मनी से खेलेगी।

भारतीय पुरूष स्कीट टीम को आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य

काहिरा। भारत के मैराज अहमद खान, अंगद वीर सिंह बाजवा और गुरजोत खांगुरा ने यहां आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में पुरूषों की स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम ने कजाखस्तान के डेविड पोचिवालोव, एडुअर्ड एचशेंको और अलेक्जेंडर एम की टीम को 6-2 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन दौर में 491 का स्कोर किया। इसमें सात दौर में प्रत्एक दौर में 25 निशाने लगाने थे। भारतीय टीम फाइनल में भी पहुंच जाती लेकिन शूटआफ में रूस से 6-5 से हार गई। रूस ने चेक गणराज्य को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय महिला टीम भी कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंची लेकिन कजाखस्तान से 4-6 से हार गई।

कोविड-19 के मद्देनजर कुछ आईपी प्रावधानों में ढील नहीं देने से वैश्विक वृद्धि प्रभावित होगी : भारत

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को कहा कि यदि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए बौद्धिक संपदा (आईपी) के कुछ प्रावधानों में ढील देने में असफल होते हैं, तो यह वैश्विक वृद्धि और लोगों के जीवनयापन को प्रभावित करेगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अक्टूबर 2020 में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के चलते ट्रिप्स समझौते के चुनिंदा प्रावधानों के क्रियान्वयन से सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों को छूट देने का प्रस्ताव रखा था। बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर समझौता (ट्रिप्स समझौता) जनवरी 1995 में प्रभावी हुआ है। यह बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकारों जैसे कि कॉपीराइट, औद्योगिक डिजाइन, पेटेंट और अघोषित सूचना या व्यापार रहस्यों के संरक्षण पर एक बहुपक्षीय समझौता है। विश्व व्यापार संगठन में भारत के राजदूत एवं स्थाई प्रतिनिधि ब्रजेन्द्र नवनीत ने एशिया इकोनॉमिक डायलॉग में कहा, यदि हम अगली एक या दो तिमाहियों में आईपी के चुनिंदा प्रावधानों में ढील के प्रस्ताव को पारित करने में विफल होते हैं तो इसका वैश्विक वृद्धि और लोगों के जीवन-यापन पर प्रतिकूल प्रभाव होगा।

दिल्ली में बीएसईएस के ग्राहकों ने छतों पर पैदा की 100 मेगावट सौर बिजली

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बीएसईएस समूह की विद्युत वितरण कंपनियों के ग्राहकों ने छतों पर सौर-पैनल लगा कर 100 मेगावाट से अधिक सौर बिजली पैदा की है। कंपनी के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे ग्राहकों को साल में 68 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हो रही है। बीएसईएस के एक प्रवक्ता ने कहा कि बीएसईएस राजधानी पावर लि. (बीआरपीएल) और बीएसईएस यमुना पावर लि. (बीवाईपीएल) ने अपने-अपने क्षेत्र में 3,100 से अधिक रूफटॉप सौर मीटरिंग कनेक्शन चालू किए। इनमें ।,805 कनेक्शन घरेलू, 665 विद्यालयों और 554 कनेक्शन वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के हैं। बीएसईस की ए अनुषंगी कंपनियां दक्षिण दिल्ली, पश्चिम दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और मध्य दिल्ली के अपने इलाकों में लोगों को अपनी छतों पर सौर-बिजली पैनल लगाने को प्रोत्साहित कर रही हैं।

लुमिनस पॉवर की नई श्रृंखला आई

चेन्नई। पॉवर बैकअप, होम इलेक्ट्रिकल एवं आवासीय सोलर स्पेस में शक्तिशाली व भरोसेमंद ब्रांड, लुमिनस पॉवर टेक्नॉलॉजीज़ ने भारत में एनर्जी एफिशियंट स्टार रेटेड प्रीमियम डिज़ाईनर पंखों की अपनी सबसे बड़ी श्रृंखला प्रस्तुत की। यह उद्योग की पहली एनर्जी एफिशियंट डिज़ाईनर फैन श्रृंखला है,जो स्टैंडर्ड सीलिंग फैन के मुकाबले बिजली में 40 प्रतिशत की बचत करेगी। लुमिनस पॉवर टेक्नॉलॉजीज़ के मुताबिकए दुनिया में घरेलू बिजली का 25 प्रतिशत उपयोग पंखों में होता हैए इसलिए ये अन्य उपकरणोंए जैसे एसी और गीज़र आदि के मुकाबले बिजली की ज्यादा खपत करते हैं। जितेंद्र अग्रवाल सीनियर वीपीए लुमिनस पॉवर टेक्नॉलॉजीज़ ने कहा कि ऊर्जा के संरक्षण के लिए सरकार के प्रोत्साहन के अनुरूप हमें स्मार्ट, मॉडर्न, एनर्जी,एफिशियंट और वातावरण के लिए मित्रवत डिज़ाईनर एनर्जी एफिशियंट फैंस की अपनी श्रृंखला लॉन्च करने की खुशी है। यह नई श्रृंखला न केवल दिखने में आकर्षक हैए बल्कि किफायती भी है।

खिलौना बनाने में प्लास्टिक का उपयोग कम करें : मोदी

● विनिर्माताओं से पर्यावरण अनुकूल सामग्री लगाने की अपील

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक बाजार में घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए शनिवार को खिलौना विनिर्माताओं से प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने और पर्यावरण के अनुकूल व पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों का इस्तेमाल बढ़ाने का आह्वान किया। मोदी ने भारत के पहले खिलौना मेला 2021 का उद्घाटन करते हुए कहा, हमें खिलौना क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा और वैश्विक बाजार की जरूतों को भी पूरा करना होगौ। उन्होंने बाजार में भारत की वर्तमान स्थिति पर खेद जताते हुए कहा कि 100 अरब डॉलर के वैश्विक खिलौना बाजार में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है और देश में बिकने वाले लगभग 85 प्रतिशत खिलौने आयात किए जाते हैं। उन्होंने कहा, खिलौनों के मामले में भारत के पास परंपरा और प्रौद्योगिकी है, भारत के पास अवधारणा और क्षमता है। हम दुनिया को पुन: पर्यावरण के अनुकूल खिलौने प्रदान कर सकते हैं। हमारे सॉफ्टवेयर इंजीनियर कंप्यूटर गेम के माध्यम से दुनिया के सामने भारत की कहानी रख सकते हैं। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक खिलौना उद्योग का जिक्र करते हुए भारत में हाथ से बने उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। अगर आज मेड इन इंडिया की मांग है, तो भारत में हस्तनिर्मित की मांग भी समान रूप से बढ़ रही है। आज लोग न केवल खिलौने को एक उत्पाद के रूप में खरीदते हैं, बल्कि इसके साथ जुड़े अनुभव से भी जुड़ना चाहते हैं। अत: हमें भारत में भी हस्तनिर्मित खिलौनों को बढ़ावा देना होगा। प्रधानमंत्री ने विनिर्माताओं से ऐसे खिलौने बनाने की अपील की, जो पारिस्थितिकी और मनोविज्ञान दोनों के लिए बेहतर हों। उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा पर्यावरण के अनुकूल व पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों का उपयोग बढ़ाने की अपील की। मोदी ने सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने अब 24 प्रमुख क्षेत्रों में खिलौना उद्योग को वर्गीकृत किया है। राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना भी तैयार की गई है। उन्होंने कहा, इन उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 15 मंत्रालयों और विभागों को शामिल किया गया है, ताकि देश खिलौनों में आत्मनिर्भर बन सके और दुनिया भर में भारत के खिलौने पहुंच सकें। इस अभियान में खिलौना क्लस्टर विकसित करने के लिए राज्य सरकारों को बराबर का भागीदार बनाया गया है। इसके साथ ही खिलौना पर्यटन की संभावनाओं को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। भारतीय खेल आधारित खिलौनों को बढ़ावा देने के लिए टॉयाथन -2021 का भी आयोजन किया गया और सात हजार से अधिक विचारों का मंथन किया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर का उपयोग चेन्नापट्टनम, वाराणसी और जयपुर के पारंपरिक खिलौना निर्माताओं के साथ संवाद करने तथा बच्चों की बदलती रूचि को ध्यान में रखते हुए खिलौनों को नया बनाने व अधिक प्रासंगिक बनाने में करने की भी अपील की।

खिलौना मेला 2021 में एक हजार से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। यह मेला दो मार्च तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहला खिलौना मेला सिर्फ एक व्यावसायिक या आर्थिक आयोजन नहीं है। यह खेल की देश की पुरानी संस्कृति को मजबूत करना चाहता है। यह खिलौना मेला एक ऐसा मंच है, जहां कोई भी खिलौना डिजाइन, नवाचार, प्रौद्योगिकी, विपणन और पैकेजिंग पर चर्चा कर सकता है तथा अपने अनुभव भी साझा कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया ने सिंधु घाटी सभ्यता, मोहनजोदारो और हड़प्पा के युग के खिलौनों पर शोध किया है।

खादी ग्रामोद्योग ई-विपणन मंच पर आठ माह में 1.12 करोड़ रुपए का कारोबार

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के ऑनलाइन विपणन मंच ने अपनी शुरुआत के 8 महीनों में ही 1.12 करोड़ रुपए से अधिक का सकल कारोबार किया है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की शनिवार को जारी एक रपट के अनुसार, गत वर्ष 7 जुलाई को शुरू किए गए खादी ई-पोर्टल ने अब तक इस पर आने वाले 65,000 लोगों में से 10,000 से अधिक ग्राहकों के ऑर्डर पर सामान पहुंचाया है। केवीआईसी ने इन ग्राहकों को एक लाख से अधिक वस्तुएं । चीज़ें वितरित की हैं। इस अवधि के दौरान, औसत ऑनलाइन खरीद 11,000 रुपए प्रति ग्राहक दर्ज की गई है, जो खादी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता और खरीदारों के सभी वर्गों के लिए इसकी उत्पाद श्रृंखला की विविधता का संकेत है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने खादी के सफल ई-कॉमर्स उद्यम की सराहना करते हुए कहा कि इससे खादी व ग्रामीण उद्योग के उत्पादों की पहुंच एक बड़ी आबादी तक सुलभ कराने के लिए इसे एक व्यापक विपणन मंच प्राप्त हुआ है।

न्यूनतम 50 लाख उपयोगकर्ताओं के बाद ही सोशल मीडिया मंच का दर्जा:नए नियम

नई दिल्ली। सरकार ने महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंच की परिभाषा तय करते हुए इसके लिए न्यूनतम 50 लाख यूजर (उपयोगकर्ता) संख्या की शर्त रखी है।इस परिभाषा में आने वाली कंपनियों को नए आईटी नियमों के तहत अपने सोशल मीडिया मंच का दुरुपयोग रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानियों का अनुपालन करना होगा। इस सप्ताह की शुरुआत में घोषित नए नियमों के तहत महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंचों को मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल संपर्क व्यक्ति और निवासी शिकायत अधिकारी की नियुक्ति सहित अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। इसमें यह भी शर्त है कि तीनों अधिकारियों को भारत में रहना होगा। उन्हें मासिक अनुपालन रिपोर्ट और लगातार हटाई गई सामग्रियों का विवरण प्रकाशित करनी होगी।अभी देश में व्हाट्सएप के 53 करोड़, यूट्यूब के 44.8 करोड़, फेसबुक के 41 करोड़, इंस्टाग्राम के 21 करोड़ और ट्विटर के 1.75 करोड़ खाताधारक हैं। केंद्र सरकार ने भारत में एक महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मंच के लिए 50 लाख उपयोगकर्ता की सीमा निर्धारित की है।

उप्र में 13 लाख एमएसएमई इकाइयों को 42 हजार सात सौ करोड़ के कर्ज मिले

लखनऊ । सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उदयम (एमएसएमई) विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में देश के अधिकतम करीब 14 फीसदी एमएसएमई कार्यरत हैं और इस साल 13 लाख एमएसएमई इकाइयों को 42 हजार सात सौ करोड़ रुपए के कर्ज दिए गए हैं। प्रदेश में यह पहली बार हुआ है कि एक साल में एमएसएमई सेक्टर को इतनी बड़ी मात्रा में कर्ज उपलब्ध कराया गया है। इससे निजी क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 65 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं।

अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि हाल ही में एसएलबीसी की उप समिति की समीक्षा की गई। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत बैंकों के स्तर पर स्वीकृति और वितरण के लिए लंबित आवेदनों पर जल्द कदम उठाने का निर्देश दिया। एमएसएमई साथी ऐप पर बैंकों से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने का भी निर्देश दिया।

एम्ब्रेन ने भारत में लॉन्ग बैटरी लाइफ के साथ ईयरबड्स लॉन्च किए

मुंबई। भारत के प्रमुख स्मार्ट एक्सेसरीज ब्रैंड एम्ब्रेन ने अपने पावरपैक्ड ईयरबड्सए नियोबड्स 11 और नियोबड्स 22 के लॉन्च की घोषणा की। ये ईयरबड्स यात्रा के दौरान सफर में यूजर्स को आवाज की दुनिया का क्रांतिकारी अनुभव कराएंगे। इन ईयरबड्स के दाम 2ए499 रुपये रखे गए हैं। इन प्रॉडक्ट्स को भारत के रिटेल स्टोर के अलावा ब्रैंड की आधिकारिक वेबसाइट से खरीदा जा सकता है।

ये प्रॉडक्ट्स 365 दिन की वॉरंटी के साथ मिलते हैं। नियोबड्स सीरीज के दायरे को विस्तृत बनाते हुए नियोबड्स 11 बिना किसी रुकावट के जबर्दस्त कनेक्टिविटी के लिए लेटेस्ट ब्लूटुथ वर्जन 5.0 के साथ लॉन्च किए गए हैं। इसका चार्जिंग केस एलईडी डिजिटल डिस्प्ले के साथ मिलता हैए जो केस और ईयरबड्स में बैटरी लेवल की जानकारी नंबरों में यूजर्स को लगातार देता रहता है। ये ईयरबड्स 4 घंटे का म्यूजिक प्लेबैक टाइम और चार्जिंग केस के साथ 12 घंटे का प्लेबैक टाइम देते हैं।

नए शो ग्रंड ट्रंक रसोई में तलाशिये इतिहास की स्वादिष्ट कहानियां

नोएडा। एशिया के सबसे पुरानी और सबसे लंबे प्लेटफॉर्म के साथ शुरू की गई अफगानिस्तानए पाकिस्तानए भारत और बांग्लादेश से जुड़े हुए प्रतिष्ठित क्रम की ज़ी ज़ेस्ट ग्रैंड ट्रंक रसोई व्यंजन संबंधी विरासत है। अद्वितीय और समृद्धता के एक क़सीदे के रुप में संकल्पित यह सरक-ए-आज़म का प्रतीक है।

शो की मेजबानी प्रसिद्ध शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा की जायेगी। इस रोमांचक शो की शुरुआत भारत के सबसे नए और अग्रणी लाइफस्टाइल चैनल ज़ी ज़ेस्ट पर एक मार्च से होगी। पेशावर और रावलपिंडी के आकर्षणों से लेकर दिल्ली और आगरा के राजसी दस्तरखानों के श्रेष्ठतम रहस्यों तकए बनारस के प्रेरित शाकाहारी और बंगाल की मिठाई के लिए अवध क्षेत्र के रसीले कबाब तक के सदियों के इतिहास का संयोजन है। वास्तव मेंए ग्रैंड ट्रंक रसोई उपमहाद्वीम के पाक कला का सबसे अच्छा परिचय होगा।

सऊदी अरब के शहजादे ने पत्रकार खशोगी की हत्या की मंजूरी दी थी

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को सौंपी गई एक खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब के शहजादे (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान ने इस्तांबुल में पत्रकार जमाल खशोगी को पकड़ने या मारने के एक अभियान को मंजूरी दी थी। सऊदी अरब के असंतुष्ट पत्रकार की बर्बर हत्या से संबंधित यह रिपोर्ट बाइडन प्रशासन ने जारी की है।

खशोगी की दो अक्टूबर 2018 को तुर्की के इस्तांबुल शहर में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में मोहम्मद बिन सलमान से संबंधित लोगों ने हत्या कर दी गई थी। वह अमेरिका के वैध स्थाई निवासी थे और वाशिंगटन पोस्ट अखबार में लेख लिखते थे और शहजादे की नीतिओं के कटु आलोचक थे।

उनके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे और उनके अवशेष कभी नहीं मिले। सऊदी अरब को आखिरकार मानना पड़ा कि खशोगी की हत्या गलती से हुई थी और हालांकि हत्याकांड में शहजादे की संलिप्तता से इनकार किया था।

राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय कार्यालय (ओडीएनआई) ने कांग्रेस (संसद) को सौंपी रिपोर्ट में कहा कि मोहम्मद बिन सलमान ने शायद ऐसा माहौल बनाया जिसमें उनके सहयोगियों में इस बात का डर पैदा हुआ कि सौंपा गया काम पूरा नहीं करने पर उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है या उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस बात की संभावना नहीं है कि उनके सहयोगी शहजादे के आदेश पर सवाल कर सकते थे या फिर संवेदनशील अभियान बिना उनकी मंजूरी के चला सकते थे। यह रिपोर्ट 11 फरवरी की है और रिपोर्ट के एक हिस्से को गोपनीयता के दायरे से बाहर किया गया है जिसे शुक्रवार को कांग्रेस को सौंपा गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, हमारा आकलन है कि सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान ने तुर्की के इस्तांबुल में सऊदी पत्रकार खशोगी को पकड़ने या मारने के अभियान को मंजूरी दी थी।

ओडीएनआई ने कहा कि उसका आकलन इस पर आधारित है कि सऊदी अरब में मोहम्मद बिन सलमान की मर्जी के बिना फैसले नहीं होते हैं और अभियान में उनके प्रमुख सलाहकार और उनके सुरक्षा दस्ते के एक सदस्य की सीधी संलिप्तता है और खशोगी समेत विदेश में रह रहे असंतुष्टों को चुप कराने के लिए हिंसक उपाय करने को लेकर उनका समर्थन था।रिपोर्ट कहती है, 2017 से शहजादे का देश की सुरक्षा एवं खुफिया संगठनों पर पूर्ण नियंत्रण है। इस बात की संभावना नहीं है कि सऊदी अधिकारी इस प्रकृति का अभियान बिना वलीअहद की इजाजत के चलाएं।अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सऊदी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सऊदी अरब की सरकार देश के नेतृत्व से संबंधित एक रिपोर्ट में उल्लेखित नकारात्मक, झूठे और अस्वीकार्य आकलन को खारिज करते हैं और रिपोर्ट में गलत जानकारी और निष्कर्ष हैं।

कांग्रेस को रिपोर्ट मिलने के कुछ देर बाद, अमेरिका विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने "खशोगी प्रतिबंध" की घोषणा की, जिसमें सऊदी अरब के 76 ऐसे व्यक्तियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए गए हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे विदेशों में असहमति के स्वरों को डराने-धमकाने में शामिल हैं। यह सिर्फ खशोगी हत्याकांड तक सीमित नहीं है।

ओडीएनआई रिपोर्ट कहती है कि सऊदी अरब की 15 सदस्ईय टीम दो अक्टूबर 2018 को इस्तांबुल पहुंची थी। इसमें शाही दरबार में सऊदी सेंटर फॉर स्टडिज़ एंड मीडिया अफेयर्स के लिए काम करने वाले या उससे जुड़े अधिकारी शामिल थे। खशोगी तुर्की महिला से अपनी शादी के सिलसिले में दस्तावेजों के लिए महावाणिज्य दूतावास गए थे।

हैती में जेल से भागे 400 कैदी, गोलीबारी में 25 लोगों की मौत

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। हैती की सरकार ने शुक्रवार को कहा कि जेल से 400 से ज्यादा कैदी फरार हो गए हैं और गोलीबारी की घटना में जेल निदेशक समेत 25 लोगों की मौत हो गई।यह घटना बृहस्पतिवार को राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस के उत्तर पूर्व में स्थित क्रूआ दि बूके सिविल जेल में हुई। घटना के वक्त जेल में 1542 कैदी थे। इस जेल का निर्माण 2012 में कनाडा ने कराया था। वर्ष 2014 में इसी जेल से 300 से अधिक कैदी फरार हुए थे।अधिकारियों ने बताया कि अपराधी अर्नेल जोसेफ को मुक्त कराने के लिए गिरोह के लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। दुष्कर्म, अपहरण और हत्या के आरोप में 2019 में जोसेफ को गिरफ्तार किया गया था। जेल से फरार होने के बाद वह मोटरसायकिल से भाग रहा था लेकिन पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।अधिकारियों ने कहा है कि 60 कैदियों को पकड़ लिया गया है और बाकी की तलाश की जा रही है। जेल से कैदी कैसे फरार हुए इस घटना की जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है। गोलीबारी की घटना में जेल निदेशक पॉल जोसेफ हेक्टर की भी मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कैदियों के फरार होने से पहले बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों को जेल के सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चलाते देखा था। गोलीबारी शुरू होने के काफी देर बाद तक जेल के अंदर गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं। हैती के राष्ट्रपति जोवेलेन मोइस ने शुक्रवार को ट्वीट कर कैदियों के भागने और गोलीबारी की घटना की निंदा की और लोगों से धैर्य बनाए रखने को कहा।

जकार्ता में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ के बीच लोग सुरक्षित स्थान की ओर जाते हुए

रिपब्लिकन नेताओं ने 2022 शीतकालीन ओलंपिक के बहिष्कार की मांग की

भाषा। वाशिंगटन

चीन पर मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भारतवंशी अमेरिकी सांसद निक्की हेली समेत शीर्ष रिपब्लिकन नेताओं ने अमेरिका से चीन में आयोजित हो रहे 2022 शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार करने की मांग की है।इन नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से कार्यक्रम के आयोजन के लिए नई जगह चुनने का भी आह्वान किया है।हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि नेताओं की मांग पर फिलहाल कोई फैसला नहीं किया गया है।संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली ने कहा कि यह किसी से छिपी बात नहीं है कि चीन अपने व्यापक कम्युनिस्ट दुष्प्रचार अभियान के तहत शीतकालीन ओलंपिक का इस्तेमाल करना चाहता है। हेली ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन खेल का बहिष्कार करने की घोषणा करें, इसके लिए उन्होंने अभियान की शुरुआत की है।रिपब्लिकन नेता ने फॉक्स न्यूज के लिए प्रकाशित ऑप एड में कहा, हम बैठकर चुपचाप देखते नहीं रह सकते कि चीन अपने मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन को छिपाने के लिए शीतकालीन ओलंपिक के आयोजन का इस्तेमाल करे। सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति को लिखे एक पत्र में समूचे चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघनों और अत्याचारों पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से 2022 शीतकालीन ओलंपिक के आयोजन के लिए नई जगह चुनने का आह्वान किया है।

क्विक न्यूज

यूएनएचआरसी की उपलब्धियों और विफलताओं का आकलन करने का समय आ गया है: भारत

जिनेवा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि यह मानवाधिकार परिषद की उपलब्धियों और विफलताओं का आकलन करने और संयुक्त राष्ट्र के संगठन को मजबूत करने और उसमें सुधार करने के तरीकों पर विचार करने का समय है ताकि उसे अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सके। मानवाधिकार परिषद के 46वें सत्र में उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट के मौखिक अद्यतन का जवाब देते हुए, भारत के स्थाई प्रतिनिधि, राजदूत इंद्र मणि पांडेय ने कहा कि वैश्विक प्रगति और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए भारत का दृष्टिकोण स्वयं के अनुभव पर आधारित है क्योंकि भारत एक समावेशी और बहुलवादी समाज और एक धर्मनिरपेक्ष राजनीति के साथ एक जीवंत लोकतंत्र है। पांडेय ने कहा, हमारे संविधान ने बुनियादी मानवाधिकारों को मौलिक अधिकारों के रूप में सुनिश्चित किया है। हमारी चौकस संसद, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज ने हमारे लोगों को मिले मानव अधिकारों को पूरी तरह से संभव बनाने में योगदान दिया है।

परीक्षा में कम अंक के लिए डांट से नाराज भारतीय किशोरी ने किया अपने अपहरण का ड्रामा

दुबई। परीक्षा में कम अंक आने के कारण माता-पिता की डांट से नाराज 15 साल की भारतीय किशोरी ने अपने अपहरण का ड्रामा किया और बृहस्पतिवार को सुबह से लापता रहने के बाद अपने ही मकान की छत पर छिपी हुई मिली। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, दुबई में बृहस्पतिवार की सुबह टहलने निकली हरीणी करणी लापता हो गई थी।दुबई पुलिस ने अखबार को बताया कि परीक्षा में कम अंक आने पर उसके माता-पिता ने उसे डांटा था और उसका मोबाइल फोन छीन लिया था, जिसके बाद वह उम सकीम इलाके में स्थित अपने ही मकान की छत पर छिप गई थी।अखबार ने अधिकारी के हवाले से लिखा है, परिवार ने अपनी बेटी के लापता होने की सूचना पुलिस को दी और घटना सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लोगों से मदद मांगी। उसके माता पिता को डर था कि किशोरी खुद को नुकसान पहुंचा सकती है। दुबई पुलिस ने कुछ ही घंटों में मामले को सुलझा लिया और किशोरी को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया। किशोरी अल बशरा में ब्रिटिश पाठ्यक्रम की पढ़ाई करती है।

अमेरिका में प्रतिनिधि सभा ने 1900 अरब डॉलर के कोरोना वायरस राहत पैकेज को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिका में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने 1900 अरब डॉलर के कोरोना वायरस राहत पैकेज संबंधी विधेयक को शनिवार को मंजूरी दे दी।राष्ट्रपति जो बाइडन के इस पैकेज के जरिए कोविड-19 महामारी के कारण संकट का सामना कर रहे लोगों, कारोबारियों, राज्यों और शहरों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रतिनिधि सभा में 212 के मुकाबले 219 वोट से इस विधेयक को पारित कर दिया गया।डेमोक्रेट सांसदों ने कहा कि अब भी अर्थव्यवस्था पूरी तरह संभल नही पाई है और लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। रिपब्लिकन सांसदों ने कहा कि विधेयक में बहुत अधिक खर्च का प्रावधान किया गया है और स्कूलों को खोलने के लिए ज्यादा राशि की व्यवस्था नही की गई है। सदन में अल्पमत के नेता केविल मैकार्थी ने कहा मेरे सहयोगी इस विधेयक को साहसिक कदम बता रहे है, लेकिन यह महज दिखावटी है। इसमें राशि का सही से आवंटन नही हुआ है। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने कहा कि कानून बनने के बाद न्यूनतम वेतन में भी बढ़ोतरी होगी।

अमेरिका के टेनेसी में टीके की चोरी, एक काउंटी में बच्चों को टीका दिया गया

नैशविले (अमेरिका)। अमेरिका मे टेनेसी के स्वास्थ्य विभाग ने संघीय अधिकारियो को राज्य की सबसे बड़ी आबादी वाली काउंटी मे कोविड-19 के टीके की कथित चोरी की जांच कराने का अनुरोध किया है।अधिकारियो ने यह भी कहा है कि एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने दो बच्चों को गलत तरीके से टीका दिया जबकि वह टीका छोटे बच्चो के लिए स्वीकृत नही था।यह जानकारी ऐसे वक्त मे आई है जब राज्य ने इससे पूर्व घोषणा की थी कि पिछले महीने शेलबी काउंटी के स्थानीय अस्पताल में गलत तरीके से टीकाकरण और सही तरीके से रिकॉर्ड नही रखने के चलते कोविड-19 टीके की करीब 2,400 खुराक बर्बाद हो गई।स्वास्थ्य आयुक्त लीसा पीयर्सी ने चोरी के आरोपो पर विस्तृत जानकारी नही दी। हालांकि उन्होने कहा कि राज्य द्वारा रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्रो को स्वयं जांच करने के निर्देश के बाद शेलबी काउंटी स्वास्थ्य विभाग ने राज्य को सिर्फ टीके की खुराक चोरी होने के बारे मे सूचित किया है। जांच एजेंसी एफबीआई के प्रवक्ता जोएल सिसकोविक ने शुक्रवार को बताया कि जांच एजेंसी घटना से अवगत है।

द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की जिम्मेदारी भारत की

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत के साथ संघर्ष विराम समझौते का शनिवार को स्वागत किया और कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की जिम्मेदारी नई दिल्ली की है। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बृहस्पतिवार को संयुक्त रूप से घोषणा की थी कि वे नियंत्रण रेखा पर और अन्य सेक्टरों में संघर्ष विराम समझौते का कड़ाई से पालन करेंगे। इसके बाद पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए खान ने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ सभी लंबित मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए करने को तैयार है। उन्होंने ट्वीट किया, नियंत्रण रेखा पर फिर से संघर्ष विराम स्थापित करने का मैं स्वागत करता हूं। इसमें आगे की प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की जिम्मेदारी भारत की है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीरी लोगों द्वारा अपने निर्णय खुद करने की उनकी बहुप्रतीक्षित मांग और अधिकार के लिए भारत को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। खान ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, हम हमेशा शांति चाहते हैं और सभी लंबित मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए निकालने को तैयार हैं। पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय वायु सेना द्वारा 2019 में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर हवाई हमला किया गया था। इस हमले की दूसरी सालगिरह के अवसर पर सिलसिलेवार ट्वीट कर खान ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है और सभी लंबित मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए करना चाहता है। उन्होंने कहा कि पकड़े गए भारतीय पायलट को वापस कर पाकिस्तान ने दुनिया को अपना जिम्मेदाराना बर्ताव दिखाया है। कश्मीर के मुद्दे पर खान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीरी लोगों द्वारा अपने निर्णय खुद करने की उनकी बहुप्रतीक्षित मांग और अधिकार के लिए भारत को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

म्यामार में मांडले रेलवे स्टेशन के बाहर सैन्य तख्तापलट के विरोध में प्रदर्शन करते लोग

रोहिंग्या के बांग्लादेश से म्यांमा लौटने में हमारा सबसे बड़ा हितः भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने विस्थापित रोहिंग्या के बांग्लादेश से म्यांमा जल्द लौटने पर जोर देते हुए कहा कि मुद्दे के समाधान में उसका सबसे बड़ा हित है क्योंकि यह एकमात्र देश है जिसकी दोनों देशों से लंबी सीमा लगती है।

म्यांमा की स्थिति पर शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी. एस. तिरूमूर्ति ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश में हुई हालिया घटनाओं से अभी तक हुई प्रगति में बाधा नहीं पहुंचे और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सकारात्मक कदमों को प्रोत्साहित करना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए।

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में 11 लाख से अधिक रोहिंग्या रह रहे हैं, जो सेना की कार्वाई के बाद म्यांमा से भागे थे। सेना की कार्वाई को कई अधिकार समूह जातीय सफाया करार देते हैं।म्यांमा रोहिंग्या को जातीय समूह नहीं मानता और उसका मानना है कि वे बांग्लादेशी प्रवासी हैं जो अवैध रूप से देश में रह रहे हैं।म्यांमा की सेना ने एक फरवरी को देश में तख्तापलट कर वहां की नेता आंग सान सू ची को हिरासत में ले लिया था। सैन्य तख्तापलट ऐसे वक्त में हुआ जब बांग्लादेश 11 लाख रोहिंग्या की सुरक्षित वापसी के लिए अभियान चला रहा था।म्यांमा के रखाइन प्रांत से विस्थापित लोगों के मुद्दे पर तिरूमूर्ति ने कहा कि विस्थापित लोगों की वापसी के मुद्दे को सुलझाने में भारत का सबसे बड़ा हित है क्योंकि यह एकमात्र ऐसा देश है जिसकी बांग्लादेश और म्यांमा से लंबी सीमा लगती है।उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर संतुलित एवं सकारात्मक रूख अपनाने के लिए हम अपने सहयोगियों की लगातार काउंसलिंग कर रहे हैं। भारत लगातार संबंधित पक्षों को व्यावहारिक समाधान ढूंढने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने रोहिंग्या के मुद्दे के जल्द समाधान की जरूरत पर बल दिया।उन्होंने कहा, विस्थापित लोगों के म्यांमा के रखाइन प्रांत स्थित अपने घरों में सुरक्षित, जल्दी वापसी के लिए भारत, बांग्लादेश और म्यांमा की सरकारों के साथ काम करना जारी रखेगा। दस लाख से अधिक विस्थापित लोगों को अपनी जमीन पर आश्रय देने के लिए बांग्लादेश की प्रशंसा करते हुए भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए जरूरी है कि वह मानवीय बोझ को समझे जिसका सामना बांग्लादेश को करना पड़ रहा है।

तिरूमूर्ति ने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बांग्लादेश की सरकार का वित्तीय एवं अन्य तरीके से समर्थन करना चाहिए और शिविरों में कट्टरपंथ से जुड़े मुद्दे तथा अन्य सुरक्षा चुनौतियों का भी त्वरित समाधान करने में सहयोग करना चाहिए।

डेमोक्रेटिक सांसदों ने मुस्लिमों पर यात्रा प्रतिबंध को भविष्य में रोकने के लिए विधेयक पेश किया

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के 140 सांसदों ने भविष्य में मुसलमानों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने से रोकने के लिए और धार्मिक आधार पर भेदभाव को रोकने के लिए कांग्रेस (संसद) में एक विधेयक को फिर से पेश किया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम यात्रा प्रतिबंध संबंधी विधेयक पेश किया था जिसमें मुस्लिम बहुल देशों को निशाना बनाया गया था तथा ईरान, उत्तर कोरिया, सीरिया, लीबिया, यमन, सोमालिया और वेनेजुएला के लोगों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कार्यभार संभालने के पहले ही दिन मुसलमानों पर लगे यात्रा प्रतिबंध को खत्म कर दिया था। सदन की न्यायिक समिति के प्रमुख जेरोल्ड नडलर और जूडी चू ने राष्ट्रीय मूल-आधारित गैर प्रवासियों के लिए भेदभाव रोधी (नो बैन) अधिनियम को शुक्रवार को प्रतिनिधिसभा में पेश किया जबकि सीनेट में सीनेटर क्रिस कॉन्स ने इसे पेश किया।भारतीय-अमेरिकी सांसद अमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और राजा कृष्णमूर्ति उन लोगों में शामिल हैं जो विधेयक का समर्थन कर रहे हैं।नडलेर ने कहा कि जब ट्रंप प्रशासन ने विदेशों को नापसंद करने वाला मुस्लिम यात्रा प्रतिबंध जारी किया था तो यह तत्काल जाहिर हो गया था कि यह असंवैधानिक है, भेदभावकारी है तथा नैतिक रूप से निंदनीय है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति बाइडन ने कार्यभार संभालने के पहले ही दिन इस प्रतिबंध को खत्म करने के लिए साहसी कार्वाई की और परिवारों को मिलाया। ऐसा न हो कि भविष्य में कोई राष्ट्रपति इस जघन्य नीति को बहाल कर दे, इसलिए हम इस संभावना का जोखिम नहीं ले सकते हैं। कांग्रेस की सदस्य जूडी चू ने कहा कि मुसलमानों पर यात्रा प्रतिबंध लगाना अमेरिका पर एक घृणित धब्बा है। यह फैसला सिर्फ धर्मान्धता से प्रेरित था ना कि इसका कारण वास्तविक राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताएं थीं। प्रतिबंध ने सिर्फ परिवारों को जुदा किया और धर्मान्धता तथा इस्लामोफोबिया को बढ़ावा दिया।

उन्होंने कहा, हम इस बात का जोखिम नहीं ले सकते हैं कि पूर्वाग्रह फिर से नीति बने। इसलिए मैं नो बैन अधिनियम को पेश कर रही हूं। उन्होंने कहा कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में कोई भी राष्ट्रपति लोगों को सिर्फ धर्म की वजह से प्रतिबंधित नहीं कर पाए।

सीनेटर कॉन्स ने कहा, हमने मुसलमानों पर यात्रा प्रतिबंध के दुखद पन्ने को पलट दिया है लेकिन अब हमें नया अध्याय लिखना चाहिए, जिसमें कोई भी राष्ट्रपति डर और पूर्वाग्रह के आधार पर एक समुदाय के खिलाफ काम न कर पाए।

अमेरिकी सांसद ने भारत-पाक संघर्ष विराम समझौते का किया स्वागत

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तथा अन्य क्षेत्रों में संघर्ष विराम के सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने के भारत और पाकिस्तान की सेनाओं की घोषणा का स्वागत किया है। सांसद ने यह भी उम्मीद जताई कि यह तनाव को कम करने की दिशा में पहला कदम साबित होगा।व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि यह कदम दक्षिण एशिया में व्यापक शांति और स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।प्रतिनिधिसभा में विदेश मामलों की एक अहम समिति के अध्यक्ष एवं सांसद ग्रिगोरी मीक्स ने कहा, मैं भारत और पाकिस्तान की सरकारों की अपनी साझा सीमा पर संघर्ष विराम को लेकर सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने की घोषणा का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह तनाव को कम करने की दिशा में पहला कदम साबित होगा। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और अन्य क्षेत्रों में संघर्ष विराम संबंधी सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर बृहस्पतिवार को सहमति जताई और इस संबंध में संयुक्त बयान भी जारी किया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने भी इस बयान का स्वागत किया और पाकिस्तान से अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने, आतंकवादी संगठनों को धन तथा उन्हें समर्थन देना बंद करने और भारत पर सीमा पार से आतंकवादी हमले बंद करने की मांग की।

पायनियर
रविवार, 28 फरवरी, 2021

एजेण्डा

मेरा सिद्धांत यह है कि यदि आप दृढ़प्रतिज्ञ दिखते हैं तो आप हर चीज में कामयाब हो सकते हैं- यहां तक अगर आपको कुछ न पता हो कि आप क्या कर रहे हैं

- जेसिका अल्बा

ऐसिड अटैक

कुंठा का शिकार पुरुष अहंकार

पुरुष अहंकार इतना नाजुक क्यों है कि किसी उत्तर को ना में स्वीकार नहीं कर पाता है और उनके पास ना वाले इंकारों का केवल एक समाधान होता है - एसिड अटैक। हालांकि, परेशान करने वाली बात यह है कि न केवल नौजवान लोग बल्कि तथाकथित परिपक्व लोग भी इन कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। विशेषज्ञों से बातचीत पर आधारित **मुस्बा हाशमी** की रिपोर्ट

कि मैं गुमशुदगी में खुद को ढके हुई हूं कुछ इस तरह, कि जो रब ने दिया था, तेजाब में जला दिया, उसने मेरा, सबकुछ, सरे आम, कोई नहीं आया मुझे बचाने, मैं चीखती चिल्लाती रही, घंटों, कई रोज, कि, कोई तो .. दे दे मुझे वापस मेरी तस्वीर वो... पुरानी, महफूज नहीं हूं मैं, मेरा जिस्म जला दिया, सिर्फ रूह ही तो हूं मैं अब, सिर्फ एक रूह।

महिला अधिकार कार्यकर्ता और अधिवक्ता पूजा सरीन की ये पंक्तियाँ उस भयानक पीड़ा को व्यक्त करती हैं, जिसे हर लड़की एसिड अटैक के जरिए झेलती है। भारत में एसिड अटैक के मामलों की बढ़ती संख्या हर लड़की को घर के सुरक्षित वातावरण से बाहर जाने से भयभीत कर रही है। यह उन्हें सोचने या स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के मामले में अपने मन पर लगाम लगा रही है क्योंकि वे कभी नहीं जानती कि कौन घर के बाहर उन पर केवल इसलिए तेजाब फेंक देगा क्योंकि वह उनकी स्वतंत्रता को स्वीकार नहीं कर पाता है।

खतरा न केवल युवा और कम परिपक्व पुरुषों से है, बल्कि तथाकथित परिपक्व व्यक्तियों से भी है। आम धारणा यह थी कि भयावह एसिड हमलों के अपराधी युवा निराश व्यक्ति हैं, लेकिन हाल ही में असम के डिब्रूगढ़ में एक महिला पर तेजाब फेंकने वाले एक 50 वर्षीय व्यक्ति को पकड़ा गया। अब मूक प्रश्न यह है कि महिलाओं द्वारा अस्वीकार से निपटने के लिए परिपक्व पुरुष भी अपरिपक्वता दिखा रहे हैं।

लगभग 50 साल के उस व्यक्ति को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया, हालांकि उस व्यक्ति का इरादा अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, फिर भी यह एक ऐसी श्रेणी में आता है जहाँ महिलाओं को उनके प्राकृतिक सौंदर्य से वंचित किया जाता है या लूट लिया जाता है क्योंकि कोई भी बर्दाश्त नहीं कर पाता कि महिला अपनी मर्जी के मुताबिक अपने हित में फैसला कर सके। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में पाया गया कि 2018 और 2020 के बीच देश में एसिड हमलों के लगभग 1, 600 शिकार हुए हैं। हर दिन कम से कम एक एसिड अटैक होता है। हालांकि, पीड़ितों के साथ मिलकर काम करने वाले कार्यकर्ताओं के अनुसार, सबसे अधिक एसिड हमलों वाले देश में सबसे कम संख्या में दोषसिद्ध होते हैं - पांच प्रतिशत से कम। महिलाएं पुरुषों की मनमानी का शिकार हो रही हैं, और यह प्रवृत्ति नहीं रूक रही है।

इसमें कोई शक नहीं, महिलाओं को सुना जा रहा है और छपाक जैसी फि ल्में बनाई जा रही हैं, लेकिन जिस सम्मान की महिलाएं हकदार हैं वह उनकी पहुंच से दूर है। छपाक फिल्म लक्ष्मी अग्रवाल की कहानी से प्रेरित थी, जिसे 2005 में दिल्ली में एसिड से जलाया गया था, जब वह मुश्किल से 15 साल की थी। वह प्रतिरोध करती है कि भारत में एसिड की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए और एसिड हमले से बचे लोगों की सहायता की जाए। कई अन्य एसिड अटैक पीड़िताएं इस उद्देश्य के लिए काम कर रही हैं, ताकि दूसरी लड़कियों को इस तरह की हिंसक, हृदयविदारक घटनाओं से बचाया जा सके। सरीन कहती हैं, 'सवाल यह है कि हमें अपनी लड़कियों को क्यों और किससे बचाना है? हमें उन्हें उन पुरुषों से बचाने की जरूरत है जो उनकी दोस्ती, शादी, डेटिंग और यौन प्रस्तावों के इंकार का सामना करते हैं। पुरुष का अहंकार इतना जहरीले ढंग से खतरनाक क्यों है कि यह बर्दाश्त नहीं कर पाता है और उनके चेहरे पर तेजाब फेंककर निर्दोष लड़कियों से प्रतिशोध और बदला लेने पर उतारू हो जाता है। विचारधारा या सोच यह है कि, जो मेरा नहीं हो सकता, वह किसी और का भी नहीं हो सकता'। यह केवल उनकी परेशान और हानिकारक सोच को दिखाता है।'

कम सजा मिलना भी इस उद्देश्य में बाधक बन रहा है। भारतीय दंड संहिता की धारा 326 ए एसिड हमलों की सजा का प्रावधान करती है। इसके लिए न्यूनतम सजा 10 साल की सजा है। यह जुर्माने के साथ आजीवन कारावास तक बढ़ सकती है। एसिड हमलों का शिकार, लक्ष्मी अग्रवाल द्वारा याचिका दायर करने के बाद, ऐसे मामलों में अपराधियों को दंडित करने हेतु, 2013 में यौन अपराधों के कानून में संशोधन के साथ, एक अलग कानून पारित किया गया था। 'इन अपराधियों को सख्ती के साथ दंडित किया जाना चाहिए, और ऐसे दुष्कर्मियें पर सख्त कानून और जुर्माने लगने चाहिए, जो एसिड के साथ लड़कियों पर हमला करते हें और उनके जीवन को तहस-नहस कर देते हैं।' सरीन कहती हैं।

पुरुष का अहंकार इतना जहरीले ढंग से खतरनाक क्यों है कि यह बर्दाश्त नहीं कर पाता है और उनके चेहरे पर तेजाब फेंककर निर्दोष लड़कियों से प्रतिशोध और बदला लेने पर उतारू हो जाता है। विचारधारा या सोच यह है कि, जो मेरा नहीं हो सकता, वह किसी और का भी नहीं हो सकता'। यह केवल उनकी परेशान और हानिकारक सोच को दिखाता है।'

-पूजा सरीन

महिला अधिकार कार्यकर्ता और अधिवक्ता

चिंताजनक तथ्य

- 2014 से 2017 तक, वर्ष 2017 में 319 पीड़ितों के साथ सबसे अधिक 309 एसिड हमले हुए। लेकिन उसी दौरान 2017 के बाद साल 2018 में, दुर्भाग्य से, कानूनी प्रक्रिया दोनों वर्षों के लिए एक गंभीर टालमटोल दर्शाती है।
- 2017 और 2018 में एसिड अटैक के कुल 596 मामले सामने आए, जिसमें 623 महिलाएं बुरी तरह शिकार हुई, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि प्रत्येक वर्ष में केवल 149 लोगों को चार्जशीट किया गया था। यह प्रत्येक वर्ष में होने वाली घटनाओं की संख्या का लगभग आधा या उससे भी कम है। 2014 में सबसे कम मामले (244)दर्ज हुए थे, जिसमें 201 लोगों को चार्जशीट किया गया था।
- उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दिल्ली, एसिड अटैक के मामले में , 2014 से 2018 तक लगातार, 10 सबसे खराब राज्यों में से एक रहे। इन पांच वर्षों के दौरान, इन तीनों राज्यों ने अकेले ही, भारत में होने वाले कुल एसिड हमलों में से 42 प्रतिशत लोगों को शिकार बनाया है।
- वर्ष 2015 में मुकदमों की सबसे अधिक संख्या देखी गई - 734। प्रथमदृष्टया, महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों की तुलना में 45.4 प्रतिशत की दोषसिद्धि-दर बेहतर है। लेकिन सुनवाई के लिए गए 734 मामलों में से केवल 33 ही संपन्न हुए।

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

इस मामले में रक्षिमा (बदला हुआ नाम) का मामला उल्लेखनीय है, जिस पर एक ऐसे व्यक्ति द्वारा तेजाब से हमला किया गया था, जो उससे उम्र में बहुत बड़ा था, हां आपने इसे सही समझा, क्योंकि रक्षिमा ने उसके शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

'मैं अपने 20 के दशक के उत्तरार्ध में थी, जब उस आदमी, जो आस-पास कहीं रहता था, ने मेरे चेहरे और शरीर पर एसिड फेंक दिया था, क्योंकि मैंने उसके शादी के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।' वह न केवल मेरी उम्र से दोगुना था, बल्कि तलाकशुदा भी था। उसने एक दिन मुझे थोड़ी देर के लिए रोका और मुझसे कहा कि वह मुझसे शादी करना चाहता है। दरअसल, यह एक प्रस्ताव नहीं , बल्कि एक आदेश था। मुझे उस दिन को याद करने से नफरत है, लेकिन दुर्भाग्य से यह मेरी स्मृति में और मेरे चेहरे पर अंकित कर दिया गया है। जो हर दिन, मुझे याद दिलाता है कि उस दिन ने मेरे जीवन को पूरी तरह से कैसे बदल दिया है।' रक्षिमा कहती हैं।

रक्षिमा की कहानी का दुखद हिस्सा यह है कि इस घटना के बाद आदमी को बिना किसी अपराधबोध का अहसास कराए बिना रिहा कर दिया गया। 'मैं घटना के बाद उसके चेहरे पर दिखते भावों को याद कर सकती हूं। वह संतुष्ट था कि उसने वही किया, जो वह चाहता था, कि उसने एक निर्दोष जीवन को बर्बाद कर दिया और उसने सफलतापूर्वक अपने झूठे अहंकार को तुष्ट किया। मैं उसी क्षण बेहोश हो गयी और केवल अपने विरूपित चेहरे को देखने के लिए उठी। मैं रोई या चिल्लाई नहीं। मैं स्तब्ध थी। मैंने यह सोचना शुरू किया कि कौन सी चीज है जो लोगों को इतना कायर बनने और जीवन में इतना नीचे ले जाती है कि वे जीवन को बर्बाद करने तक से नहीं कतराते हैं।

>> पेज 3

हर उस काम में आनंद ढूंढ़ो जो आप करना तय करते हैं, प्रत्येक काम, संबंध या घर... यह आपका दायित्व है कि उससे प्रेम करें या उसे बदल दें

- चक पलानिउक

ध्यान का सोपान

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

हमने अभी तक ऋषि पतंजलि द्वारा प्रस्तावित आठ सूत्रीय मार्ग के पहले चार चरणों का जानकारी हासिल की है। जो ध्यान प्रक्रिया शुरू करने का आधार निर्मित करता है। अनुपालन योग्य चरणों को सिलसिलेवार ढंग से देखने की जरूरत है, जो कि धीरे धीरे एकल प्रक्रिया के आगामी चरण हैं। क्योंकि पहला चरण प्रत्याहार, जो मन के भीतरीकरण को दर्शाता है, वो अवस्था है जिसमें समूची ध्यान प्रक्रिया काम करती है। धारणा, ध्यान और समाधि धीरे धीरे ध्यान के तीन अनुवर्ती चरण हैं। इनमें से किसी एक के प्रति समर्पित कोई अन्य विशिष्ट प्रक्रिया नहीं है। व्यक्ति एक चरण से दूसरे चरण में प्रवेश करता जाता है। एक चरण से दूसरे चरण में अत्यंत बारीक अंतर है।

प्रत्याहार,: प्रत्याहार का व्यवहारिक अर्थ में अर्थ है बाह्य वस्तुओं से अपना ध्यान वापस खींचना, और उसे मन के भीतर केन्द्रित करना। हमारा ध्यान इससे अंदर की ओर मुड़ता है। ऐसा सोद्देश्यपूर्ण ढंग से, क्योंकि अंतिम गंतव्य तक पहुंचना है और चेतना के तत्व के साथ लयबद्ध होना है, जो कि हम सबके भीतर मौजूद जीवन का मूल है। जिसके बाद, समूची मन की शक्ति उपलब्ध हो जाती है।

यह ध्यान देना आवश्यक है कि सभी घटनाएं मूलत: मन के आंतरिक दायररों में घटती हैं। आप पहले सोचते समझते और आंकलन करते हैं और फिर उन्हें कार्यरूप में परिणित करते हैं। और किसी भी कार्य की प्रकृति, चाहे वो ताजा उठाया गया कदम हो या बाहय प्रेरणा की प्रतिक्रिया में, इस बात से प्रभावित होती है कि किस तरह प्रत्येक मन अनुवांशिक रूप से बना होता है। जो इस बात की मांग करता है कि हम पता लगाएं कि हमारे मन के आंतरिक दायरों में क्या लिखा है। इसलिए, हमें अपना ध्यान अंतर्मन की ओर ले जाने की जरूरत है। लेकिन इससे पहले कि अंतिम गंतव्य सामने आ जाए, व्यक्ति को मन विभिन्न परतों से होकर गुजरना पड़ता है। उनके भीतर तत्काल एवं सुदूर अतीत में ग्रहण की गयी विभिन्न स्मृतिगत छवियां अंकित होती हैं।

जैसे ही ध्यान अंदर की ओर मुड़ता है, तो सबसे पहले तत्काल बीते समय में एकत्रित विभिन्न विचार नजर आते हैं। ये छवियां, हालांकि अतीत से संबंधित होती है, मगर अंदर ही अंदर लगातार पीछा करती रहती हैं, तत्कालिक अर्थों में हमारा ध्यानाकर्षित करती हैं। जो छवियां हमें सर्वाधिक प्रभावित करती हैं, वो हैं अनवरत इच्छाएं तथा वे जो नकारात्मक रूझान लिए होती हैं। वे चाहत, आहत व दुखद भावनाओं के साथ साथ, अंतर्निहित भय व असुरक्षा की भाव के रूप में मन में जीवित रहती हैं। वे हमें लगातार परेशान करती हैं। लेकिन

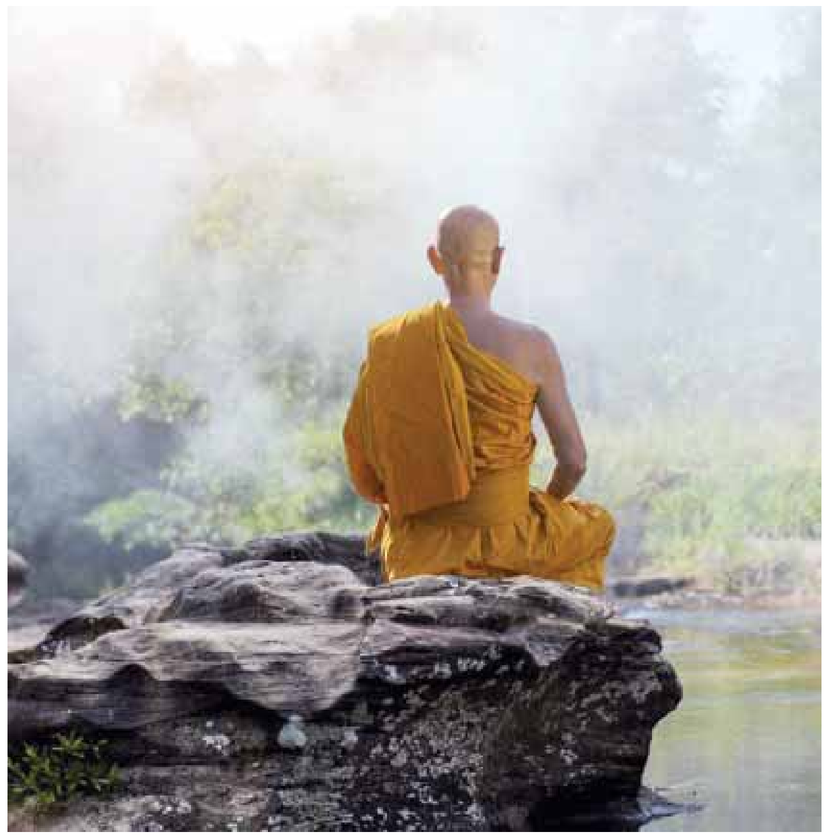

तब, उनकी जानकारी हासिल किए बिना, उनसे किसी भी तरह से अलग हटने तथा उन्हें हल करना संभव नहीं होगा। नकारना मदद नहीं करता है। अंतर्निहित विचारों की भीड़ से खुद को तटस्थ करने के बाद, जो कि अंदर ही अंदर हमें डराती रहते हैं, व्यक्ति सहज व मुक्त महसूस करता है। इसके उपरांत, मन के गहन दायरों तक में प्रवेश करने के द्वार खुल जाते हैं।

इसके बाद, व्यक्ति का सच्चा स्वभाव सामने आता है- अनुवांशिक कमजोरियां व व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमताओं का कामकाजी हिस्सा, जो कि पूर्वजन्म से चले आ रही कार्मिक छवियों का प्रतिबिंबन हो सकता है। इस प्रकार, हम अपनी अनुवांशिक प्रवृत्तियों- इच्छा प्रवृत्तियां, आदतों व नजरियों, रूचियों व अरूचियों, पूर्वाग्रहों व आवेगों, गुणों व विशेषताओं, साथ ही साथ अंतर्निहित क्षमता के जानकार होते हैं। तदनुसार, व्यक्ति आवश्यक सुधारवादी कदम उठा सकता है ताकि ताजा जानकारियों के जरिए व्यक्ति अपने मन की कमजोरियों पर काबू पा सके। साथ ही, अपनी अंतर्निहित क्षमता के कामकाजी हिस्से को पहचानता है और उन्हें समकालीन अर्थों में उपयोग होने लायक बनाता है। व्यक्ति सजग प्रयासों तथा अपनी रचनात्मक योग्यताओं को बेहतर बनाकर अपनी क्षमताओं का विस्तार भी कर सकता है।

जैसे ही व्यक्ति प्रक्रिया में स्थापित होता है, धीरे धीरे व्यक्ति गहन से गहन तह में जा सकता है और अवचेतन स्तर पर मौजूद स्मृतिगत छवियों का पता लगा सकता है। धीरे धीरे, व्यक्ति अपने अस्तित्व के मूल तक पहुंच सकता है। व्यक्ति को सच्चा आत्म का फिर पता चलता है, जिसके बाद, व्यक्ति अंतर्निहित समस्त विविध जीवनों की एकजुटता को महसूस करता है। जो व्यक्ति को दोहरेपन की भावना तथा उससे जुड़ी अवधारणा से ऊपर उठाता है। व्यक्ति के मन की पूर्ण क्षमता इससे उद्घाटित होती है।

धारणा/ ध्यान: ध्यान प्रक्रिया धारणा से उचित आरंभ होती है। इस प्रक्रिया की मांग है कि मन को इस तरह से साधा जाए कि वह जहां भी ध्यान दिया जाए वहां केन्द्रित हो जाए। प्रस्तावित प्रक्रिया निरंतर समयावधि के लिए किसी मूर्ति या अवधारणा पर ध्यान केन्द्रित करना है और उसके प्रति अडिग रहना है। आदर्श का चयन उल्लेखनीय स्तर पर गुरू द्वारा आदेशित होना चाहिए। यह कोई ज्ञात मूर्ति, अवधारणा, या कोई अमूर्त आकृति, मसलन कोई बिन्दू हो सकता है। भारतीय परंपरा में, सामान्यतया प्रतीकात्मकता को प्राथमिकता प्राप्त है जो प्राचीन भारतीय ऋषियों द्वारा परिकल्पित सहजबोध है और प्रत्येक मूल्यवान शैक्षणिक जानकारी प्रदान करती है। उन पर विचार करना व्यक्ति की चिंतन प्रक्रिया में गुणवत्ता व मूल्य का बढ़ाता है। इस प्रक्रिया में साथ ही साथ एकाग्र छवि के प्रति समर्पित मंत्र का उच्चारण करना शामिल होता है।

शरण लें ईश्वर की

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि ईश्वर अपने भक्तों को सशक्त बनाता है ताकि वे अद्भुत कार्य कर सकेजो सृष्टि/मानवजाति के लिए लाभकारी हो

भागवतगीता के श्लोक 18.65 में, भगवान कृष्ण कहते हैं,'मेरा ध्यान करो, मेरे भक्त बनो, मेरे लिए त्याग करो और मेरा आदेश माना।' श्लोक 12.8 में वह समझाते हैं, 'सिर्फ मेरी ओर अपना मन लगाओ, अपने ज्ञान को मुझमें केन्द्रित करो।' श्लोक 11.34 में, भगवान अर्जुन को अपना कर्म करने का आदेश देते हुए कहते हैं, ''तुम युद्ध करो, वध करो, परेशान मत हो, तुम विजयी होगे।' फिर श्लोक 18.62 में, वह निर्देश देते हुए कहते हैं, 'हर स्थिति में मेरी शरण लो।' श्लोक 18.66 में, वह हमारे पास कोई विकल्प नहीं छोड़ते हैं जब वह कहते हैं, 'केवल मेरी शरण लो।' वह इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकते थे, बिना किसी शंका के।

व्यवस्था के समुचित कामकाज के लिए पूर्ण समर्पण आवश्यक है। क्या कोई कंपनी लंबे समय तक टिक सकती है यदि उसके कर्मचारी मालिक का कहना नहीं मानते हो? मालिक क्या करता है जब वे कहना नहीं मानते हैं? वह कंपनी के हित को ध्यान में रखकर उन्हें उनकी नौकरी से निकाल देता है। इसी प्रकार, ईश्वर या उसकी व्यवस्था लंबे तक अनुशासनहीनता सहन नहीं करेंगे, और दिव्य शक्तियां उल्लंघनकताओं को पदावनति स्वरूप निम्न प्राणियों में भेजकर दंडित करेंगी।

हमारे रोजमर्रा जीवन में उच्च शक्तियों की शरण लेने के असंख्य उदाहरण हैं। तो, परमशक्तिमान के मामले में हम ऐसा क्यों नहीं करते है जो इस सृष्टि का कर्ता धर्ता है?

हमारा सौभाग्य, कि अनेक लोग ऐसा करते हैं। समूची व्यवस्था, यानी, यह सृष्टि तब तक काम नहीं कर सकती जब तक अच्छे लोग, या फिर ज्यादा स्पष्ट रूप से कहें तो ईश्वर के भक्त न हों। वे व्यवस्था का अवलंब हैं। और ऐसे लोग वो काम करके, जो कि ईश्वर या व्यवस्था उनसे करने के लिए कहती है, अपार लाभ प्राप्त करते हैं। ईश्वर को पता है कि मामूली आत्मा अत्यंत सीमित है। पारंपरिक अर्थ में अच्छा होना तथा वो करना जो ईश्वर हमसे अपेक्षा करता है, दोनों काम अत्यंत कठिन हैं, क्योंकि यह हम आत्माओं में गहन स्वभाव के विपरीत होता है। फिर भी, इसे किया जा सकता है और लाखों लोग ऐसा करने में सक्षम हैं। हालांकि, उन लोगों की संख्या जो सिर्फ अच्छे हैं, और ईश्वर के भक्त नहीं है, कहीं ज्यादा है।

स्वाभाविक तौर पर, भक्तों को मिलने वाले लाभ कहीं ज्यादा होंगे। ये लोग यथोचित ढंग से प्रदान किए जाते हैं, वर्ना इस कठिन राह को कौन चुनेगा? निश्चित रूप से, अच्छे होने के विभिन्न स्तर हैं और सर्वोच्च स्तर है ईश्वर से जुड़ाव और उनका पुरस्कार भी उसी तरह श्रेणीबद्ध होते हैं।

संक्षेप में, अच्छे लोग ज्यादातर इन तरीकों से पुरस्कृत होते हैं। उनके अच्छे कर्मों से उन्हें अनेक भौतिक लाभ प्राप्त होते हैं, मसलन पर्याप्त संसाधन, स्वागतयोग्य ध्यानाकर्षण एवं सबसे महत्वपूर्ण है व्यवस्था का साथ। जहां तक ईश्वर के भक्तों को मिलने वाले लाभ की बात है, तो इनकी संभावनाएं अपार हैं।

ईश्वर मार्गदर्शन करता है क्योंकि सही राह पर बने रहना अत्यावश्यक है, और ईश्वर, सर्वव्यापी होने के कारण, हमेशा सबकुछ जानता है। ईश्वर रक्षा करता है, भक्तों को मुसीबत से बाहर निकालता है। ईश्वर मदद करता है, संतोषजनक जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करता है। ईश्वर अनेक अन्य तरीकों से भी सहायता करता है मसलन वह अपने भक्तों को चेतावनी देता है, उन्हें मानसिक शक्ति देता है, उन्हें बुद्धि देता है- ताकि वे सही फैसले करने में सक्षम हो सकें, सहनशील हो सकें, और ईश्वर की भ्रामक ऊर्जा- माया से निपटने की कठिनाई को पार कर सकें, और तमोगुण यानी अंधकार की अवस्था पर विजय पाने में उनकी सहायता करता है।

ईश्वर अपने भक्तों को विलक्षण कार्य करने में सशक्त बनाता है जो सृष्टि या मानवजाति के लिए लाभकारी है। ईश्वर क्षमा करता है, वह शांति प्रदान करता है- वही एकमात्र स्रोत है जो ऐसा कर सकता है। वह क्षमाशील है, यानी बुराइयों से आजाद करता है और अंततोगत्वा मुक्त करता है जब आत्मा विशेष को ज्ञान की विशेष अवस्था प्राप्त हो जाती है। क्या ईश्वर का यह कहना गलत है कि हम उसकी शरण लें?

रंगमंच है धरती

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि किसी भी अन्य व्यक्ति की उपलब्धियों के साथ तुलना करने का प्रयास करना बेकार है क्योंकि हर किसी की अपनी यात्रा होती है

हाल ही में हिंदी फिल्म उद्योग के एक दिग्गज अभिनेता को उनके अभिनय करियर के माध्यम से दुनिया भर में सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार करने हेतु उनके योगदान के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार दिया गया। हालांकि पुरस्कार उन्हें दिया गया था, मगर दर्शकों में से हर किसी ने उस महान हस्ती के प्रति अपनी सीट से खड़े होकर सम्मान प्रदर्शित किया, जिसने सेल्यूलाइड स्क्रीन पर जीवन के लिए कई पात्रों को उतारा। हम सभी ने सिनेमाघरों में इस उत्साह को अनुभव किया है, जबकि एक वीर चरित्र पर्दे पर उपस्थित होता है, जोरदार जयकारे, सीटियां, तालियां तथा और बहुत कुछ होता है। और फिल्म के अंत में, नायक दर्शकों का दिल जीत लेता है और शो को अपने नाम कर लेता है। भले ही वह एक राजकुमार या एक कंगाल का किरदार निभाए, मगर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके प्रशंसक उसकी एक झलक पाने के लिए सिनेमाघरों का चक्कर लगाते हैं। उनके प्रदर्शन की सुंदरता है, चरित्र को अतंर्मन में उतार लेने की उनकी क्षमता ऐसी कि वह और उनकी भूमिका उनके प्रशंसकों को एक सी लगती है। लेकिन यह करते हुए भी, वह इस तथ्य के बारे में अच्छी तरह जानते हैं कि वह एक विशेष नाटक में केवल एक अभिनेता है, उसकी भूमिका नक्काशीदार है, उसके संवाद पहले से लिखे हैं और वेशभूषा उस विशेष चरित्र के लिए ही डिजाइन की गई है। इसलिए, उनकी महानता इसी में है कि वे अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता वाली भूमिका निभाएं।

स्टारडम की अपनी लंबी यात्रा पर, हर अभिनेता अक्सर दर्शक को मोड़ता है और अपने काम की आलोचना करता है ताकि वह अपने अभिनय में सुधार कर सके। अपने द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं से अनासक्ति वाला यह वो तत्व है जो उसे प्रगति करने का, साथ ही साथ स्पष्टता के साथ एक साथ कई भूमिकाएं निभाने और फिर दिन के अंत में अपने निजी जीवन में लौट आने का अवसर देता है।

हम में से बहुत से लोग नहीं जानते हैं कि विश्व चक्र इस नाटक से काफी मिलता-जुलता है जिसमें हम सभी अद्वितीय भूमिकाओं वाले अभिनेता हैं। हर कोई अपने जीवन में नायक है और एक नायक बन सकता है जो तालियां बटोरता है। हालांकि, आज हम शायद ही किसी को दूसरे व्यक्ति के लिए खुश कर पाते हैं क्योंकि एक-दूसरे के प्रदर्शन या स्क्रिप्ट को लेकर बहुत असंतोष व्याप्त है। नतीजतन, नाटक एक त्रासदी बन गया प्रतीत होता है। अभिनेताओं के साथ बड़े पैमाने पर अराजकता है, जो अपने प्रदर्शन के बजाय दूसरों की आलोचना में ज्यादा लिप्त रहते हैं। इस परेशानी का कारण यह है कि हममें से अधिकांश लोग

इस ज्ञान के बिना कार्य करते हैं कि पृथ्वी एक रंगमंच है और हम सभी अपनी व्यक्तिगत भूमिकाएँ निभाने के लिए यहाँ आए हैं।

प्रत्येक अभिनेता की भूमिका अद्वितीय और पूर्व-लिखित है और इसलिए, इसे किसी और के साथ मिलाने करने की कोशिश करना निरर्थक है। विश्व नाटक का सबसे बड़ा नियम यह है कि यह हमेशा सभी के लिए फायदेमंद होता है। ऐसी समझ या ऐसी चेतना न होने की स्थिति में, हम अपनी भूमिकाओं के प्रति मोहित हो जाते हैं, अपनी वेशभूषा और मेकअप को बदलना भूल जाते हैं और प्रत्येक भूमिका में ढलने वाला लचीलापन खो देते हैं। एक व्यक्ति का सरल सा उदाहरण लेते हैं जो एक ही समय में एक बेटे, एक पति, एक पिता, एक दोस्त और कई अन्य भूमिकाएं निभाता है। यदि वह पुरुष होने की सोच धारण किए है, तो वह घर पर अपनी पत्नी पर हावी हो सकता है या कार्यालय में अपनी महिला कर्मचारियों को नीचा दिखा सकता है। काम के दौरान, वह एक मालिक होने की अपनी भूमिका से इतना अधिक चिपक जाता था कि जब उसे उनकी सहायता की आवश्यकता होती है, तो वे उसके सहयोगी बनना भूल जाते हैं। दूसरी ओर, यदि वह सचेत है कि वह एक अभिनेता है और उसे हर किसी का दिल जीतने के लिए एक नायक की तरह काम करना चाहिए, तो वह अपने चरित्र की आवश्यकताओं को समझेगा और जो कुछ भी करेगा उसमें सक्रिय, सटीक और आकर्षक बनेगा। अपने द्वारा निभाए जाने वाले प्रत्येक चरित्र के उतार- चढ़ावों को जीते हुए, हम खुद को सुखा लेते हैं और प्रत्येक भूमिका की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ताकत नहीं जुटा पाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप होता यह है कि भावनात्मक उथल-पुथल और दुःख एक नियमित आगंतुक बन जाते हैं जबकि नाटक का उद्देश्य है अभिनेताओं को आनंद व खुशी अनुभव करने में सहायता करना। दूसरी ओर, यदि हम अपने द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाओं के प्रति उदासीन हो जाते हैं और शाश्वत कानून में विश्वास रखते हैं जोकि नाटक के सार्वभौमिक लाभ के लिए लिपिबद्ध किया गया है, तो हानि और लाभ, आराम और दर्द की भावना को भंग होने लगेगी और हमारा मन हर दृश्य में घटनाक्रम पर सवाल उठाना बंद कर देगा और हमारे मन में एक शांतिपूर्ण समरसता बसने लगेगी। यह हमें नाटक का आनंद लेने, हमारे प्रदर्शन की समीक्षा करने, धैर्य रखने और दूसरों के प्रति क्षमा करने में मदद करेगा। तो कहानी का नैतिक पक्ष यह है कि हमें मोहमुक्त होना चाहिए और साथ ही उस भूमिका में शामिल भी होना चाहिए जिसे हम खेल रहे हैं। इस विश्व नाटक में सुपरस्टार बनने का यही गुण है।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

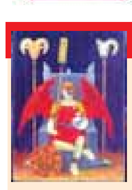

इस सप्ताह आप उत्साह से भरे रहेंगे। आप खुद को स्पॉटलाइट में पाएंगे क्योंकि लोग आपके विचारों को सुनने की प्रतीक्षा करते हैं। आपका स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आप कुछ बदलाव का अनुभव करने के लिए एक लंबी ड्राइव पर जाने का निर्णय लेंगे। आप विभिन्न स्थानों के लोगों से जुड़ सकते हैं। करियर के मोर्चे पर, आपको अपना करियर शुरू करने का मौका मिलेगा। छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के अनुरूप बने रहने के लिए पहले से अच्छी तैयारी करनी होगी। आपको प्रतिभा, बुद्धिमत्ता मिली है, लेकिन उन्हें बढ़ाने के लिए सही मार्गदर्शन की जरूरत है।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

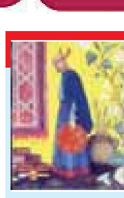

इस सप्ताह आप जीवन के नटखटपन के साथ व्यस्त रहेंगे। आपको कुछ निर्णय लेने की आवश्यकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपकी दिनचर्या में बड़ा बदलाव होगा। कुछ व्यायाम, योगासन और एकांत आपके लिए फायदेमंद होंगे। कैरियर के मोर्चे पर, परिस्थिति में अचानक बदलाव आपको आश्चर्यचकित कर सकता है। कुछ अप्रत्याशित रोजगार के अवसर की संभावनाएं हैं। आपको संभवत: एक ड्रीम प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया जाएगा। इससे आप सकारात्मक महसूस कर सकते हैं। आपको गुस्से व आक्रामकता पर काबू पाने की जरूरत है।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** मंगलवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

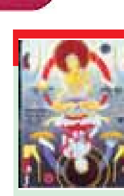

इस सप्ताह आप प्रतिबंधित, अभद्र और भ्रमित महसूस कर रहे हैं। आप हाल ही में एक कठिन समय से होकर गुजरे हैं। अब आप अपनी स्थिति को बढ़ाने के लिए कुछ समाधान लेकर आए हैं जो एक अच्छा संकेत है। ध्यान रखें कि आप वही गलतियाँ नहीं दोहराते हैं जो इस मामले में योगदान देती हैं और जो आपने अभी हल की हैं। काम के मोर्चे पर, वे लोग, जो काम की कोशिश में हैं, काम को गलत जगह तलाश रहे होंगे। आपके पेशेवर मामलों को आपके ध्यान की आवश्यकता है। अपनी रुचि के क्षेत्र का ईमानदार ज्ञान होना सबसे अधिक वांछनीय है।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

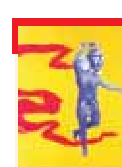

यह सप्ताह यह सोचने का उत्कृष्ट है कि आप अपना स्वास्थ्य उन्नत करने के लिए क्या कर रहे हैं और आपको क्या करना चाहिए। यह अधिक व्यायाम या अधिक आराम का विकल्प भी हो सकता है। इस पर गहराई से विचार करें और आप वर्तमान में जो कुछ कर रहे हैं उसमें संतुलित बदलाव के साथ कुछ बेहतर करेंगे। आप आनंद और उत्सवों के मूड में होंगे क्योंकि जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, आप आध्यात्मिक जागृति की तलाश में एकांत में प्रवेश करेंगे। कैरियर के मोर्चे पर, किसी आधारहीन भय ने आपके मन को बेचैन कर दिया है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

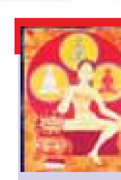

इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य में कुछ मोड़ आ सकते हैं। खुद के प्रति जवाबदेह बनें और आगे बढ़ें। कभी-कभी सिर्फ बातें होती हैं, पता है कि आप अकेले नहीं हैं। जरूरत पड़ने पर समर्थन के लिए पहुंचें। परिवर्तन का विरोध करना अक्सर आपके स्वास्थ्य के लिए बुरा होता है। अपने तनाव के स्तर को बनाए रखने के लिए जो भी कर सकते हैं, वह करें। याद रखें कि ध्यान और योग मन के लिए सबसे अच्छा उपचार है। कैरियर के मोर्चे पर, यदि आप सप्ताह में किसी भी सौदे पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, तो दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें। सहकर्मी के साथ संबंध तनावपूर्ण हो सकता है।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

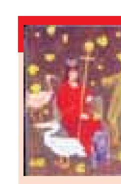

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आप महसूस करेंगे कि अतीत में आप आध्यात्मिक प्रथाओं हेतु बहुत व्यस्त थे। अब आपको उन चीजों के लिए समय निकालने का आग्रह मिलेगा जो आपकी आत्मा को पोषित करती हैं। आपको अपने ऊपर विश्वास है और इसलिए सर्वशक्तिमान पर भी है। विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ धार्मिक समूह में शामिल होने से आपके व्यक्तित्व में वृद्धि होगी। कैरियर के मोर्चे पर, संक्रमण काल है। आप बदलाव खोजने की कोशिश कर रहे हैं। आवभगत परिवर्तन एकमात्र तरीका है जिसके माध्यम से आप आसानी से नौकरी में बदलाव करेंगे।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

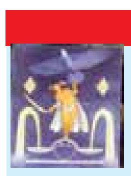

आपको अपने स्वास्थ्य पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है और अपनी काल्पनिक जगत से बाहर आना चाहिए। इस सप्ताह आप अपनी दिनचर्या को बदलना चाहेंगे और स्वास्थ्य के लिए नई चीजों की जाँच करेंगे। मूल सिद्धांतों के साथ शुरू करें। सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त नींद, व्यायाम और स्वस्थ भोजन खा रहे हैं। आपको बेहतर महसूस करने के लिए किसी भी असहज और कठिन शासन से गुजरने की जरूरत नहीं है। छोटे, सकारात्मक कदम निश्चित रूप से परिवर्तन का प्रारूप है जिसे आप बस स्वीकार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

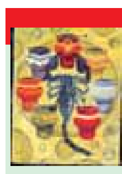

आप अच्छा महसूस करते हैं और इस सप्ताह अपने आप को लाड़-प्यार करेंगे। आपको सुखद भोजन, शानदार भोजन और मनोरंजन गतिविधियों का अनुभव करना चाहिए। अपने आप को पुन: जीवंत करने के लिए, कुछ बुनियादी संवारने का काम करें। इससे आपका ध्यान आकर्षित हो सकता है। व्यावसायिक रूप से, यह आपके करियर के लिए एक उत्कृष्ट सप्ताह है। आपका भावनात्मक स्तर आश्चर्यजनक रूप से रचनात्मक और केंद्रित है। पदोन्नति या मूल्यांकन होने की खबरें हैं। आत्मविश्वास आपका मनोबल ऊँचा रखता है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

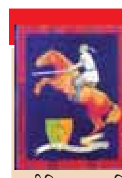

इस सप्ताह कई मुद्दे आपको परेशान कर रहे हैं और आपके लिए मन की शांति को बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। शुरुआत में, आप मानसिक, शारीरिक व आर्थिक रूप से प्रतिबंधित महसूस करेंगे। जैसे ही सप्ताह आगे बढ़ेगा, आप अपनी प्रेरणा अनुसार काम करना शुरू कर देंगे। सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। उत्तम स्वास्थ्य के लिए, अपनी उत्कृष्ट देखभाल करें। उचित काम करने की कोशिश करने में कभी देर नहीं होती। आप इस सप्ताह अच्छा पैसा कमाएँगे। व्यावसायिक रूप से, व्यवसायवाद का एक विशेष तत्व आपसे संबंधित है।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

सप्ताह भय और शंकाओं से भरा है और यह आपको भ्रमित कर सकता है। आप इस स्थिति के दौरान थका हुआ, निष्क्रिय और आगे बढ़ने में असफल महसूस कर रहे हैं। अक्सर, यह समय तरोताजा करने और विशेषज्ञ से सलाह लेने का होता है। आप लगातार स्व-निर्मित दुविधा के अधीन हैं जो एक आधारहीन भय का रूप ले चुकी है। सकारात्मक रहें, क्योंकि यह एक अस्थायी चरण है और लक्ष्य प्राप्त होने जा रहे हैं। करियर के मोर्चे पर, नए अवसर इस सप्ताह आपको रचनात्मक बनाएंगे। आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित महसूस कर रहे हैं।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** सोमवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

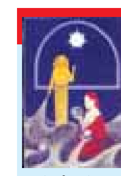

इस सप्ताह आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। बीपी, हृदय और मधुमेह की समस्याओं से प्रभावित लोगों के लिए, यह सलाह दी जाती है कि आप बस स्वयं की जांच करवाएं और डाक्टर की निगरानी में रहें। एक सख्त आहार दिनचर्या जरूरी है। आप एक सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहेंगे जो संतुलित जीवन के लिए आवश्यक है। सभी तनावों और मानसिक चिंताओं से छुटकारा पाएं। पेशेवर रूप से, यह आपके लिए एक व्यस्त सप्ताह हो सकता है, शायद यह चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है। आपको अपने काम में अधिक सक्रिय और सफल होने के लिए अपनी सीमाओं और संसाधनों को जानना चाहिए।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

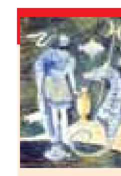

इस सप्ताह उधेड़बुन वाली स्थिति है जो नकारात्मकता का कारण बन सकती है। यह आपके लिए नयी बात नहीं होगा क्योंकि आपने अक्सर ऐसे मन:स्थिति का सामना किया है। अपनी जांच कराएं क्योंकि सप्ताह की ऊर्जा बहुत सकारात्मक नहीं है। हेल्थकेयर पेशेवर से सलाह लें। अगर कुछ गलत है, तो दूसरी राय लेने में संकोच न करें और इलाज में देरी होने से पहले सेट करें। कैरियर के मोर्चे पर, सुनिश्चित करें कि आपने अपने सभी वित्तीय दस्तावेजों को अपडेट किया है और अपनी आय और व्यय का लेखा-जोखा रखा है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

ईश्वर को खोजने के लिए
हम कहां जा सकते हैं
यदि हम उसे अपने दिलों
में व प्रत्येक प्राणी नहीं
देख सकते
- स्वामी विवेकानंद

आत्मबोध की शक्ति

राधानाथ स्वामी का कहना है कि संतजनों की संगत में आने से, हम धर्म के चार सिद्धांतों का पालन करते हैं- संयम, स्वच्छता, दया व सत्यता

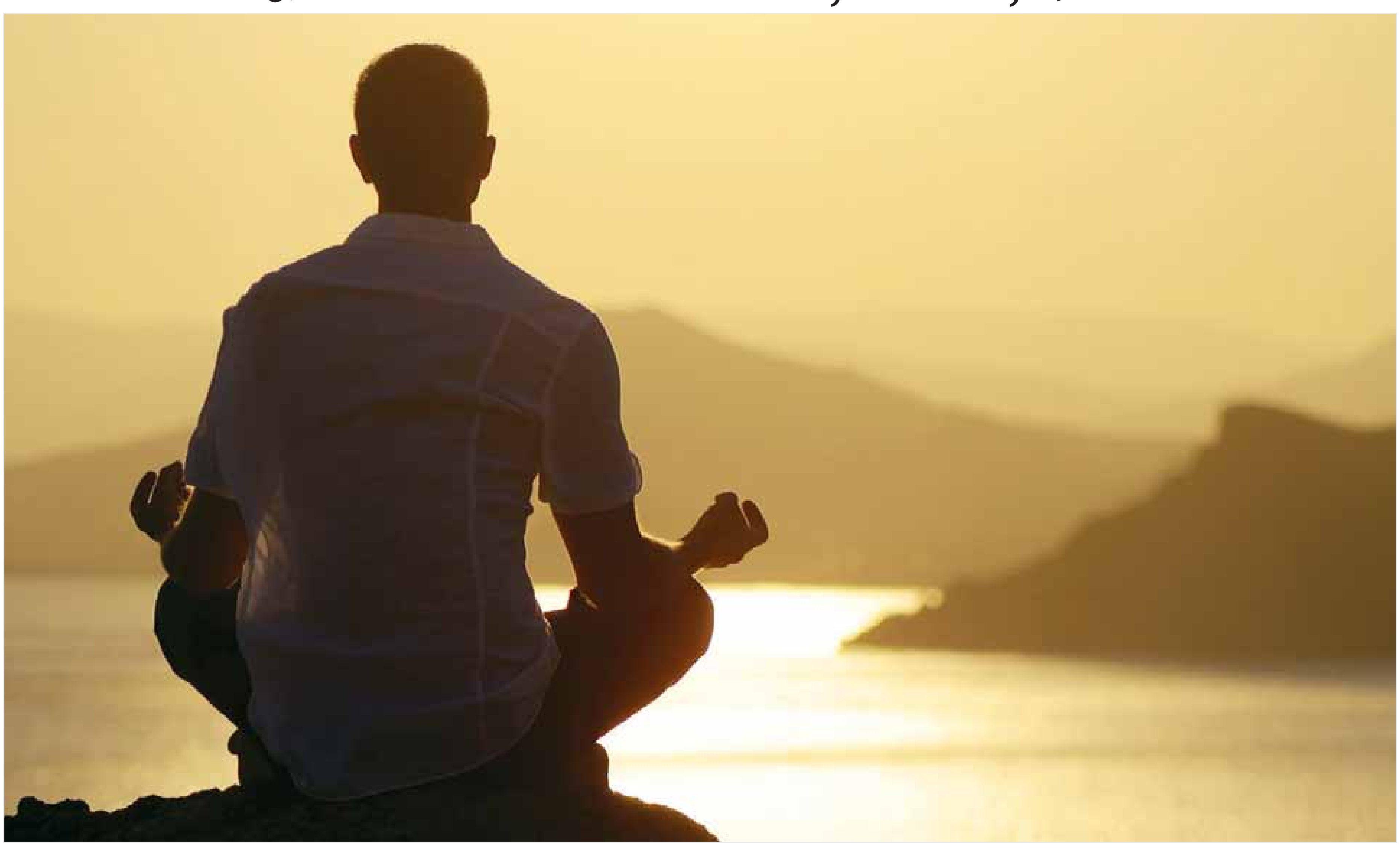

दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है और तथ्य है कि कोई इस ब्रहमांड की स्थिति को कभी बदल नहीं सकता है। हालांकि, पर्यावरण के साथ समायोजन बनाने तथा सदभावपूर्ण जीना सीखने के लिए खुद में बदलाव का प्रयास कर सकते हैं। हमें यथासंभव एक ऐसा वातावरण निर्मित करना होगा जो लोगों में शांति, समृद्धि और खुशहाली में मददगार हो। इसीलिए, दुनिया भर के महान संतों ने लोगों में आत्मबोध की आवश्यकता को प्रचारित किया है।

जो प्रश्न मेरे मन को डराता है वो यह कि इस दुनिया में शांति कैसे लाई जाए? कुछ लोग कहते हैं कि हम यह धर्म के जरिए कर सकते हैं। हालांकि, ऐसा नहीं है। असलियत में, अधिकांश हिंसा जो इस दुनिया में होती है, वो आतंकवाद के रूप में सामने आई है जिसने धर्म के मसलों पर खुराक पाई है। आतंकवादियों की गलत समझ है कि केवल आतंक के जरिए वे अपने धर्म को बचा सकते हैं।

हालांकि, यह बात सत्य से कहीं परे है। कोई भी धर्म हिंसा की शिक्षा नहीं देता है बल्कि वह दुनिया में शांति की ही पैरवी करता है। दुर्भाग्यवश, इसे आतंकवादियों द्वारा अपने हितों के अनुकूल गलत समझा गया है।

महान महाभारत युद्ध की मिसाल ले लें जो कौरवों व पांडवों के बीच 5000 से ज्यादा वर्ष पहले हुआ था। यह युद्ध विशेष सिद्धांतों या नियमों पर आधारित था जिनका पालन करने के लि दोनों पक्ष सहमत थे। उस महा युद्ध में आतंकवाद कहीं भी शामिल नहीं था। केवल लोगों ने युद्ध में लड़ा। महिलाएं, बच्चे व बुजुर्गों ने युद्ध में हिस्सा नहीं लिया। सेनाएं समान क्षमता तथा पूर्ण समर्पण वाली गरिमा व सम्मान के साथ लड़ीं कि जो कोई भी जीतता है उसे हस्तिनापुर का राज्य मिलेगा और जिसकी भी मृत्यु होगी वो स्वर्ग जाएगा। इस युद्ध की तुलना में, आतंकवाद, जो आज सामने आया है, महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों तक को बक्शता नहीं है। यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका आज हम सामना कर रहे हैं।

आतंकवाद किसी धर्म को नहीं जानता है। आतंकवादी आज हवाई जहाजों को उड़ा देते हैं, बसों व सार्वजनिक आवागमन वाले वाहनों में, सिनेमाहालों या मॉल आदि में बम रख देते है- और यह सब धर्म के नाम पर हालांकि हिंसा का धर्म से कोई लेना देना नहीं है।

श्रीमद भागवतम वर्णन करता है कि धर्म चार सिद्धांता पर आधारित है। इन्हें धर्म के चार स्तंभ कहा जाता है। वे आत्मसंयम, स्वच्छता, दया व सत्यता। चाहे आप खुद को हिन्दू कहें या मुस्लिम, बौद्ध या ईसाई कहें, यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। सवाल यह है कि हम किस तरह धर्म के इन चार सिद्धांतों का पालन करने की प्रक्रिया के जरिए ईश्वर के प्रति अपना प्रेम विकसित कर रहे हैं? इन चार सिद्धांतों के अनुपालन से हमें परम सृष्टा के साथ अपने परम संबंध का बोध हो सकता है और फिर हम हर उस स्थिति में सदभावपूर्ण व शांतचित्त दिख सकते हैं जो हमारे समक्ष उपस्थित होती है और हम समाज के हित में योगदान कर सकते हैं।

आत्मसंयम

सबसे पहले हम आत्मसंयम के पहले सिद्धांत पर विचार करते हैं जिसका अर्थ है अपने हृदय की शुद्धता तथा ईश्वर की सेवा तथा मानवता की सेवा के लिए असुविधा को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना। आत्मसंयम का अर्थ अपनी चेतना के शुद्धिकरण हेतु कष्ट, त्याग तकलीफ तक को स्वीकारने के लिए तैयार रहना तथा उन चीजों को त्यागना जो हमारे हृदय की शुद्धीकरण के विपरीत हैं, चाहे हम पसंद हो या न हो। मानव जीवन त्याग के लिए होता है।

आत्मसंयम का अर्थ है अपने समय में प्राथमिकता चुनना। आप कितना समय ईश्वर के प्रति अपने हृदय के शुद्धिकरण पर समर्पित कर रहे हैं? आप कितना समय आप अपने व्यवसाय, अपने परिवार को दे रहे हैं? आपका हर चीज में संतुलन बनाना होगा, ताकि आपका जीवन भौतिक व आध्यात्मिक दोनों रूप में पूर्ण हो, इसे संतुलित करना होगा। ध्यान, यंत्र के जरिए, हर रोज हृदय की शुद्धता को ध्यान में रखकर समय बिताना तथा धार्मिक पुस्तकें पढ़ना सर्वोत्तम संयम है।

स्वच्छता

धर्म का दूसरा सिद्धांत है स्वच्छता। कहते हैं कि स्वच्छता पवित्रता के निकट होती है। स्वच्छता तन और मन के लिए संसाधन है। तन की स्वच्छता के लिए, हमें कम से कम दिन में एक बार नहाना चाहिए। क्योंकि जब तन गंदा हो जाता है तो परिवेश भी गंदा हो जाता है और इससे मन को स्वच्छ रखने में बहुत कठिनाई होती है।

दया

धर्म का अगला सिद्धांत है दया। इस समाज के भीतर दयालु कैसे रहें? पुन: दुनिया का प्रत्येक धर्म हमें सिखाता है कि हमें दयालु होना चाहिए और सबके प्रति दया दिखानी चाहिए। यह बलिदान है, यह ऑस्टेरिटी है। अहिंसा-ईश्वर में विश्वास पर आधारित होनी चाहिए। विश्वास पहाड़ों को हिला सकता है, हमें विश्वास रखना चाहिए।

सत्यता

धर्म का चौथा सिद्धांत सत्यता है। सच क्या है? इसका उत्तर हमारा दैनिक मामलों में झूठ न बोलना है। हमें इस दुनिया में अपने सभी व्यवहारों में ईमानदार और स्पष्ट रहना चाहिए, जिसे नैतिकता कहा जाता है। भगवान कृष्ण भगवद गीता में कहते हैं कि सत्य की परिभाषा यह जानना है कि सभी जीवित प्राणी मेरे ही अंश हैं और वे मुझ में हैं और वे मेरे हैं। सच तो यह है कि हम भगवान का हिस्सा हैं। वह सब कुछ ईश्वर की संपत्ति है। जब तक हम सत्य को नहीं जानेंगे, जब तक हम सत्य को नहीं समझेंगे तब तक हम सत्य कैसे हो सकते हैं।

सत्य को समझने और आगे बढ़ाने से, हम देख सकते हैं कि हमारे पर्यावरण के भीतर सब कुछ कैसे सही है। कैसे सब कुछ भगवान की प्यारी कृपा है। बौद्धिक समझ के लिए सरल नहीं है, लेकिन हम अपने हृदय के मूल से जीवन की प्रत्येक स्थिति में ईश्वर की प्रेम की अभिव्यक्ति को अनुभव कर सकते हैं। यही असली शांति है। यह अमूर्त नहीं है, यह कुछ असंभव नहीं है। यह अपनी खुद की आत्मा के करीब होने जैसा है। हम सुख और शांति पाने के लिए हर एक दिशा में दौड़ रहे हैं। हमें बस जीवन में अपनी प्राथमिकताओं को अपनी आत्मा के प्रति और ईश्वर की हमारी सेवा के प्रति पुनर्निर्देशित करना होगा। संत व्यक्तियों के साथ जुड़कर, सत्य को सुनकर, हम सीखेंगे कि धर्म, तपस्या, स्वच्छता, दया और सत्यता के इन चार सिद्धांतों का अभ्यास कैसे करें।

- लेखक इस्कॉन के आध्यात्मिक गुरु हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

धर्म का सार

धर्म क्या है? यह प्रश्न बहुतों को चकित करता है और इस विचार को इर्दगिर्द एक व्यापक भ्रम है। यही कारण है कि धर्म की इतनी व्याख्याएँ हैं। कभी-कभी बिलकुल एक-दूसरे के विरोध में। लेकिन यह समझना महत्वपूर्ण है कि नैतिकता में गहराई से निहित धर्म एक सार्वभौमिक निर्माण है। वास्तव में, धर्म नैतिक आचरण का दूसरा नाम है। लोग सोचते हैं कि धर्म और नैतिक आचरण पर्यायवाची हैं लेकिन यह गलत है। धर्म सार्वभौमिक, सनातन और सही आचरण का मार्गदर्शक है। यही कारण है कि नेकी ही धर्म के विचार का मूल है। नेकी सही आचरण का आधार है और धर्म सही आचरण की प्रकृति को समझने का एक साधन है। पूजा स्थल में नमाज अदा करना धर्म का ही एक हिस्सा है।

हालाँकि, धर्म कहीं अधिक है। तैत्तरीय उपनिषद धर्म का सार बहुत आसानी से शिक्षावल्ली खंड में उद्घाटित करता है। जब शिष्य गुरुकुल में अपनी शिक्षा पूरी कर लेते हैं, तो गुरु वर्तमान समय के दीक्षांत समारोह की तरह दीक्षा नामक अंतिम पाठ सिखाते हैं। इस अंतिम पाठ की जड़ इन दो शब्दों में निहित है - सत्यम वचन, धर्मम चार। वह सत्य का पालन करता है और सही आचरण या धर्म के मार्ग पर चलता है। ये दो शब्द भी धर्म का सार हैं। यह कार्रवाई में निहित है। जो कार्रवाई सही है, वह कार्रवाई नैतिक है। लेकिन मुद्दा यह है कि इस कार्रवाई का मूल्यांकन कैसे किया जाए। सही का निर्धारण कैसे करें।

यह वह सवाल है जिसका जवाब देना सबसे मुश्किल है। व्यक्तियों की धर्म की अपनी व्याख्या है और प्रत्येक व्यक्ति मानता है कि उसने अपने द्वारा की गई कार्रवाई में धर्म के मार्ग का अनुसरण किया है। यही कारण है कि लोग अपने कार्यों का औचित्य साबित करते हैं। यह एक अहम् रक्षा तंत्र है जो बहाने की ओर ले जाता है। यह अहंकार है जो तार्किकता नामक इस तंत्र का कारण है। तर्क या तर्क का उपयोग हमेशा किया जाता है ताकि अपनी किसी कार्रवाई को सही ठहराया जा सके। यहाँ तक कि हिरण्यकश्यप या रावण या दुर्योधन सभी के पास अपने गलत कामों को वैध ठहराने हेतु अपने कारण थे। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि आमतौर पर लोग गलत कार्य नहीं करते हैं यदि वे मानते हैं कि यह गलत है। उनका अहंकार उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनके कार्य उचित हैं। अहंकार उनके तार्किकता पर पर्दा डाल देता है और उन्हें अनुचित का अनुपालक बना देता है।

भारतीय दर्शन इसे अविद्या कहता है। यह उन्हें सच्चाई को देखने और सही दृष्टिकोण में अपने कार्यों की जांच करने की अनुमति नहीं देता है। यहां तक कि सबसे जघन्य कृत्य भी पश्चाताप या अपराध की भावना नहीं जगाते हैं क्योंकि यह माना जाता है कि यह सही है और बहाने मिल जाते हैं।

उत्तर अहंकार या अविद्या का पर्दा हटाने में निहित है और यह केवल बोध द्वारा ही हो सकता है। बोध व्यक्ति के कार्यों का वस्तुगत मूल्यांकन करता है। यह अंतरात्मा को जगाने और भीतर देखने से आता है। विवेक धर्म का मार्गदर्शक है और यह प्रत्येक मानव में है। केवल यही है जो जागरण के विभिन्न चरणों में होता है। इस प्रकार, कुछ लोग दूसरों की तुलना में अधिक जागृत होते हैं और आसानी से इसका अहसास प्राप्त कर सकते हैं। धर्म का उद्देश्य सही मार्ग दिखाना है और इसके लिए अंतरात्मा से निरंतर मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जागृति के स्तरों में अंतर के कारण, लोगों में अहसास करने और सही और गलत के बीच भेदभाव करने की उनकी क्षमता में अंतर होता है। लेकिन यह समझा जाना चाहिए कि प्रत्येक मनुष्य में इस बोध की क्षमता है और जागरण का अनुभव है। आवश्यकता इतनी है कि उचित प्रकार का प्रशिक्षण या शिक्षण प्राप्त किया जाए। हस्तक्षेप का स्तर भिन्न हो सकता है लेकिन धर्म का सार अधिकांश द्वारा समझा जा सकता है।

- पाठक प्रबंधन, लेखक और प्रशंसित सार्वजनिक वक्ता के प्रोफेसर हैं।

पेज 1 का शेष

ऐसिड अटैक -आक्रामकता व कुंठा का शिकार पुरूष अहंकार

मैं तबाह हो गयी थी, लेकिन उस आदमी की कायरता पर विलाप करने के लिए कभी तैयार नहीं हुई, जिसका उसके जीवन में कोई लेना-देना नहीं है। मेरी सुंदरता मेरे अंदर है।' वह कहती है।

हालांकि, रक्षिमा एक अपवाद नहीं है, लगभग बीस साल की एक और लड़की ने भी वैसी ही स्थिति का सामना किया। उस तेजाब की बोतल के साथ उसके सारे सपने चकनाचूर हो गए। बदला, किसी भी चीज के जवाब के रूप में ना को स्वीकार न पाना, तथा महिलाओं को नीचा दिखाने की भावना- ये कुछ कारण हैं जो इन भयावह अपराधों की वजह बनते हैं। इन मसलों के आसपास बहुत सारी बहसें हुई हैं, लेकिन मैं पूछना चाहती हूं कि वास्तव में बदल क्या गया है? इसका जवाब किसी के पास नहीं होता है। वह समाज, जो एक ओर छपाक जैसी फिल्मों को प्रोत्साहित करता है, दूसरी ओर अभी भी एसिड अटैक पीड़िताओं की मदद करने के मामले में अपना मुंह फेर लेता है। हम अब भी अपनी जगह पाने के लिए संघर्षरत हैं। कुछ लोग तो यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि हमें पहले मामले में उस व्यक्ति से शादी करनी चाहिए थी। और अगर हम करते, तो चीजें बेहतर होतीं। हालांकि, इसमें वास्तव में उनकी गलती नहीं है। यह उनकी परवरिश है, और उनके विचार उनके व्यक्तित्व का आईना है। यह इसी मानसिकता के कारण है कि लड़कियां आज अकेले सड़कों पर चलने से डरती हैं। जब कोई लड़का उनका पीछा करता है तो वे कांप जाती हैं। एक व्यस्त सड़क पर भी उनके पीछे एक छाया उनकी रीढ़ को कंपा देती है। आप पूछते हैं, क्यों? क्योंकि कोई नहीं जानता कि वह छाया उनके लिए क्या कर सकती है।' पीड़िता अपनी पहचान बताए बिना कहती है।

मनोवैज्ञानिकों को लगता है कि एसिड अटैक के बढ़ते मामलों के पीछे का कारण कम दोषसिद्धि होना भी है, क्योंकि अपराधियों को पता है कि वे जघन्य अपराधों को करने के बावजूद बच सकते हैं या कम से कम उन्हें एक मौका मिलेगा, जहां पीड़ित जन अदालतों के थकाऊ चक्कर लगाने के बाद मुकमों से हट जाएंगे। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट पुलकित शर्मा का कहना है, 'मेरा आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ बातचीत करने का अनुभव रहा है, और इस तरह की कार्यवाही में देरी से कानून के प्रति घोर अनादर सीधे सामने आता है। हालाँकि जब हम भारत में न्यायाधीशों की भारी संख्या के संदर्भ में मसले को देखते हैं तो अदालतों को पूरी तरह से दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। एक व्यवस्था को लागू करना होगा, सरकार को भी पर्याप्त संख्या में जजों की वृद्धि के साथ अदालतों के संचालन के प्रयास आगे बढ़ाने होंगे।

'देवी माताओं,चाट पूजन, दुर्गा पूजा, माँ सरस्वती का देश भारत, एक राष्ट्र -जो यात्रा या यात्रा के रूप में जय माता दी का जाप करता है। एक ऐसा राष्ट्र जो मानता है कि हमारी देवी सबसे शक्तिशाली हैं - यह कितनी विडंबना है कि वही राष्ट्र महिलाओं पर होने वाले एसिड हमलों के मामले में वैश्विक तालिका में सबसे ऊपर है। बलात्कार के मामलों में भारत, हमारी भारत माता सबसे ऊपर है। सवाल यह उठता है कि एसिड फेंकना और अपराध को उस स्तर पर क्यों ले जाना, जहां यह न केवल उन अपराधों के मापदंडों में शामिल हो जाता है कि ये न केवल आपमें भय की सिहरन छोड़ जाते हैं, बल्कि देश में देवी की तुलना में एक लिंग के प्रति अनादर भी दिखाते हैं।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि जीवन या जीवन के मामलों के साथ जुड़ी निराशा भी ऐसे अपराधों के पीछे अपनी भूमिका निभाती है। पुलकित शर्मा कहते हैं, 'ये अपराधी आम तौर पर, ऐसे लोग हैं जो समाज द्वारा अस्वीकृत या कम स्वीकार किए होते हैं। ऐसे मामले हैं जहां आरोपी व्यक्ति इन अस्वीकारों के कारण आक्रामकता के स्तर पर पहुंच जाता है, और पीड़ितों में से सबसे आसान शिकार पर अपनी हताशा उतारता है। कार्रवाई की तीव्रता उस पल की मानसिकता, या आरोपी के पास उपलब्ध अपराध के उपकरणों पर निर्भर करती है। यही कारण है कि भारत में हर समझदार व्यक्ति एसिड की खुली बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का पक्षधर है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह अपराध पर पूर्ण रोक लगाएगा, लेकिन यह अत्याचार को रोकने का एक महत्वपूर्ण कदम होगा।'

विशेषज्ञों का मानना है कि इन मामलों को त्वरित सुनवाई करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन किया जाना चाहिए, जबकि इन मामलों में, भारत की जनसंख्या शर्मनाक है और इसलिए मुकदमों की संख्या भी इतनी ज्यादा है, अधिक फास्ट ट्रैक अदालतों को इन मामलों पर फैसला सुनाना चाहिए, ताकि अपराधियों को दंडित किया जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। सरीन सुझाव देती हैं, 'भारतीय दंड संहिता के अनुसार प्रचलित कानून के मुताबिक धारा 326 ए और 326 बी लगाई जानी चाहिए। इसके अलावा एनजीओ द्वारा व सोशल मीडिया पर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए, पुरुषों में बढ़ती आक्रामकता और कुंठित प्रवृत्ति को रोकने व नियंत्रित करने के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। उन्हें इंकार या ना को स्वीकार करने के लिए शिक्षित किया जाना चाहिए। उनमें मानवीय मूल्यों को जगाने की आवश्यकता है, उन्हें ठीक से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है कि महिलाएं उनकी संपत्ति नहीं हैं। मानव जीवन अनमोल है।'

जीवन को देखो अपनी नजर से

-महेन्द्र पाल

दोस्तों, उपरोक्त कथन जितना सरल व आसान है, उतना ही सारगर्भित होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी। क्योंकि प्रत्यक्ष स्तर पर कोई मूढ़ भी कह सकता है कि इसमें क्या खास बात है, हम सभी अपनी नज़र (यानी आंख) से ही तो देखते हैं। लेकिन आंख से देखने और नजर से देखने में बहुत अंतर होता है।

आंख जहां प्रत्यक्ष व भौतिक क्रिया का प्रतिनिधित्व करती है वहां नज़र, एक नजरिए या दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। हम सभी, प्रत्यक्षतया, आंखों के द्वारा किसी एक वस्तु या दृश्य को समान ढंग से देखते हैं, लेकिन जब उसे समझते व अलग अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, तो उसमें नजर या दृष्टि या नजरिया अपनी भूमिका निभाते नजर आते हैं। जिससे वस्तु या दृश्य-विशेष, प्रत्यक्षतया एक दिखते हुए भी, अलग अलग दिखते हैं और एक भिन्न संदेश, निहितार्थ, यहां तक जीवन-दर्शन प्रस्तुत करते नजर आते हैं।

यहां तक भी कहें तो अनुचित नहीं होगा कि संदेश , निहितार्थ और जीवनदर्शन की स्पष्टता का आधार ही नज़र या नजरिये की स्पष्टता है। जितना स्पष्ट नजरिया या दृष्टिकोण होगा, इंसान की अनुभूतियां व संदेश उतने ही स्पष्ट होंगे और अनुभूतियां व संदेश जितने स्पष्ट होंगे वे उतने ही व्यक्ति के स्तर पर आत्मविश्वास प्रदान करने वाले तथा दूसरों को आकर्षित करने में सफल होंगे। कविताओं -कहानियों आदि से समृद्ध समूचा साहित्य इसी का प्रमाण है। मशहूर शायर साहिर लुधियानवी की एक ग़ज़ल का शेर है-

ले दे के अपने पास इक ही नज़र तो है,
क्यूं देखें जिंदगी को किसी की नजर से हम।

जीवन में कामयाबी के संदर्भ में उपरोक्त पंक्तियों की बहुत अहमियत है। क्योंकि शायर के मुताबिक नज़र सिर्फ आंख का देखना मात्र नहीं है। यह नजर एक नजरिया है, एक दृष्टि है, जो जिंदगी जीने का सलीका प्रदान करती है, उसे भेड़चाल नहीं बनने देती। जो चीजों को उचित-अनुचित, सही या गलत के हिसाब से चुनती या खारिज करती है। वह, दूसरे जो कहते हैं,उसके मुताबिक नहीं,बल्कि स्वयं उस व्यक्ति को जो महसूस होता है, ठीक या बेठीक लगता है, उसके मुताबिक फैसला करने की हिम्मत प्रदान करती है। वह व्यक्ति को अपनी सीमाएं और संभावनाएं दोनों से रूबरू कराती है। और उनके मुताबिक अपने लक्ष्यों का चुनाव करना सिखाती है, इसीलिए यह सरल और स्पष्ट होकर भी बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण भी बनती है। क्योंकि मौजूदा सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अपनी नजर या नजरिए के मुताबिक जीवन जीना या लक्ष्य चुनना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। क्योंकि अक्सर अपनी नजर से देखना प्रचलित परिपाटी या जीवन चलन को चुनौती देता रहा है। इसका कारण है व्यक्ति पर अपेक्षाओं व उम्मीदों का दबाव। ये अपेक्षाएं और उम्मीदें पारिवारिक- सामाजिक दोनों स्तरों पर होती हैं। और इन्हें जीवन की शुरुआत से ही परंपरा के बतौर व्यक्ति में रोपा जाता है, भले ही निजी स्तर पर व्यक्ति कुछ और बनना चाहता हो। मसलन, अगर घर में परंपरागत तौर से वकालत का पेशा है, तो व्यक्ति से अपेक्षा और भी बड़ा वकील बनने की, की जाती है, और ऐसा चलन अमूमन हर पारिवारिक परिवेश में दिखता है। इसमें यह नहीं देखा जाता कि व्यक्ति विशेष खुद क्या बनना चाहता है। क्योंकि खुद को दरकिनार करने या व्यक्ति का निषेध करने का प्रशिक्षण जीवन के शुरुआती पड़ावों से शुरू हो जाता है जबकि अपेक्षाओं व उम्मीदों की रुपाई सूक्ष्म से सूक्ष्मतम स्तर पर जारी रहती है। नतीजा होता है कि अधिकांशत: स्वयं व्यक्ति की अपनी नजर या दृष्टि पर अपेक्षाओं व उम्मीदों का चश्मा चढ़ जाता है। जो जीवन के बाद के पड़ावों में अक्सर दबी हुई ख्वाहिशों का रूप लेकर उभरता है और कभी कभी तो इंसान को भीतर तक बेचैन कर जाता है। तमाम एक जमाने में कामयाब रहे व्यक्तियों से संबंधित निराशाजनक घटनाओं का सुर्खियों में आना या अचानक अपना तयशुदा रास्ता बदलना इसी अंतर्निहित सच्चाई का प्रमाण है कि कामयाब जीवन का आधार दृष्टि या दृष्टिकोण से गहरे जुड़ा है। नजरिया संपन्न व्यक्ति के लिए लक्ष्य- बड़ा या छोटा नहीं, कठिन या आसान नहीं, बल्कि संतुष्टि का वाहक होता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि वे बहुत बिरले लोग होते हैं जो अपनी आंखों से देखते और अपने दिल से महसूस करते हैं। हम आम जीवन पर गौर करें तो पाते भी यही है कि ज्यादातर लोग एक तयशुदा परिपाटी को अपनाते दिखते हैं।

रोहित शेट्टी मेरे साथ मजाक कर रहे थे कि वह एक लंबे समय से कारों को उड़ाने और बंदूकों से फायरिंग के साथ एक विस्तृत एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के लिए वापस जाने के लिए खुजली कर रहे थे, और मैंने उनकी भावना को पूरी तरह से साझा किया।
- रनवीर सिंह

‘हम दर्शकों की प्रतिक्रिया से अचंभित और आनंदित थे’

फिल्म ‘दम लगा के हइसा’ की छठवीं वर्षगांठ के अवसर पर इसके निर्माता-निर्देशक मनीष शर्मा और शरत कटारिया ने अपने उस आश्चर्य और प्रसन्नता का स्मरण किया जब उनकी फिल्म को ये गौरवशाली पुरस्कार मिला और दर्शकों ने इसकी जबर्दस्त सराहना की। टीम पायनियर की प्रस्तुति...

निर्माता मनीष शर्मा और निर्देशक शरत कटारिया को उस समय विश्वास नहीं हुआ था जब उनकी फिल्म ‘दम लगा के हैसा’ (डीएलकेएच) को हिंदी भाषा की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार देने की घोषणा हुई थी। आयुष्मान खुराना एवं भूमि पेडनेकर अभिनीत इस फिल्म की रिलीज की छठी वर्षगांठ पर दोनों ने फिल्म के बारे में अपने विचार तथा इसके बनने की पूरी यात्रा के बारे में विस्तार से बात की। प्रस्तुत हैं बातचीत के अंश–

❐ आपकी फिल्म ‘दम लगा के हैसा’ निर्माता के रूप में आपकी वाईआरएफके बैनर तले पहली फिल्म थी। निर्माता के रूप में आगे आने और ऐसी फिल्म से जुड़ने के पीछे की आपकी सोच क्या थी?

मनीष : कुछ लोग आगे आते हैं और कुछ को उसमें धकेल दिया जाता है। मैं बाद की श्रेणी में आता हूं। वास्तव में फिल्म के निर्माण का मेरा कोई विचार नहीं था लेकिन मुझे आदित्य चोपड़ा की योजना की जानकारी नहीं थी। शुद्ध देसी रोमांस, फिल्म उस समय रिलीज़ ही हुई थी और मैं एक और फिल्म की तैयारी कर रहा था। ऐसे ही एक दिन आदि ने बात की और मुझे इसका निर्माता बना दिया गया। ये रातोंरात हुआ। जीवन ऐसा ही होता है।

❐ जब आप इसे लिख रहे थे तो उस समय आपने दर्शकों की ऐसी प्रतिक्रिया के बारे में क्या थोड़ा भी सोचा था?

शरतः नहीं इसके बारे में कोई भी नहीं सोचता था। हम केवल अपने सर्वश्रेष्ठ संभव विचारों को ही सामने रख सकते थे। हम किसी प्रकार की आशा नहीं कर रहे थे। मैं इस प्रतिक्रिया से अचंभित और प्रसन्न थे लेकिन हमें इसकी जरा भी आशा नहीं थी।

❐ एक निर्माता के रूप में आप किस प्रकार की कहानियों पर फिल्में बनाना चाहते हैं?

मनीषः मैं फिल्म में जिस भी भूमिका में रहूं–निर्माता, निर्देशक या कहानी लेखक– मैं अपनी अंतप्रेरणा पर बहुत निर्भर करता हूं। उस समय क्या सही लगता है क्या गलत, ये न सोचकर बस एक कहानी तैयार करने पर पूरा फोकस रहता है अपनी अंत:प्रेरणा पर पूरी तरह से निर्भर रहते हुए जो सर्वश्रेष्ठ होता है उसी पर पूरा समय और ऊर्जा निवेशित करता हूं। मुझे लगता है कि अभी तक मेरी ये तकनीक सफल साबित होती आई है।

❐ आपके अनुसार इस फिल्म की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी जो ये इतनी हिट साबित हुई?

शरतः सच कहूं तो मुझे भी इसका उत्तर नहीं पता। मैंने तो ये रिलीज़ के एक साल बाद देखी थी और वो भी एक फिल्म महोत्सव में दर्शकों के साथ। मुझे आज भी नहीं पता कि दर्शकों ने इसे क्यों पसंद किया था। लेकिन मेरा मानना है कि इसकी कॉमेडी और चरित्रों का चयन एक कारण हो सकता है। मुझे नहीं पता कि इसमें नया क्या था क्योंकि जब मैं ताजा, शब्द सुनता हूं तो मुझे नहीं पता होता कि फिल्म के संदर्भ में इससे क्या अर्थ लगाया जाता है। मैं स्वयं में इसे लेकर स्पष्ट नहीं हूं। लेकिन यदि मुझे पता चल जाए तो मैं इसे दुबारा से करना पसंद करूंगा।

❐ जब आप और शरत इसके लिए साथ आए थे उस समय आपकी अपेक्षाएं क्या थीं?

मनीषः हम दर्शकों से केवल इतनी अपेक्षा रखते थे कि वे इसकी कहानी की जमीन से जुड़ी संकल्पना से जुड़ सकें। जिस प्रकार से लोगों ने इस फिल्म को अपने प्यार और स्नेह से सींचा है, वो अकल्पनीय है और हमें इससे संतोष प्राप्त हुआ। हर फिल्म थोड़ी बहुत महत्वाकांक्षा तो रखती ही है और ये अनेक भावनात्मक स्तरों पर खरी उतरी।

❐ इस फिल्म ने एक नई जोड़ी सामने रखी– आयुष्मान और भूमि, के रूप में, और ये काफी सफल रही है। आपके अनुसार लोगों ने उन्हें इसके बाद से इतना क्यों पसंद किया होगा?

शरतः केवल उनकी प्रतिभा के कारण, और इसका कोई कारण नहीं हो सकता। वे चरित्र में इतनी गहराई से समा जाते हैं कि स्वयं को विस्मृत कर बैठते हैं। वे हर फिल्म में ऐसा करते हैं। मेरे अनुसार उनकी यही विशेषता उन्हें इतना सफल बनाती है।

❐ फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर आप और शरत ने एक दूसरे से क्या कहा था?

मनीषः क्या बात कर रहा है!

❐ फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या थी?

शरतः इस बारे में मेरी बहुत अच्छी स्मृतियां हैं। मैं आपको बताता हूं जो उस दिन हुआ था। मेरी पहली प्रतिक्रिया कुछ ऐसी थी – हे भगवान! मै अब मैं पूरे दिन काम नहीं कर पाऊंगा। पहले तो मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था लेकिन जब कई फोन आए तो मैंने मनीष को फोन किया और उसे बताया कि अपनी फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। केवल फिल्म को ही नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ गायक–मोनाली और वरुण ग्रोवर को उनके गीत के लिए भी पुरस्कृत किया गया है। वो अत्यंत विस्मित था। इसके बाद फोनकॉल्स की बाढ़ आ गई थी। मेरे जीवन में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। ये हमारे लिए अत्यंत अद्भुत अनुभव था।

पितृसत्तात्मक समाज से संघर्ष की कहानी है टेलीप्ले ‘गिद्ध’

टेलीप्ले ‘गिद्ध’ में काम करते हुए अभिनेत्री सना जाफरी को अपनी रचनात्मक क्षमताओं में अद्भुत विस्तार का अनुभव हुआ

निर्देशक तथा निर्माता कंवल खूसट का टेलीप्ले ‘गिद्ध’ वास्तव में पितृसत्तात्मक समाज में दो महिला चरित्रों की एक जैसी परिस्थितियों और संघर्षों की कहानी प्रस्तुत की गई है। इस टेलीप्ले में सना जाफ़री, रस्ती फारुक़ तथा अदील अफ़ज़ल जैसे अभिनेता काम कर रहे हैं। इसकी कहानी वास्तव में सलीमा नाम की स्त्री की कहानी है जिसके यहां एक अप्रत्याशित अतिथि सलमा का आगमन होता है जो उसकी ननद होने का दावा करती है।

कहानी जैसे जैसे आगे बढ़ती है दोनों ही महिलाएं अपने जीवन के संघर्षों को सामने रखती हैं जिसमें निकल कर आता है कि वे दोनों ही एक ही व्यक्ति जुनैद जो सलमा का भाई और सलीमा का पति होता है, के कारण इन परिस्थितियों में फंसी हैं। लेकिन वे दोनों मिलकर अपने कष्टों का अंत करने का निश्चय कर लेती हैं। उनके निर्णय की परिणिति उनके जीवन में एक अप्रत्साशित बदलाव के रूप में सामने आती है।

सना ने बताया, ‘कंवल जी के साथ काम करने का अनुभव उनके जीवन का सर्वोत्तम अनुभव रहा है क्योंकि उन्होंने उनके भीतर के रचनात्मक पहलुओं को सामने आने में उनकी मदद की है जो मेरे अनुसार परदे पर उतारना कठिन था। कंवल जी की लिखी हर पंक्ति के दो या इससे अधिक अर्थ थे और उन्हें अनकहे ढंग से अभिव्यक्ति देना कठिन कार्य था। लेकिन वो इसमें सफल रहीं।

उनके अनुसार टेलीप्ले का प्रारूप पेचीदा था क्योंकि वो थियेटर के लिए प्रशिक्षित थीं लेकिन कंवल जी ने जिस प्रकार से दोनों विधाओं का मिश्रण किया है वो परदे पर अत्यंत सुंदर दिखा है।

कंवल ने सना को उसकी रचनात्मक क्षमताओं में विस्तार करने में भी मदद की। सना ने बताया, ‘हमनें बिलकुल थियेटर की तरह से अभ्यास किया और ये प्रक्रिया अत्यंत प्रभावी साबित हुई। इसके अलावा इस बात से भी हमें काफी मदद मिली कि हम पांच महिलाओं की एक टीम के रूप में काम कर रहे थे। हम जब भी अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति में कठिनाई अनुभव करते थे कंवल, मैं और रस्ती तथा हमारे सहायक अपने जीवन की परिस्थितियों पर बात करके कोई न कोई समाधान निकाल लेते थे। इस प्रकार पांच अद्भुत महिलाओं की टीम जिनके पास अपने जीवन के साझा करने योग्य अनुभव थे, ने उन्हें साझा किया और इससे एक अभिनेत्री के रूप में मुझे बहुत सहायता मिली।’

(टेलीप्ले एअरटेल स्पॉटलाइट पर 28 फरवरी को दोपहर 2 तथा सायंकाल 6 बजे प्रसारित होगा)

रॉकी और मयूर की रोड ट्रिप पहुंची नवाबों के शहर लखनऊ’

लखनऊ। पिछले कई सालों से देश में डोमेस्टिक टूरिज्म लगातार बढ़ता जा रहा था। परिवार और दोस्तों के साथ छुट्टियां बिताने और नई–नई जगहें देखने में लोगों की रुचि बढ़ती ही जा रही थी। फिर सभी के प्लान्स पर पूर्ण विराम लगा दिया, कोरोना वायरस ने। लॉकडाउन ने लोगों को महीनों के लिए घरों में बंद कर दिया और बाहर दूसरे शहर जाना तो दूर अपने ही शहर में कहीं जाना सपने सा प्रतीत होने लगा। ऐसे में लोगों को बाहर निकलने और ट्रैवेल करने की महत्ता और समझ आई।

फिर जैसे ही लॉकडाउन खुला लोग घरों से निकलकर अपने ट्रैवेल प्लान्स बनाने लगेपर भीड़ भाड़ वाली जगहों और सामूहिक यातायात के साधनों से बच रहे थे। ऐसे में छुट्टियों और सफर के लिए रोड ट्रिप का विकल्प ट्रैवेलर्स के बीच बड़ी तेज़ी पकड़ने लगा। इस सीरीज के पहले दो सीजन बहुत कामयाब रहे और इससे लाखों दर्शक जुड़े। हाईवे मेन के नाम से मशहूर ये जोड़ी अपने पहले सीजन में पहुंची राजस्थान और अपने दूसरे सीजन में हिमाचल। इस डिजिटल एक्सक्लूसिव सीरीज की पिछली दो रोड ट्रिप्स ने इंटरनेट पर नए रिकॉर्ड्स बनाए और 200 से ज़्यादा पोस्ट और अपडेट के साथ कामयाबी की नई मिसालें कायम की। सोशल मीडिया में ज़बरदस्त उपस्थिति और रॉकी और मयूर की अच्छी फालोइंग के चलते इन ट्रिप्स को 6 करोड़ से ज़्यादा व्यूज और 20 करोड़ से ज़्यादा इम्प्रेशंस मिले। नई जगहों, ज़ायकों और मज़ेदार किस्सों से भरपूर इस सफर में हर दिन, हर वीडियो और हर पोस्ट एक अनूठा अनुभव है। अब सीरीज के तीसरे सीजन में रॉकी और मयूर निकल पड़े हैं एक नए सफर पर जहाँ वो दिल्ली से कोलकाता तक का सफ़र पूरा कर रहे हैं।अपनी इस दो हफ्ते की यात्रा के दौरान वो कई प्रसिद्द जगहों से गुज़रेंगे और इस सफ़र में काफ़ी अच्छा वक़्त बिताएंगे उत्तर प्रदेश में। पिछले कुछ सालों में उत्तर प्रदेश की सडकों पर सफ़र काफ़ी आरामदायक और आनंददायक बन चुका है।चौड़े हाईवे, हाईवे के दोनों तरफ़ हरे भरे खेत, ढाबा और मज़ेदार लोग। बस और क्या चाहिए एक रोड ट्रिप के लिए। रॉकी और मयूर अपने कनपुरिया अंदाज़ में पहुंचेगे चंद्रशेखर आज़ाद बर्ड सैंक्चुअरी। लखनऊ पहुँचते–पहुँचते उनके अंदाज़ में घुल–मिल जाएगी थोड़ी नज़ाकत और नफ़ासत। नवाबों के शहर आएं और कबाब न खाएं, भला ऐसा मुमकिन है क्या! टुंडे के कबाब से लेकर, इदरीस की बिरयानी, राम आसरे की मिठाइयों से लेकर राम नारायण की चाट, खाने पीने की सभी मशहूर जगहें हैं रॉकी और मयूर के मेन्यू में। साथ ही बड़ा इमामबाड़ा और उसके आस–पास खोजेंगे लखनऊ का इतिहास और मिलेंगे लखनऊ के महिला रॉक बैंड की टीम के सदस्यों से जिन्होंने रसोई के बर्तनों से संगीत बना डाला। फॉलो कीजिए इस मज़ेदार सफ़र को और रॉकी और मयूर के यूट्यूब, इंस्टाग्राम फेसबुक और ट्विटर प्लेटफॉर्म्स पर। लखनऊ से उनका यह सफ़र प्रयागराज और वाराणसी होते हुए कोलकाता की ओर बढ़ेगा।

छोटा कैलाश को विकसित करने का प्रस्ताव

पिथौरागढ़। कैलाशमानसरोवर यात्रा का आयोजन इस वर्ष भी संभव न होने की आशंकाओं के मददेनजर कुमांउ मंडल विकास निगम ने चीन के साथ लगती सीमा पर भारतीय क्षेत्र में स्थित शिव के धाम छोटा कैलाश को एक प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। निगम के अध्यक्ष केदार जोशी ने यहां बताया, आदि कैलाश के रूप में भी विख्यात छोटा कैलाश को भगवान शिव का असली घर माना जाता है और देश भर के शिवभक्तों के लिए यह सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल हो सकता है। उन्होने कहा कि सीमा सडक संगठन द्वारा पिछले साल जून में व्यास घाटी को मोटर मार्ग से जोड दिए जाने के बाद छोटा कैलाश तक संपर्क (कनेक्टिविटी) भी बेहतर हुई है, इससे तीर्थयात्रियों का वहां तक जाना भी सुविधाजनक हो गया है। भारतचीन सीमा पर स्थित लिपुलेख दें के जरिए हर वर्ष होने वाली कैलाशमानसरोवर यात्रा के लिए निगम नोडल एजेंसी है। पिछले साल कोविड 19 महामारी के कारण यह यात्रा नहीं हो पाई और इस बार भी अब तक इसके लिए तैयारी बैठकों के न होने के कारण इसके आयोजन की संभावनाएं नहीं लग रही हैं। यात्रा के संबंध में हर साल फरवरी के पहले सप्ताह में विदेश मंत्रालय तैयारी बैठकें करता है। निगम के अध्यक्ष जोशी ने बताया कि वह अप्रैल में स्वयं छोटा कैलाश जाने की योजना बना रहे हैं जिससे वहां आधारभूत संरचनाओं की स्थिति का जायजा लिया जा सके। जोशी का मानना है कि अगर सुविधाएं बढाई जाएं तो ज्यादा तीर्थयात्री छोटा कैलाश की यात्रा पर आएंगे। जून से शुरू होने वाली छोटा कैलाश की तीर्थयात्रा पर अभी करीब एक हजार श्रद्धालु प्रतिवर्ष पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोटा कैलाश की यात्रा का निमंत्रण देना चाहता है जिससे इसे धार्मिक पर्यटन के एक गंतव्य के रूप में बढावा मिलेगा।

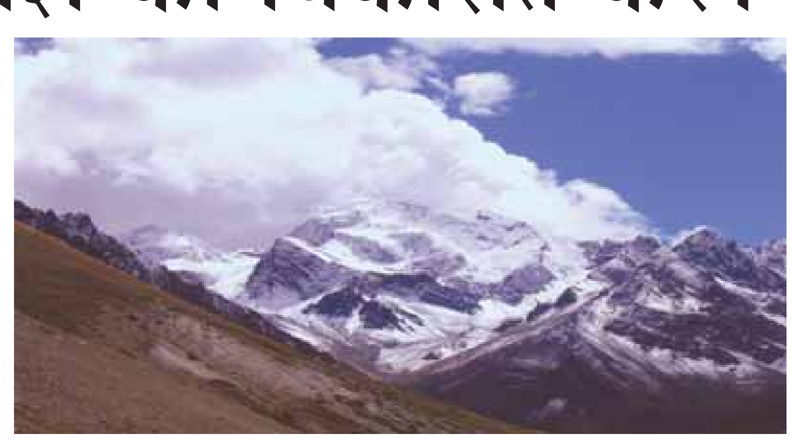

मार्च से सिद्धिविनायक मंदिर में प्रवेश को कराना होगा ऑनलाइन पंजीकरण

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई और अन्य भागों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर एक मार्च से सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को पहले ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। मंदिर के प्रबंधन से जुड़ी एक पदाधिकारी ने इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि अगले महीने से ऑनलाइन पंजीकरण कराने वालों को ही दर्शन की अनुमति दी जाएगी और एक घंटे में मंदिर के भीतर 100 श्रद्धालुओं को ही जाने की इजाजत होगी। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका छपवले ने पीटीआई–भाषा को बताया कि वर्तमान में दर्शन के लिए पंजीकरण नहीं कराने वाले श्रद्धालुओं को मौके पर क्यूआर कोड दिए जाते हैं जिससे वे मंदिर में दाखिल हो पाते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन हमने एक मार्च से इस व्यवस्था को पूरी तरह रोकने का फैसला किया है। अगले आदेश तक पहले से पंजीकरण नहीं कराने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, प्रत्एक घंटे केवल 100 श्रद्धालुओं को ही पहले से बुक क्यूआर कोड के साथ सुबह सात बजे से रात नौ बजे के बीच दर्शन के लिए जाने की अनुमति होगी। छपवले ने कहा कि अंगारकी चतुर्थी (दो मार्च) के दिन सुबह आठ बजे से नौ बजे के बीच दर्शन की अनुमति होगी।
सिद्धिविनायक मंदिर शहर के प्रभादेवी इलाके में स्थित है। कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के कारण पिछले साल कई महीनों तक मंदिर बंद रहा था। नवंबर में इसे फिर से खोला गया।